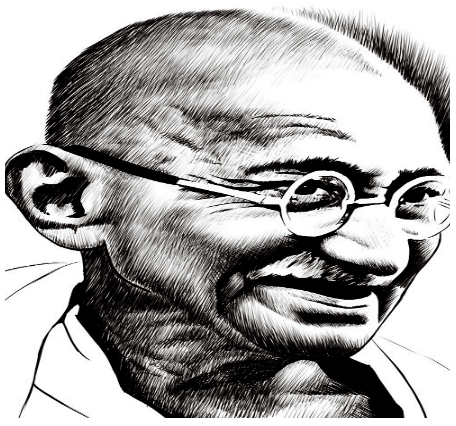

राष्ट्र का एकमेव... महात्मा गांधी के सिद्धांतों का संवाहक

लोक सदन

कोरबा से प्रकाशित प्रातः दैनिक

डाक पंजीयन क्रमांक
जी 2-112/सीजी/बी.एल.पी./072/2024-2026

(संपादकीय 9752527100 8770646952)

आर.एन.आई.रजि. क्र.
(CHHHIN/2010/33639)

कोरबा, मंगलवार 29 जुलाई 2025

कुल पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रु.

वर्ष - 16

अंक - 73

Epaper : www.loksadan.com

Email : loksadan@gmail.com

वर्मा जी बनाम भौकाल

अभिव्यक्ति की आजादी या भोंडापन?

नीरव वर्मा
विशाखापट्टनम

वर्मा जी, अब लग रहा है कि मैं अपने पूरे परिवार के साथ बैठकर टीवी, विशेषकर ओटीटी प्लैटफार्म पर आने वाले धारावाहिक या फिल्मे देख सकता हूँ। नखड़ूवा ने घुसते ही ऐलान किया।

क्यों, ऐसी क्या बात हो गई?

अजी आपको पता नहीं। केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाते हुए 25 ओटीटी प्लेटफॉर्म पर बैन लगा दिया है। इन प्लेटफॉर्म पर आरोप है कि ये अश्लील कंटेंट प्रसारित करते थे। बैन लगाने के बाद इंटरनेट सेवा प्रदाताओं को निर्देश दिया गया है कि अब ये वेबसाइट पब्लिक के लिए उपलब्ध न हों। इस बैन का सीधा उद्देश्य बच्चों और किशोरों को पोर्नोग्राफी कंटेंट की पहुंच से रोकना और डिजिटल कंटेंट को कानूनी और नैतिक मानकों के अनुरूप बनाना है। वर्मा जी, बड़ा मुश्किल हो गया था, पूरे परिवार विशेषकर बच्चों के साथ बैठकर टीवी देखना।

ठीक कहता है, नखड़ूवा। फिल्मों के लिए तो सेन्सर बोर्ड होता है। यह प्रावधान सिनेमैटोग्राफ अधिनियम, 1952 के रूल 41 में लिखा गया है कि किस फिल्म को कौन सा सर्टिफिकेट दिया जायेगा। सेंसर बोर्ड का यह प्रयास रहता है कि वह फिल्मों में अश्लील कॉमेडी, अश्लील सॉन्ग, अश्लील सीन्स, डबल मीनिंग डायलाग, गाली, अत्यधिक हिंसा इत्यादि को ना जाने दे। बोर्ड, यह भी ध्यान देता हैं कि फिल्म के जरिये किसी विशेष धर्म, समुदाय, वर्ग, आस्था आदि पर चोट न की जाए ताकि समाज की शांति भंग न हो और देश में अराजकता का माहौल पैदा ना हो।

तुम्हें याद होगा कि पहले सिर्फ 2 तरह के सर्टिफिकेट जारी होते थे, यू और ए। यू यानि सभी के लिए और ए यानि सिर्फ वयस्कों के लिए। जिस फिल्म के पोस्टर पर ए का सर्टिफिकेट लिखा होता था, हम कल्पनाएं करते रहते थे कि उस फिल्म में क्या होगा। पर न तो उन फिल्मों को देखने की हैसियत थी और न हिम्मत ही। जून, 1983 से सर्टिफिकेट की संख्या बढ़ाकर 4 कर दी गई जैसे अ (अनिर्बंधित), अ/व (12 साल से ऊपर और अभिभावक की उपस्थिति), व (वयस्क) और वि (विशेष)। अब तो अ/व में 7, 13 और 16 वर्ष वाली श्रेणियाँ भी आ गई हैं।

अलबत्ता किसी किसी चैनल पर यह पूछ भी लिया जाता है कि यदि आप 18 वर्ष से ज्यादा उम्र वाले हैं तो यस पर क्लिक करें। अब वो क्लिक करने वाला 18 वर्ष का है या 8 वर्ष का, इसकी कोई जांच या चेकिंग नहीं। मतलब यह कि सभी उम्र के लोग सभी तरह की चीजें देखने के लिए स्वतंत्र हैं।

संक्षेप में बताऊँ तो ओटीटी प्लेटफॉर्म पर दिखाई जाने वाली सामग्री बिना किसी विशेष निगरानी या सेंसर के सीधे आम जनता तक पहुंच रही है। इन प्लेटफार्मों पर परोसी जा रही सामग्री में अश्लीलता, हिंसा, धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाले दृश्य और संवाद होते हैं जिसे देखने व सुनने से विशेषकर युवाओं और बच्चों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। भारत में ओटीटी प्लेटफॉर्मों के लिए कोई केंद्रीय सेंसर बोर्ड नहीं है, लेकिन सरकार ने सामग्री को विनियमित करने के लिए डिजिटल सामग्री शिकायत परिषद (डीसीसीसी) नामक एक निकाय का गठन किया है। इनके द्वारा लगाया प्रतिबंध न केवल समाज में अनुशासन और नैतिकता की भावना पैदा करेगा बल्कि डिजिटल दुनिया में बच्चों और युवाओं के मानसिक विकास की रक्षा भी करेगा। ऐसे ओटीटी के मालिक बड़े बड़े लोग और प्रसिद्ध फिल्म निर्माता भी हैं जो अनैतिक काम करते हैं और कहते हैं कि यह प्रतिबंध अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर अंकुश है, जो कि बिलकुल बकवास है। अश्लीलता, भोंडापन, नंगापन परोसना अभिव्यक्ति की आजादी नहीं है। अब सरकार ने साफ आदेश दे दिया है कि डिजिटल कंटेंट अगर कानून और नागरिकता के दायरे के बाहर जाएंगे तो कड़ी कार्रवाई होगी। वर्मा जी ने पूरी बात विस्तार से बताई।

नखड़ूवा खुश था। हमारा जमाना ही ठीक था, वर्मा जी। हमारे गाँव और कस्बे में सिनेमा हाल नहीं था, टीवी की बात छोड़िए। वहाँ एक बिजली उत्पादन का प्लांट था। विशेषकर उसके कर्मचारियों के लिए महीने में दो दिन एक मैदान के बीच में पर्दा लगाकर प्रोजेक्टर से उस पर फिल्म दिखाई जाती थी। यह गाँव वालों के लिए भी फ्री था। पर्दे के दोनों तरफ खुला मैदान था। आप पर्दे के इस तरफ से देखें या उस तरफ से, बराबर मजा आता था। पूरा गाँव, पूरा कस्बा, बच्चे, युवा, बूढ़े, कर्मचारी और गैर कर्मचारी अगली फिल्म का इंतजार करते और खूब मजा लेते। पता ही नहीं चला कि किसी सेंसर बोर्ड या डीसीसीसी की जरूरत है।

कभी नहीं पूछा कि हमने कितने दुश्मन के विमान मार गिराए

■ विपक्ष पर राजनाथ सिंह ने साधा निशाना

लोकसदन, नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को लोकसभा में विपक्ष पर निशाना साधा और ऑपरेशन सिंदूर पर शुरुआती बहस के दौरान गलत सवालों को प्राथमिकता देने का आरोप लगाया। संसद के मानसून सत्र के दौरान राजनाथ ने कहा कि विपक्ष के लोग पूछते रहे हैं कि हमारे कितने विमान गिरे। मुझे लगता है कि उनका यह प्रश्न हमारी राष्ट्रीय जनभावनाओं का सही प्रतिनिधित्व नहीं करता। उन्होंने कहा कि हर देश में, नागरिक विपक्ष और सरकार को अलग-अलग जिम्मेदारियाँ सौंपते हैं। सरकार की भूमिका नागरिकों के लिए काम करना है, और विपक्ष की भूमिका नागरिकों से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर सरकार से सवाल पूछना है। विपक्ष के कुछ सदस्य पूछ रहे हैं कि हमारे कितने विमान मार गिराए गए? मुझे लगता है कि उनका सवाल हमारी राष्ट्रीय भावनाओं का पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं करता है।

सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर की सराहना करते हुए कहा कि फाल्गाम आतंकी हमले के जवाब में 7 मई को शुरू किया गया सैन्य अभियान सफल रहा। उन्होंने आगे कहा कि अगर उन्हें कोई सवाल पूछना ही है, तो वह यह होना चाहिए कि क्या भारत ने आतंकवादी ठिकानों को नष्ट किया, और इसका उत्तर है, हाँ... अगर आपको कोई सवाल पूछना है, तो वह यह होना चाहिए कि क्या ऑपरेशन सिंदूर सफल रहा। इसका उत्तर है, हाँ। क्या आतंकवादियों के सरगनाओं को नष्ट किया गया? हाँ। अगर आपको कोई सवाल पूछना है, तो यह पूछें- क्या इस ऑपरेशन में हमारे किसी बहादुर सैनिक को कोई नुकसान पहुँचा? इसका उत्तर है, नहीं, हमारे किसी भी सैनिक को कोई नुकसान नहीं पहुँचा...।

भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा शुरू किए गए सैन्य अभियान को ऐतिहासिक बताते हुए, सिंह ने उन सैनिकों को श्रद्धांजलि दी जो देश के लिए अपने प्राणों की आहुति देने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं। सिंह ने लोकसभा में अपने संबोधन में कहा कि संसद ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के लिए तैयार है। सबसे पहले, मैं संसद की ओर से उन वीर जवानों के प्रति आभार व्यक्त करना चाहता हूँ जिन्होंने आवश्यकता पड़ने पर देश के लिए बलिदान दिया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि ऑपरेशन सिंदूर आतंकवाद के विरुद्ध भारत की नीति का एक निर्णायक और प्रभावी प्रदर्शन था।

संपादकीय क्लिक

पाकिस्तान ने लगाई थी सीजफायर की गुहार

जयशंकर बोले- 22 अप्रैल से 17 जून तक पीएम मोदी और ट्रंप के बीच नहीं हुई कोई बातचीत

लोकसदन, नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा के मानसून सत्र के दौरान ऑपरेशन सिंदूर को लेकर जमकर बहसबाजी हुई। इस दौरान पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सदन को इस ऑपरेशन के बारे में बताया, फिर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भी पाकिस्तान का धागा खोल दिया। विदेश मंत्री ने सुरक्षा मामलों की कैबिनेट कमेटी की मीटिंग से लेकर पाकिस्तानी दूतावास के सदस्यों को पर्सन ऑफ नॉन ग्रेटा घोषित किए जाने तक, सरकार के सभी महत्वपूर्ण कदम गिनाए।

ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के दौरान विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने कहा कि 22 अप्रैल से 17 जून तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच कोई बातचीत नहीं हुई। उन्होंने कहा कि दूतावासों को ब्रीफिंग देने के साथ ही मीडिया में भी यह जानकारी दी गई है कि भारत को अपने नागरिकों की रक्षा का अधिकार है। जयशंकर ने कहा, पाकिस्तान सुरक्षा काउंसिल का सदस्य है, हम नहीं हैं। हमने अंतरराष्ट्रीय समुदाय को पाकिस्तान के बारे में बताया।

उप्र के बरेली के गांव में छत पर पड़ा मिला मेड इन चाइना लिखा ड्रोन

लोकसदन, बरेली (एजेंसी)। बरेली जिले के ग्रामीण इलाकों व कस्बों में ड्रोन उड़ने का शोर मच रहा है। इससे ग्रामीणों में कौतहूल के साथ दहशत भी है। फतेहगंज पश्चिमी क्षेत्र के मंडोली गांव से चौंकाने वाला मामला सामने आया है। गांव निवासी कमल मौर्य के मकान की छत पर सोमवार सुबह ड्रोन पड़ा मिला। उन्होंने बताया कि सुबह उनका बेटा नवनीत मौर्य किसी काम से छत पर गया। उसने छत पर ड्रोन पड़ा देखा। उसके शोर मचाने पर परिवार के लोग पहुंचे तो उनके होश उड़ गए। ड्रोन मिलने की खबर मिलते मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। उन्होंने डायल 112 पर कॉल कर पुलिस को बुला लिया। पुलिस ने ड्रोन को कब्जे में ले लिया है। ड्रोन पर मेड इन चाइना लिखा है। ड्रोन किसका है और छत पर कैसे पहुंचा, इसका पता लगाने के लिए पुलिस जांच कर रही है।

सोनिया-राहुल गांधी की बढ़ सकती हैं मुश्किलें

कल कोर्ट आरोप पत्र पर ले सकती है संज्ञान

लोकसदन, नई दिल्ली (एजेंसी)। राउज एवेन्यू कोर्ट कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और राहुल गांधी से जुड़े नेशनल हेराल्ड मामले में प्रवर्तन निदेशालय के आरोपपत्र पर संज्ञान लेने के पहलू पर मंगलवार को अपना फैसला सुनाएगी। विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने ने 15 जुलाई को दोनों पक्षों की ओर से संज्ञान लेने के पहलू पर दलीलों पर विचार करने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

अदालत 2 जुलाई से प्रवर्तन निदेशालय और प्रस्तावित आरोपियों की ओर से संज्ञान लेने के बिंदु पर दैनिक आधार पर दलीलों पर सुनवाई कर रही थी। ईडी ने कांग्रेस नेताओं, दिवंगत पार्टी नेताओं मोतीलाल वोरा और ऑस्कर फर्नांडीस के साथ-साथ सुमन दुबे, सैम पित्रोदा पर भी आरोप लगाए हैं।

साथ ही, एक निजी कंपनी यंग इंडियन पर नेशनल हेराल्ड अखबार प्रकाशित करने वाली एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) से संबंधित 2,000 करोड़ रुपये की संपत्तियों के कथित धोखाधड़ी से अधिग्रहण पर साजिश और धन शोधन का आरोप लगाया है।

धामी सरकार का बड़ा फैसला

उत्तराखंड में 'और सख्त' होगा मतांतरण कानून

लोकसदन, देहरादून (एजेंसी)। प्रदेश में मतांतरण संबंधी हालिया गतिविधियों को देखते हुए प्रदेश सरकार सख्त रुख अपनाने जा रही है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मौजूदा मतांतरण कानून को और सख्त बनाने के निर्देश दिए हैं। इसमें अब सजा की अवधि और जुर्माने की राशि को बढ़ाया जा सकता है। साथ ही मुख्यमंत्री ने मिशन कालनेमि पर लगातार नजर रखने के लिए मुख्यालय स्तर पर एक एसआईटी गठित करने के भी निर्देश दिए हैं।

सोमवार को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सचिवालय में उच्चाधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड सीमांत भूमि होने के साथ सनातन की पुण्य भूमि भी है। इसके लिए यहां जनसांख्यकी में बदलाव की किसी भी कोशिश को सख्ती से रोका जाए। उन्होंने कहा कि पुलिस इस तरह की संदिग्ध गतिविधियों पर लगातार नजर रखे। मतांतरण कराने वाले तत्वों के जाल में फंस लोगों को उचित परामर्श और मार्गदर्शन दिया जाए। उन्होंने कहा कि मतांतरण कानून को और अधिक सख्त बनाया जाए। प्रदेश में अभी धर्मांतरण कानून के तहत दोषी पाए जाने पर दस साल तक की सजा और 50 हजार रुपये जुर्माने का प्रविधान है। अब इसे और बढ़ाया जा सकता है।

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि भेष बदलकर आमजन को बरगलाने वालों पर मिशन कालनेमि लगाम लगाने में सफल रहा है। इस मुहीम को आगे भी चलाए जाने की जरूरत है। इसलिए पुलिस मुख्यालय के स्तर पर इसकी निगरानी के लिए एसआईटी का गठन किया जाए। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशों के क्रम में गृह विभाग इस कानून को सख्त बनाने की तैयारी में भी जुट गया है। इसके लिए मौजूदा प्रविधानों का अध्ययन किया जा रहा है, यह देखा जा रहा है कि इनमें से कौन से प्रविधान और अधिक सख्त बनाए जा सकते हैं।

हमें उनके साथ नहीं खेलना चाहिए : अरविंद

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद में ऑपरेशन सिदूर पर चर्चा के दौरान भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले मैच का मुद्दा उठाया गया। शिवसेना सांसद अरविंद सावंत ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में हमने पाकिस्तान को धूल चटाई। हम पाकिस्तान के साथ कोई भी नाता नहीं रख रहे, फिर हम उनके साथ क्रिकेट मैच क्यों खेलने जा रहे। हमें उनके साथ नहीं खेलना चाहिए। 9 से 28 सितंबर तक यूएई में होने वाले आगामी एशिया कप 2025 के मद्देनजर उनका यह बयान अहम है। इस टूर्नामेंट में भारत और पाकिस्तान एक बार फिर एक ही ग्रुप में हैं। उन्होंने अपील करते हुए कहा कि भारत के लिए पाकिस्तान के साथ क्रिकेट खेलना अनुचित होगा, जिसने भारत को कई बार घायल किया है।

मां तुझे सलाम : विमान हादसे में आठ महीने के अपने बेटे को पहले आग से बचाया, फिर झुलसे लाडले को दी अपनी त्वचा

लोकसदन, अहमदाबाद (एजेंसी)। मां अपने बच्चों की ढाल बनकर हर मुसीबत का मुकाबला कर सकती है। कुछ ऐसा ही अहमदाबाद विमान हादसे के बाद हुआ। 12 जून को हुए विमान हादसे में झुलसे अपने आठ महीने के मासूम को एक मां ने अपनी त्वचा दे दी। हादसे का शिकार हुए सबसे कम उम्र आठ महीने के बच्चे ध्यानांश को उसकी मां ने विमान में लगी आग से भी बचाया।

12 जून को एअर इंडिया का विमान मेडिकल कॉलेज की छत पर दुर्घटनाग्रस्त हुआ था। मेडिकल कॉलेज की इमारत में मनीषा कछाड़िया और उनका बेटा ध्यानांश अपने क्वार्टर में थे। विमान गिरने के बाद लगी आग में ध्यानांश 36 प्रतिशत तक जल गया था। जबकि उसकी मां 25 प्रतिशत तक जल गई थी। बच्चे के इलाज के लिए उसकी मां ने अपनी त्वचा का प्रत्यारोपण कराया। बेटे को उन्होंने अपनी त्वचा दी और इससे उसके घावों को भरने में मदद मिली। डॉक्टरों ने बताया कि पांच सप्ताह के गहन उपचार और आग के कारण झुलसी त्वचा की प्लास्टिक सर्जरी के बाद शिशु और उसकी मां को निजी अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। केडी अस्पताल के कंसल्टेंट प्लास्टिक सर्जन डॉ. रुत्विज पारिख ने बताया कि बच्चे की त्वचा के साथ-साथ उसकी मां की त्वचा का उपयोग उसके थर्ड डिग्री बर्न घावों के उपचार के लिए किया गया।

बेटे को लेकर इमारत से भागी थी मां

आठ माह के मासूम ध्यानांश के पिता कपिल कछाड़िया बीजे मेडिकल कॉलेज में यूरोलॉजी में सुपर-स्पेशलिटी एमसीएच डिग्री कोर्स कर रहे हैं। दुर्घटना के समय वह अस्पताल में थे जबकि उनकी पत्नी और बेटा अपने क्वार्टर में थे। कपिल कछाड़िया ने बताया कि दुर्घटना और उसके बाद लगी आग इतनी भयावह थी कि फ्लैट के अंदर होने के बावजूद गर्मी के कारण मनीषा और ध्यानांश झुलस गए। हादसे के बाद मनीषा को चोटें आईं, लेकिन वह बेटे को उठाकर इमारत से बाहर भागी और वे दोनों बच गए।

36 फीसदी जल गया था बच्चा

डॉ. पार्थ देसाई ने बताया कि सिविल अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को केडी अस्पताल ले जाया गया। मनीषा के हाथ चेहरे और पैरों पर 25 जगह जलन हुई, जबकि शिशु का चेहरा और शरीर के अन्य अंग 36 प्रतिशत तक जल गए। मां और बेटे दोनों के घाव गहरे थे। हमें उन घावों को ठीक करने के लिए त्वचा प्रत्यारोपण प्रक्रिया करनी पड़ी।

ऐसे किया गया प्रत्यारोपण

प्लास्टिक सर्जन डॉ. रुत्विज पारिख ने कहा कि त्वचा प्रत्यारोपण प्रक्रिया में हम त्वचा की एक पतली परत लेते हैं और उसे घाव पर लगाकर उसे ढक देते हैं। जिस जगह से त्वचा ली जाती है वह समय के साथ ठीक हो जाती है और नई त्वचा उसे ढक लेती है। सबसे पहले मनीषा के घावों को ठीक करने के लिए उसकी त्वचा को प्रत्यारोपित किया गया। इसके बाद ध्यानांश की त्वचा भी उसके जलने के घावों को ढकने के लिए ली गई।

डॉक्टर ने कहा कि ध्यानांश के घावों को ढकने के लिए हमें ज्यादा त्वचा की जरूरत थी क्योंकि बच्चों के शरीर पर ज्यादा त्वचा नहीं होती। इसलिए हमने उसके घावों को ढकने के लिए मनीषा और उसकी त्वचा दोनों का इस्तेमाल किया। आमतौर पर ऐसे मामलों में मां की त्वचा को प्राथमिकता दी जाती है। दोनों ठीक हो गए और पांच सप्ताह के गहन उपचार के बाद एक सप्ताह पहले उन्हें छुट्टी दे दी गई।

अदाणी ग्रीन एनर्जी की बिक्री पहली तिमाही में 42% बढ़ी, ऑपरेशनल कैपेसिटी 15.8 गीगावाट पहुंची

लोकसदन, अहमदाबाद (एजेंसी)। अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) की एनर्जी बिक्री सालाना आधार पर 42 प्रतिशत बढ़कर वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में 10479 मिलियन यूनिट हो गई है। कंपनी की ऑपरेशनल रिन्यूएबल एनर्जी (आरई) क्षमता 45 प्रतिशत बढ़कर 15.8 गीगावाट हो गई है। यह जानकारी कंपनी की ओर से सोमवार को दी गई। अदाणी ग्रुप की कंपनी ने कहा कि वित्त वर्ष की पहली तिमाही में आय सालाना आधार पर 31 प्रतिशत बढ़कर 3312 करोड़ रुपये हो गई है। जबकि ईबीआईटीडीए सालाना आधार पर 31 प्रतिशत बढ़कर 3108 करोड़ रुपये हो गई है।

एजीईएल ने बताया कि वित्त वर्ष की पहली तिमाही में कंपनी का कैश प्रॉफिट सालाना आधार पर 25 प्रतिशत बढ़कर 1,744 करोड़ रुपये हो गया था। अदाणी ग्रीन एनर्जी के सीईओ आशीष खन्ना ने कहा, पहली तिमाही के दौरान हमने 1.6 गीगावाट ग्रीनफील्ड रिन्यूएबल एनर्जी क्षमता बढ़ाई है। इससे पिछले एक वर्ष में हमारी कुल क्षमता वृद्धि 4.9 गीगावाट हो गई है। यह भारत के स्वच्छ ऊर्जा की ओर बदलाव में एक बेजोड़ उपलब्धि है। उन्होंने आगे कहा कि गुजरात के खावड़ा और अन्य संसाधन संपन्न जगहों पर बड़े पैमाने पर रिन्यूएबल एनर्जी डेवलपमेंट में निवेश से हमें बेहतर परिचालन प्रदर्शन और उद्योग में सर्वश्रेष्ठ ईबीआईटीडीए मार्जिन हासिल करने में मदद मिली है।

अदाणी ग्रीन एनर्जी के सीईओ ने कहा कि कंपनी 2030 तक 50 गीगावाट रिन्यूएबल एनर्जी क्षमता के अपने लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में अग्रसर है। इसमें कम से कम 5 गीगावाट हाइड्रो पंप स्टोरेज और बैटरी स्टोरेज शामिल हैं। खन्ना ने कहा, बैटरी स्टोरेज भी हमारी भविष्य की रणनीति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। हम नेशनल एनर्जी ट्रांजिशन और सिक्योरिटी महत्वाकांक्षाओं का समर्थन करने के साथ-साथ अपने ईएसजी नेतृत्व को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह एफटीएसई रसेल ईएसजी मूल्यांकन में हमारी शीर्ष रैंकिंग और रॉयटर्स ग्लोबल एनर्जी ट्रांजिशन अवार्ड्स 2025 के जरिये सामने आया है। एजीईएल गुजरात के खावड़ा में 30 गीगावाट का एक विशाल रिन्यूएबल एनर्जी प्लांट विकसित कर रही है।

लोक सदन
गांधीवादी सिद्धांतों का संवाहक...
बिलासपुर/सरगुजा संभाग
https://epaper.dainikloksadan.com
कोरबा, 29 जुलाई मंगलवार 2025

राष्ट्र सेवा के साथ मानवता सेवा में भी आगे सीआरपीएफ के जवान

■ **रक्तदान करके मनाया सीआरपीएफ रेसिंग डे**

लोकसदन >> बिलासपुर।

केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के 87वें स्थापना दिवस तथा समूह केन्द्र बिलासपुर के 21वें स्थापना दिवस के अवसर पर को राज कुमार, पुअमनि, समूह केन्द्र, बिलासपुर के मार्गदर्शन में समूह केन्द्र अस्पताल बिलासपुर तथा पायल एक नया सवेरा फाउंडेशन बिलासपुर, स्व. रवि शंकर शिक्षण प्रशिक्षण एवं जन कल्याण समिति के संयुक्त तत्वावधान में व्यापक पैमाने पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें समूह केन्द्र,बिलासपुर/वर्तमान में चल रहे डीआईजी प्रशिक्षण के प्रशिक्षुओं सहित 200 अधिकारी, अधीनस्थ अधिकारी तथा अन्य कार्मिकों द्वारा मानवता के लिए रक्तदान किया गया जिससे की जरूरत पड़ने पर आपातकालीन स्थिति में ब्लडबैंक के माध्यम से बल के सदस्य तथा कैम्प के बाहर अन्य जरूरतमंद को ब्लड दिया जा सके।

सीआरपीएफ रेसिंग डे के पावन अवसर पर, सामाजिक संस्था 'एक नया सवेरा' द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर में देशभक्ति और मानवता की अनमोल मिसाल देखने को मिली। इस विशेष दिन पर सीआरपीएफ के वीर जवानों ने न सिर्फ बंदूक से देश की रक्षा का संकल्प दोहराया, बल्कि अपनी रगों का लहू देकर जिंदगी बचाने का वादा भी निभाया। सैकड़ों सीआरपीएफ जवानों ने पूरे जोश, समर्पण और गर्व के साथ रक्तदान किया।

यह कोई सामान्य रक्तदान शिविर नहीं था– यह एक जज़्बा था, एक भावना थी जो यह बताती है कि राष्ट्र की सेवा सिर्फ सीमा पर नहीं, बल्कि हर जरूरतमंद की साँसों तक पहुँच कर भी की जा सकती है।

'एक नया सवेरा' की संस्थापक पायल जी भावुक होकर कहती हैं– आज हमने सिर्फ खून नहीं, उम्मीदें देखीं हैं... ये जवान जब रक्तदान कर रहे थे, तब ऐसा लग रहा था जैसे राष्ट्र की आत्मा मुस्कुरा रही हो। ये बूँदें किसी माँ की संजीवनी बनेंगी, किसी पिता की राहत और किसी बच्चे की जिंदगी बनेंगी। आज का दिन सिर्फ रेसिंग डे नहीं था यह दिन था जब रक्त के कणों में देशभक्ति गूंज रही थी, जब 'एक नया सवेरा' ने जवानों संग मिलकर सैकड़ों जिंदगियों को एक नई सुबह दी।

यह आयोजन हमेशा याद रखा जाएगा– एक ऐसी सुबह के रूप में, जहाँ वर्दी ने सेवा का एक और रूप दिखाया।

इस अवसर पर मनोज कुमार कमाण्डेन्ट, डॉ. अशलेशा कोहद (मुख्य चिकित्सा अधिकारी), श्रीमती पायल लाठ/अध्यक्ष, चंचल सलूजा सचिव, प्रशांत सिंह राजपूत उपाध्यक्ष, रोनित अग्रवाल तथा उनके टीम के सदस्यगण, नील कमल भारद्वाज, उप कमाण्ड (प्रशासन), श्रीमती नीलिमा नर्सरी, उप कमाण्ड (मंत्रालय), श्रीमती कल्पवती ठाकुर, (सहायक कमाण्डेन्ट), सैलेन्द्र सिंह, सिमोनिया, (सहायक कमाण्डेन्ट), विवेकानन्द प्रसाद (सहायक कमाण्डेन्ट), जयप्रकाश भावसार, सहायक कमाण्ड (मंत्रालय), सुनील कुमार पाण्डेय, सहायक कमाण्ड (मंत्रालय), पिंटू नर्सरी, सहायक कमाण्ड (मंत्रालय) तथा साथ में समस्त केन्द्र तथा चिकित्सालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल बिलासपुर के अधिकारी, अधीनस्थ अधिकारी, जवान एवं महिला उपस्थित थे।

स्थानीय व्यापार को बढ़ावा देने 'कैट बिलासपुर' ने आयोजित किया 'बिजनेस 3.0-वोकल फॉर लोकल' कार्यक्रम

लोकसदन >> बिलासपुर।

छोटे एवं मध्यम व्यापारियों को एक साझा मंच पर लाकर उनके आपसी सहयोग और नेटवर्किंग को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से कैट बिलासपुर द्वारा होटल टोपाज में 'बिजनेस 3.0 ङ्क वोकल फॉर लोकल' कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर बिलासपुर समेत आसपास के क्षेत्रों से आए विभिन्न व्यापारी संगठनों ने सक्रिय सहभागिता दर्ज की।

कैट बिलासपुर अध्यक्ष किशोर पंजवानी, महामंत्री हीरानंद जयसिंह, कोषाध्यक्ष आशीष अग्रवाल और संगठन मंत्री परमजीत उबेजा ने संयुक्त रूप से बताया कि यह आयोजन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'वोकल फॉर लोकल' अभियान से प्रेरित है, जिसका मूल उद्देश्य स्थानीय व्यवसायों को सशक्त बनाना और उन्हें एक नई दिशा प्रदान करना है।

कार्यक्रम में शामिल व्यापारियों ने अपने-अपने व्यापार का संक्षिप्त परिचय देते हुए नेटवर्किंग के माध्यम से सहयोग की संभावनाएं तलाशीं। इस दौरान ऑन-द-स्पॉट लगभग 30 लाख रुपये का व्यापार हुआ, वहीं आयोजकों का अनुमान है कि अगले एक माह में यह आंकड़ा 3 से 5 करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। इस अवसर पर कैट के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जितेंद्र गांधी, वरिष्ठ प्रांतीय उपाध्यक्ष व बिलासपुर प्रभारी राकेश ओचवानी, प्रांतीय उपाध्यक्ष राजू सलूजा, युवा प्रदेश अध्यक्ष कांति भाई पटेल और पूर्व युवा प्रदेश अध्यक्ष अवनीत सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान बिलासपुर कैट इकाई के नव नियुक्त पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। साथ ही उत्कृष्ट कार्यों के लिए श्रीमती अनामिका दुबे और श्रीमती निहारिका त्रिपाठी को सम्मानित किया गया।

कैट अध्यक्ष किशोर पंजवानी और महामंत्री हीरानंद जयसिंह ने जानकारी दी कि अब 'बिजनेस 3.0' श्रृंखला के अंतर्गत यह आयोजन प्रतिमाह किया जाएगा, जिसमें विभिन्न व्यवसाय वर्गों को आमंत्रित कर स्थानीय व्यापारिक लेन-देन को प्रोत्साहन दिया जाएगा। कार्यक्रम के सूत्रधार हीरानंद जयसिंह को कैट के वरिष्ठ पदाधिकारियों द्वारा मोमेंटो भेंटकर विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम की सफलता में अध्यक्ष किशोर पंजवानी, महामंत्री हीरानंद जयसिंह, कोषाध्यक्ष आशीष अग्रवाल, कार्यकारी अध्यक्ष दिलीप खंडेलवाल, संजय मित्तल, सुरेंद्र सिंह अजमानी, मीडिया प्रभारी परमजीत उबेजा, उपाध्यक्ष प्रवीण सलूजा, अनिल गुप्ता, हरदीप होरा, प्रमोद वर्मा, विष्णु गुप्ता, अरविंद वर्मा, विद्युत मंडल, प्रवीण सोनी और गोविंद झमवानी का विशेष योगदान रहा।

असर्वेक्षित ग्राम भूलाझेरिया व मसुरिया के नक्शा के अंतिम प्रकाशन हेतु उद्घोषणा जारी

■ **भू-धारक कार्यालयीन समय में संबंधित ग्रामों के पंचायत भवन में नक्शा, खसरा का कर सकते हैं अवलोकन**

■ **ग्रामों के जारी नक्शा शीटों, खसरों पर दावा आपत्ति आमंत्रित**

■ **व्यक्ति या संस्था 15 दिवस के भीतर दावा आपत्ति कर सकते हैं प्रस्तुत**

लोकसदन >> कोरबा।

कलेक्टर अजीत वसंत के मार्गदर्शन में जिला में असर्वेक्षित ग्रामों का राजस्व सर्वेक्षण का कार्य प्रक्रियाधीन है। जिसके तहत राजस्व निरीक्षक मंडल कोरबा ग्रामीण व तहसील कोरबा अंतर्गत पटवारी हल्का नंबर 11 ग्राम भूलाझेरिया एवं राजस्व निरीक्षक मंडल तिवरता, तहसील हरदी बाजार अंतर्गत पटवारी हल्का नंबर 09 ग्राम मसुरिया से प्रारंभिक प्रकाशन उपरांत किसी प्रकार की दावा आपत्ति प्राप्त नहीं होने से अंतिम प्रकाशन की कार्यवाही हेतु उद्घोषणा किया जाना है। सर्वेक्षण कार्य एजेन्सी आईआईटी रुढ़की द्वारा अंतिम प्रकाशन हेतु तहसील कोरबा अंतर्गत ग्राम भूलाझेरिया के 01 नक्शा शीट, तहसील हरदी बाजार के ग्राम मसुरिया के 01 नक्शा शीट उपलब्ध कराया गया है। संबंधित नक्शा शीटों का भौतिक सत्यापन राजस्व सर्वेक्षण दल द्वारा कराकर नक्शा व खसरा तैयार किया गया है।

हल्का पटवारी द्वारा तैयार अभिलेख खसरा व नक्शा भू-धारकों के अवलोकन हेतु संबंधित ग्रामों के पंचायत भवन में कार्यालयीन अवधि में उपलब्ध रहेगा। उक्त संबंध में हल्का पटवारी द्वारा तैयार किए गए नक्शा शीटों एवं खसरों पर दावा आपत्ति आमंत्रित है। किसी भी व्यक्ति या संस्था को तैयार किए गए नक्शा शीटों पर आपत्ति हो तो प्रकाशन तिथि से आगामी 15 दिवस के भीतर लिखित / मौखिक आवेदन कार्यालयीन समय में स्वयं या अभिभाषक के माध्यम से दावा आपत्ति संबंधित ग्राम पंचायत भवन में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत समयावधि के पश्चात् प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जाएगा।

सोन नदी में शिवभक्ति की गूंज

कांवरियों ने भोलेनाथ को अर्पित किया अमरकंटक से लाया गया पवित्र जल

लोकसदन >> कोटमी (सकोला)।

श्रावण मास की शिवभक्ति अपने चरम पर है। इसी पावन अवसर पर सोनेश्वर महादेव कांवरिया दल के सैकड़ों श्रद्धालु शनिवार को कोटमी-सकोला से पदयात्रा पर निकले थे। आज सुबह, यात्रा के तीसरे दिन कांवरिए सोन नदी तट पर पहुँचे, जहाँ उन्होंने अमरकंटक की नर्मदा नदी से लाया गया पवित्र जल भगवान भोलेनाथ को अर्पित किया। जयकारों और मंत्रोच्चारण के बीच सोन नदी किनारे शिवभक्ति का अद्भुत दृश्य देखने को मिला। कांवरियों ने विधिवत जलाभिषेक कर पूजा-अर्चना की और भोलेनाथ से सुख, शांति और कल्याण की कामना की। जल अर्पण के साथ ही दल ने सावन की इस विशेष यात्रा का अंतिम चरण पूर्ण किया।

अमरकंटक से शुरू हुई थी पदयात्रा- इस पदयात्रा की शुरुआत शनिवार सुबह 10 बजे कोटमी से अमरकंटक के लिए हुई थी। दोपहर 3 बजे कांवरिए अमरकंटक पहुँचकर नर्मदा नदी से जल भरने के बाद जलेश्वर महादेव मंदिर में अभिषेक कर चुकतीपानी ग्राम के सरकारी स्कूल में रात्रि विश्राम किए। रविवार सुबह दल आगे बढ़ा और गौरेला स्थित अग्रसेन भवन में भोजन-विश्राम के बाद शाम तक सोनेश्वर महादेव मंदिर सकोला पहुँचा।

सोमवार की शुरुआत जलाभिषेक से- आज सोमवार सुबह, कांवरियों ने सोन नदी के तट पर पहुँचकर सबसे पहले सामूहिक रूप से स्नान किया। इसके बाद अमरकंटक से लाए गए पवित्र नर्मदा जल को भगवान भोलेनाथ को अर्पित किया गया। मंदिर में विशेष रुद्राभिषेक, आरती, और भजन-कीर्तन का आयोजन हुआ। पूजा-पाठ के बाद कांवरिए हनुमान मंदिर के दर्शन कर श्रद्धा के साथ सकोला-कोटमी की ओर रवाना हुए।

इन ग्रामों से जुड़ते हैं श्रद्धालु- इस पदयात्रा में सकोला, कोटमी, मड़ई, सेखवा, देवरीकला और दमदम ग्रामों के कांवरिए शामिल होते हैं।

भक्ति में डूबे रहे व्यवस्थापक- इस यात्रा में शामिल लोग केवल श्रद्धालु नहीं बल्कि सोनेश्वर महादेव बोलबम समिति के सक्रिय व्यवस्थापक एवं संयोजक भी हैं, जिन्होंने पूरी यात्रा को अनुशासन और सेवा भाव से संपन्न कराया। पुरुष, महिलाएं, युवा और बच्चे सभी भक्ति में लीन नजर आए। पूरे मार्ग में जलपान, सेवा शिविर, और प्राथमिक चिकित्सा की व्यवस्था समाजसेवियों एवं समिति के सहयोग से की गई।

समिति के सदस्य और सहयोगी- सोनू जायसवाल, संजय शुक्ला, संजू गुप्ता, पिंटू गुप्ता, राजकमल केशरी, जयप्रकाश पांडेय, विक्की गुप्ता, आईता जायसवाल, कृष्ण कुमार श्रीवास्तव, गन्नू गुप्ता, विजय गुप्ता, अमित केशरवानी, पवनचंद केशरवानी, बल्लू गुप्ता, मोनू गुप्ता, सोहन रजक, सोनू पाटकर, संतोष सोनी, जमुना समेत कई अन्य समिति सदस्य इस आयोजन में प्रमुख भूमिका निभा रहे हैं।

भक्ति, संस्कृति और समाज का संगम- सोनेश्वर महादेव कांवरिया दल, जिसकी स्थापना वर्ष 2006 में वैद्यराज सतीश शर्मा एवं उनकी सहयोगियों द्वारा की गई थी, आज क्षेत्र की एक मजबूत धार्मिक-सांस्कृतिक पहचान बन चुका है।

पूर्व सभापति शेख नजीरुद्दीन के प्रयास से तालापारा में भव्य नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर

250 से अधिक मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण, विशेषज्ञ डॉक्टरों ने दी सेवाएं,नि :शुल्क दवा वितरण से जनता लाभान्वित

लोकसदन >> बिलासपुर।

स्वास्थ्य ही सबसे बड़ी पूंजी है इसी उद्देश्य के साथ आज तालापारा स्थित रमजानी बाबा सामुदायिक भवन में एक व्यापक नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर तालापारा की पार्षद श्रीमती असगरी बेगम तथा पूर्व नगर निगम सभापति एवं सामाजिक कार्यकर्ता शेख नजीरुद्दीन (छोटे पार्षद) के सतत प्रयासों से सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। इस स्वास्थ्य शिविर में 250 से अधिक मरीजों का नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया गया, जिसमें हृदय रोग, दंत रोग, नेत्र रोग, मांसपेशियों व हड्डियों की समस्या सहित बच्चों की सामान्य स्वास्थ्य जांच तथा आवश्यक ब्लड टेस्ट भी शामिल थे। मरीजों को आवश्यकतानुसार नि:शुल्क दवाएं भी उपलब्ध कराई गईं, जिससे आमजन को अत्यंत राहत मिली।

स्वास्थ्य सेवाएं देने हेतु शहर के ख्यातिप्राप्त चिकित्सकों की टीम उपस्थित रही, जिसमें प्रमुख रूप से डॉ. समर्थ शर्मा, डॉ. श्रीकांत गिरी, डॉ. आर.के. कश्यप, डॉ. ज्योति आचार्य कश्यप एवं डॉ. विशाल चौधरी ने अपनी विशेषज्ञ सेवाएं दीं। डॉक्टरों ने मरीजों को उनके स्वास्थ्य से संबंधित समस्याओं पर विस्तृत परामर्श दिया तथा रोगों से बचाव एवं स्वस्थ जीवनशैली को अपनाने हेतु महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए।

डॉ. समर्थ शर्मा ने कहा, स्वास्थ्य शिविरों के माध्यम से हम समाज के अंतिम व्यक्ति तक चिकित्सा सुविधा पहुंचा सकते हैं,यह समाजसेवा का सशक्त माध्यम है। वहीं डॉ. श्रीकांत गिरी ने भी नियमित जांच की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि समय पर जांच और निदान गंभीर बीमारियों से बचाव में सहायक होता है।

शिविर स्थल पर मौजूद सामाजिक कार्यकर्ता शेख नजीरुद्दीन ने बताया कि उनका उद्देश्य ऐसे शिविरों के माध्यम से गरीब और वंचित वर्ग तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में और भी बड़े स्तर पर ऐसे शिविरों का आयोजन किया जाएगा,जिसमें महिला रोग विशेषज्ञ, त्वचा विशेषज्ञ तथा बाल रोग विशेषज्ञों की उपस्थिति भी सुनिश्चित की जाएगी। शिविर के आयोजन में स्थानीय युवाओं, स्वयंसेवकों एवं वार्डवासियों का विशेष योगदान रहा। शिविर स्थल की व्यवस्था, मरीजों के पंजीयन, जांच प्रक्रिया का संचालन, दवा वितरण और परामर्श व्यवस्था को सुव्यवस्थित बनाने में स्वयंसेवकों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कार्यक्रम के समापन पर आयोजकों ने सभी चिकित्सकों, दवा कंपनियों, सहयोगी संस्थाओं तथा स्थानीय नागरिकों का आभार व्यक्त किया। स्थानीय लोगों ने भी इस शिविर की भूरी-भूरी प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन नियमित होने चाहिए, जिससे गरीब एवं मध्यमवर्गीय परिवारों को राहत मिल सके। यह स्वास्थ्य शिविर न केवल चिकित्सा सेवा का माध्यम बना, बल्कि स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता और सामाजिक सहयोग की भावना को भी सशक्त करने वाला प्रयास सिद्ध हुआ।

स्वास्थ्य शिविर की मुख्य विशेषताएं

- हृदय रोग, नेत्र, दंत, हड्डी एवं मांसपेशियों से जुड़ी विस्तृत जांचें
- बच्चों के लिए विशेष ओपीडी परामर्श
- नि:शुल्क ब्लड टेस्ट एवं आवश्यक दवाओं का वितरण
- अनुभवी विशेषज्ञ डॉक्टरों की उपस्थिति
- स्वास्थ्य जागरूकता परामर्श एवं जीवनशैली से संबंधित सुझाव

ग्रामीण क्षेत्रों में अटल डिजिटल सुविधा केंद्र से बढ़ी जनसुविधाएं

लोकसदन >> कोरबा।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के कुशल नेतृत्व एवं सुशासन सरकार की दूरदर्शी नीतियों के परिणामस्वरूप जिले के ग्राम पंचायतों में अटल डिजिटल सुविधा केंद्रों का शुभारंभ किया गया है, जिससे ग्रामीणों को डिजिटल सेवाओं का लाभ उनके अपने गांव में ही मिलने लगा है। पहले ग्रामीणों को विभिन्न सरकारी एवं बैंकिंग सेवाओं के लिए शहरों और तहसीलों तक दूर-दूर जाना पड़ता था, जिससे समय और धन दोनों की बर्बादी होती थी। वहीं, कई बार लंबी दूरी और अनजान प्रक्रियाओं के कारण जरूरी कार्य भी अधूरा रह जाता था। अब अटल डिजिटल सुविधा केंद्र के माध्यम से

ग्रामीण अपनी मूलभूत जरूरतों जैसे पीएम किसान योजना की पंजीकरण, एईपीएस ट्रांजैक्शन, फार्मर आईडी बनवाना, आयुष्मान भारत योजना के तहत कार्ड बनवाना व त्रुटि सुधार जैसे कार्य आसानी से अपने गांव में ही कर पा रहे हैं।

राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के अवसर पर ग्राम पंचायतों में इन सुविधा केंद्रों के संचालन से ग्रामीणों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है। इन केंद्रों के माध्यम से न केवल सरकारी योजनाओं का लाभ आसानी से पहुंच रहा है, बल्कि डिजिटल साक्षरता भी गांव-गांव में बढ़ रही है। इससे ग्रामीण समुदाय को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। कोरबा जिले के बेला ग्राम की वृद्धा घसनीन बाई का अनुभव इस बदलाव की सजीव मिसाल है। पहले उन्हें बैंक जाकर पैसे जमा या निकालने के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी, जिससे उनका समय और पैसा दोनों व्यर्थ होता था। अब घर के पास ही मंगल भवन में खुला डिजिटल सुविधा केंद्र उनकी मदद करता है। वह कहती हैं, पहले बैंक जाने में जो समय और खर्चा लगता था, वह अब बच गया है। यहां काम सरल और सुविधाजनक है, और मुझे किसी को अतिरिक्त पैसे देने की भी जरूरत नहीं पड़ती।

उच्च श्रेणी शिक्षा हेतु केंद्रीय क्षेत्र छात्रवृत्ति योजना संबंध में अधिसूचना जारी

लोकसदन, कोरबा। भारतीय वृक्षारोपण प्रबंधन संस्थान बेंगलुरु में कृषि-निर्यात और प्रसंस्कृत खाद्य क्षेत्र में 02 वर्ष के एआईसीटीई अनुमोदित स्नातकोत्तर कार्यक्रम अंतर्गत पीजीडीएम इन एग्रीबिजनेस एंड प्लांटेशन मैनेजमेंट, फूड प्रोसेसिंग एंड बिजनेस मैनेजमेंट एवं एग्रीकल्चर एक्सपोर्ट एंड बिजनेस मैनेजमेंट कोर्स प्रदान करता है। यह संस्थान वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय नई दिल्ली का एक स्वायत्त संगठन है। साथ ही भारत सरकार के सामाजिक न्याय अधिकारिता मंत्रालय द्वारा मान्यता प्राप्त है एवं अनुसूचित जाति/जनजाति छात्रों के लिए उच्च श्रेणी की शिक्षा के लिए केंद्रीय क्षेत्रीय छात्रवृत्ति के अंतर्गत पंजीबद्ध है।

CHHATTISGARH STATE POWER DISTRIBUTION COMPANY LIMITED

क्र. कायंको / विज्ञा. / क्रय / 1430 — कटघोरा, दिनांक : 28.07.2025

NOTICE INVITING TENDER

Sealed tenders are invited under domestic competitive bidding from contractors for following works :-

S.N.	Tender No.	Particulars of works	Cost of tender Doument (Non refundable)	EMD (refundable)	Time/Due date of submission
1	No.033-76/Pur/25-26/NIT-03/1413 Katghora, Dt. 23.07.2025	E-tender for hiring of 01 No.commercial Vehicle (Pickup) (Type-II 1.7T cap) with 01 driver & 02 additional driver for J.E. (D) CSPDCL Podi dc under E.E. (O&M) Division CSPDCL, Katghora for the period of 03 Years.	Rs. 5000.00 (Insclusive of GST 18%)	Rs. 26,650/-	03.00 pm on 12.08.2025

"Save Energy for the benefit of self and Nation"

EXECUTIVE ENGINEER (O&M) Dn.
C.S.P.D.C.L., Katghora

छत्तीसगढ़ संवाद/आरओ कोड-44697/2

वित्त मंत्री ने किया पुसौर में उप पंजीयक कार्यालय का शुभारंभ

- उप पंजीयक कार्यालय शासन की जन-केन्द्रित सेवाओं की प्रतिबद्धता और त्वरित, पारदर्शी व्यवस्था का बनेगा प्रतीक - वित्त मंत्री
- रजिस्ट्री कार्य अब जिला मुख्यालय नहीं, स्थानीय स्तर पर होगा संभव

लोकसदन ➢➢ रायगढ़।

पुसौरवासियों को अब जमीन की रजिस्ट्री के लिए रायगढ़ जिला मुख्यालय की दौड़ नहीं लगानी पड़ेगी। वित्त मंत्री ने आज जनपद पंचायत पुसौर परिसर में नवीन उप पंजीयक कार्यालय का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह कार्यालय शासन की जन-केन्द्रित सेवाओं की प्रतिबद्धता और त्वरित, पारदर्शी व्यवस्था का प्रतीक बनेगा।

वित्त मंत्री चौधरी ने कहा कि यह केवल एक भवन का उद्घाटन नहीं, बल्कि ग्रामीण जनता को सुलभ, सस्ती और तेज़ रजिस्ट्री सेवा उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। स्थानीय स्तर पर सुविधा मिलने से समय, ऊर्जा और धन की बचत होगी। यह कार्यालय क्षेत्रवासियों को 65 प्रकार की रजिस्ट्री सेवाएं प्रदान करेगा, जिनमें विक्रय विलेख, दानपत्र, बंटवारा, हक त्याग, वसीयत और केसीसी बंधक जैसी प्रक्रियाएं शामिल हैं। इस कार्यालय में एक उप पंजीयक, दो ऑपरेटर और एक एमटीएस की नियुक्ति की गई है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री ने प्रदेश सरकार की जनहितकारी योजनाओं की जानकारी भी साझा की। उन्होंने कहा कि सरकार बनने के तुरंत बाद किसानों को दो साल का बोनस दिया गया, 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी की जा रही है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत डेढ़ साल में 18 लाख आवास स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें से केवल पुसौर ब्लॉक में 127 करोड़ की राशि से 9000 आवासों के लिए स्वीकृति मिली है। उन्होंने आश्वस्त किया कि आवास प्लस सर्वे के माध्यम से सभी पात्र लोगों को आवास उपलब्ध कराए जाएंगे। महतारी वंदन योजना की सफलता का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि हर महीने 70 लाख महिलाओं को बिना विलंब राशि हस्तांतरित की जा रही है। वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी द्वारा पुसौर में सड़कों, पुल-पुलियों, अस्पताल और नर्सिंग कॉलेज की स्थापना जैसे विकास कार्यों की भी रूपरेखा साझा की गई। उन्होंने बताया कि 80 लाख रुपये की लागत से नवीन उप पंजीयक कार्यालय भवन का निर्माण जल्द शुरू किया जाएगा।

कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी ने बताया कि पुसौर के नजदीक 88 पंचायतें हैं, जिनके लोग अब स्थानीय स्तर पर रजिस्ट्री करा सकेंगे। संपत्ति क्रय-विक्रय, उत्तराधिकार, वसीयत व अन्य दस्तावेजों की प्रक्रिया पहले की तुलना में अधिक सरल और पारदर्शी हो गई है। सीईओ जिला पंचायत जितेन्द्र यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की मंशानुरूप राज्य सरकार ने रजिस्ट्री कार्यों में 10 क्रांतिकारी सुधार किए हैं, जिनमें आधार सत्यापन, ऑनलाइन भुगतान, डिजीलॉकर सेवा, घर बैठे दस्तावेज निर्माण और स्वत: नामांतरण जैसी सुविधाएं शामिल हैं। कार्यक्रम में महापौर जीवर्धन चौहान, जनपद अध्यक्ष श्रीमती हेमलता चौहान, नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती मानी सतपथी सभापति डिग्री लाल साहू सहित अनेक जनप्रतिनिधि, अधिकारी और गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

सुप्रभातम्

खास @ न्यूज

भारत स्काउट गाइड की छात्राओं ने भेजा 'एक राखी सैनिक भाइयों के नाम पर'

लोकसदन, ➢➢ जीपीएम।

देश की सरहद पर चौबीस घंटे सेवाएं दे रहे भारतीय सैनिकों के सम्मान में भारत स्काउट गाइड की छात्राओं की ओर से 'एक राखी सैनिक भाइयों के नाम' भेजा गया है। भारत स्काउट एण्ड गाइड के सौजन्य से राखियों से भरे कार्टून को कलेक्टर श्रीमती लीना कमलेश मंडावी ने अपनी शुभकामनाओं के साथ सैनिकों को रक्षा सूत्र के नाम से भेजा। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी रजनीश तिवारी, जिला संगठन आयुक्त स्काउट गाइड अर्चना सामुएल, जिला खेल अधिकारी सीमा डेविड एवं शिक्षा विभाग के कर्मचारी उपस्थित थे।

सब्जी उत्पादन से बदली किस्मत, लखपति बनीं आमटी गांव की केतकी दीदी

लोकसदन, ➢➢ दुर्ग।

छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' के माध्यम से आत्मनिर्भरता की मिसाल बनी केतकी बाई पटेल आज 'लखपति दीदी' के नाम से जानी जाती हैं। जनपद पंचायत दुर्ग के आमटी ग्राम की निवासी और प्रगति महिला स्व-सहायता समूह की अध्यक्ष केतकी दीदी ने सब्जी उत्पादन और विक्रय से अपनी मेहनत और निश्चय के बल पर आर्थिक समृद्धि हासिल की है। शुरुआत में संघर्ष करना पड़ा, फिर समूह से उनको सहारा मिला। समूह से जुड़ने से पहले दीदी के पास संसाधनों की कमी थी। सब्जी उत्पादन की इच्छा होते हुए भी आर्थिक तंगी के कारण वे इसे बड़े स्तर पर नहीं कर पा रही थीं। जब उन्हें बिहान योजना की जानकारी मिली, तो उन्होंने स्वयं पहल कर महिला साथियों के साथ स्व-सहायता समूह का गठन किया। छोटी-छोटी बचत करके अपने समूह को सशक्त बनाई। उसके उपरांत उन्होंने बैंक लिंकेज के माध्यम से 30 हजार का लोन लिया और सब्जी उत्पादन का कार्य प्रारंभ किया। बिहान योजना से सामुदायिक निवेश कोष से 20 हजार का लोन प्राप्त कर अपना व्यवसाय को आगे बढ़ाया। केतकी दीदी ने एक एकड़ निजी भूमि में सब्जी उत्पादन शुरू किया और धीरे-धीरे आधुनिक तकनीक अपनाते हुए, जैसे कि मचान विधि, उत्पादन की गुणवत्ता और मात्रा दोनों बढ़ाई। आज उनके खेत में भिंडी, बरबटी, करेला, मक्का, बैगन, भाजी जैसी कई मौसमी सब्जियां उगाई जाती हैं। वे सप्ताह में चार दिन बाजार में विक्रय कर अपने परिवार का भरण-पोषण कर रही है। दो दिन निकुम बाजार और दो दिन आलबरस बाजार में सब्जियों की बिक्री करती हैं। उनकी दैनिक बिक्री लगभग 3500 रूपए तक होती है, जिससे सप्ताह में लगभग 14 हजार रूपए और महीने में 32 हजार रूपए तक की शुद्ध आय होती है। वार्षिक रूप से वे करीब 3.5 लाख रूपए की आमदनी कर रही हैं। आमदनी बढ़ने के साथ ही केतकी दीदी ने स्वयं का पक्का मकान बनवाया, पावर डीलर मशीन खरीदी और अब उन्होंने पांच एकड़ अतिरिक्त भूमि भी अर्जित कर ली है, जिसमें वे धान की खेती करती हैं। आज केतकी दीदी अपने मेहनत के दम पर उत्कृष्ट लखपति बनी है और सब्जी उत्पादन के कार्यों से अपनी एक नई पहचान बना रही है।

स्कूली बच्चों को दी गई पॉक्सो एक्ट और बाल अधिकार की जानकारी

लोकसदन, ➢➢ कोण्डागांव।

कलेक्टर के निर्देशानुसार एवं अवनी कुमार बिसवाल के मार्गदर्शन में जिले में 21 से 25 जुलाई तक साइबर क्राईम जागरूकता अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में को शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, मर्दापाल में एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को साइबर अपराध एवं उससे संबंधित खतरों के प्रति सतर्क करना, साथ ही स्वास्थ्य, स्वच्छता, पोषण, आत्मरक्षा, बाल संरक्षण, गुड टच-बैड टच, पॉक्सो एक्ट और बाल अधिकारों जैसे अत्यंत संवेदनशील और आवश्यक विषयों पर जानकारी देना था। कार्यक्रम में विशेषज्ञों द्वारा ऑनलाइन ठगी, सोशल मीडिया पर सतर्कता, व्यक्तिगत जानकारी की सुरक्षा, तथा बच्चों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य संरक्षण जैसे विषयों पर सरल और प्रभावशाली ढंग से जानकारी दी गई।

बस्तर की महिलाएं बदल रही हैं आजीविका की तस्वीर

- फाइल पैड निर्माण के जरिये आत्मनिर्भरता की मिसाल बन रही है गंगा महिला स्व-सहायता समूह

लोकसदन ➢➢ रायपुर।

मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप छत्तीसगढ़ राज्य की महिलाओं की आर्थिक-सामाजिक विकास के लिए शासन द्वारा विशेष प्रयास किये जा रहे हैं। आजीविका मिशन से जुड़कर महिलाएं आर्थिक सशक्तिकरण की राह पर अग्रसर हो रही हैं।

गंगा महिला स्व-सहायता समूह ने यह साबित कर दिया है कि ग्रामीण महिलाएं यदि अवसर और संसाधन प्राप्त करें तो वे न केवल स्वयं की जिंदगी बदल सकती हैं, बल्कि पूरे समाज के लिए परिवर्तन की वाहक बन सकती हैं। यह समूह आज बस्तर की मिट्टी से उपजी नारी शक्ति की पहचान बन चुका है।

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) के अंतर्गत बस्तर जिले के तोकापाल विकासखंड के ग्राम कोंडालुर में कार्यरत गंगा महिला स्व-सहायता समूह की महिलाएं फाइल और पैड निर्माण के माध्यम से न केवल आर्थिक रूप से सशक्त हो रही हैं, बल्कि ग्रामीण महिलाओं के लिए स्वावलंबन का सशक्त उदाहरण भी प्रस्तुत कर रही हैं। समूह की पांच महिलाएं फाइल पैड निर्माण के कार्य से जुड़कर घर के कामकाज के साथ-साथ एक व्यवस्थित और लाभकारी आजीविका को अपनाकर आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रभावी कदम बढ़ा रही हैं। इस कार्य से उन्हें नियमित आमदनी हो रही है, जिससे उनके परिवार की आर्थिक स्थिति में सकारात्मक सुधार आया है।

समूह को फाइल पैड निर्माण के लिए जरूरी मशीनें एवं अन्य संसाधन पहले ही उपलब्ध करा दिए गए थे, जिससे महिलाओं को कार्य करने में तकनीकी सुविधा और सरलता प्राप्त हुई। मशीनों की सहायता से उत्पादन की गति तेज हुई और गुणवत्ता में भी सुधार आया। अब तक समूह द्वारा 5000 से अधिक फाइलें और पैड तैयार किए जा चुके हैं, जिनकी कुल अनुमानित लागत 1 लाख 90 हजार रुपये है। इनमें से 4500 फाइलें 1 लाख 71 हजार रुपये में सफलतापूर्वक विभिन्न शासकीय विभागों एवं निजी संस्थानों को बेची जा चुकी हैं। समूह द्वारा तैयार फाइलों की बिक्री दर प्रति फाइल 20 रुपये तथा प्रति पैड 18 रुपये निर्धारित है, जो बाजार के अनुसार उचित और प्रतिस्पर्धात्मक मानी जा रही है।

समूह की फाइलें और पैड मुख्यत: शासकीय कार्यालयों, स्थानीय विद्यालयों एवं अन्य संस्थानों को आपूर्ति की जा रही हैं। स्थानीय प्रशासन और बिहान मिशन द्वारा समूह को निरंतर मार्गदर्शन, प्रशिक्षण और विपणन में सहयोग भी प्रदान किया जा रहा है, जिससे उत्पादों की गुणवत्ता में निरंतर सुधार हो रहा है और बाजार की पहुंच भी बढ़ रही है। यह पहल ग्रामीण महिलाओं के सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। महिलाएं आत्मविश्वास के साथ अपने उत्पाद स्वयं तैयार कर, बाजार में बेच रही हैं और अपने परिवार की आय में योगदान दे रही हैं। यह न केवल उनके आत्मसम्मान को बढ़ाता है, बल्कि अगली पीढ़ी के लिए एक प्रेरणा का स्रोत भी बनता है।

समूह द्वारा भविष्य में उत्पादन क्षमता को बढ़ाने, नवीन उत्पादों को जोड़ने और ऑनलाइन मार्केटिंग प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से बिक्री का विस्तार करने की योजना भी बनाई जा रही है। इसके लिए बिहान के माध्यम से उन्हें आवश्यक तकनीकि प्रशिक्षण और सहायता दी जाएगी।

डोंगरिया महादेव में जलाभिषेक कर बोहरा ने की सुख-समृद्धि की कामना

लोकसदन ➢➢ कबीरधाम।

पंडरिया विधायक भावना बोहरा के नेतृत्व में निकली 151 किमी की कांवड़ यात्रा को मोहतरा से होते हुए डोंगरिया महादेव मंदिर पहुँची। यहां भारी बारिश और कठिन रास्तों के बावजूद उन्होंने अपने 300 से अधिक कांवड़ यात्रियों के साथ शिवलिंग का जलाभिषेक किया और छत्तीसगढ़ की समृद्धि और प्रदेशवासियों की सुख-शांति के लिए प्रार्थना की। डोंगरिया महादेव में जलाभिषेक के बाद जब यात्रा पंडरिया नगर पहुंची, तो वहां भक्तों का जनसैलाब उमड़ पड़ा। हर-हर महादेव और बोल बम के नारों से नगर गूंज उठा। करीब 3000 से अधिक लोगों ने पुष्पवर्षा कर यात्रा का भव्य स्वागत किया। भाजपा पदाधिकारी, महिला मोर्चा, युवा मोर्चा, विभिन्न हिन्दू संगठनों और स्थानीय निवासियों ने कंधे से कंधा मिलाकर यात्रा में भाग लिया। विधायक भावना बोहरा ने डोंगरिया महादेव में जल अर्पित करने के बाद कहा, 'यह यात्रा मेरे लिए सिर्फ भक्ति नहीं, बल्कि सनातन संस्कृति के संरक्षण का संकल्प है। आज जिस तरह से पंडरिया में जनसमूह उमड़ा, उससे यह स्पष्ट है कि शिवभक्ति और आस्था आज भी पूरे बल पर जीवित है।' उन्होंने आगे कहा कि यह यात्रा समता, सहयोग और संस्कृति का प्रतीक है। तेज बारिश में भी लोगों ने उत्साह और श्रद्धा के साथ यात्रा में भाग लिया, यह हमारे समाज की एकजुटता और भगवान शिव के प्रति श्रद्धा को दर्शाता है। कांवड़ यात्रा शनिवार को डोंगरिया से पांडातराई, भारत माता चौक, करहट्टा चौक, कुसुमघटा, नेउरगांव होते हुए बोड़ला पहुंचेगी और 27 जुलाई को भोरमदेव मंदिर में भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक कर यात्रा का समापन किया जाएगा। विधायक बोहरा ने कहा कि यह यात्रा केवल धार्मिक नहीं, बल्कि लोक आस्था, संस्कृति और सामाजिक चेतना का प्रतीक बन चुकी है। उन्होंने सभी क्षेत्रवासियों, संगठन के सदस्यों और शिवभक्तों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भगवान भोलेनाथ सबका कल्याण करें, यही मेरी मंगलकामना है।

ऐश्वर्या की शिक्षा की राह अब होगी और आसान

- सामाजिक संगठन ने तकनीकी शिक्षा के लिए प्रतिभाशाली छात्रा को दिया लेपटाप

लोकसदन ➢➢ धमतरी।

संकल्प, समर्पण और सहयोग जब एक साथ मिलते हैं, तो किसी की ज़िंदगी बदल सकती है। ऐसा ही प्रेरणादायक उदाहरण आज धमतरी में देखने को मिला, जब एक ग़रीब लेकिन प्रतिभाशाली छात्रा ऐश्वर्या गंगबेर को उसकी पढ़ाई की निरंतरता बनाए रखने के लिए एक लैपटॉप प्रदान किया गया।

ऐश्वर्या गंगबेर एक ग़रीब परिवार से हैं, लेकिन कठिन परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने शिक्षा को अपना लक्ष्य बना रखा है। वर्तमान में वह रुद्री स्थित भोपालराव पवार पॉलिटेक्निक कॉलेज में सिविल इंजीनियरिंग के द्वितीय वर्ष की छात्रा हैं। ऐश्वर्या के पिता मूर्ति बनाने का काम करते हैं। किसी तरह अपनी बेटी की पढ़ाई का खर्च उठा रहे हैं। परंतु, तकनीकी शिक्षा के इस दौर में लैपटॉप जैसे आवश्यक संसाधन की कमी ऐश्वर्या की पढ़ाई में बाधा बन रही थी। जब यह बात जनदर्शन कार्यक्रम में कलेक्टर के संज्ञान में आई, तो उन्होंने छात्रा की मदद के लिए तत्परता दिखाई। 'साथी समूह' के माध्यम से समाजसेवियों ने छात्रा की मदद के लिए हाथ आगे बढ़ाया। आज सोमवार को कलेक्टर की उपस्थिति में साथी समूह के सक्रिय सदस्य श्री आकाश कटारिया, श्री अंकित लाठ एवं श्री निश्चल बोहरा के सहयोग से ऐश्वर्या को एक नया लैपटॉप प्रदान किया गया। यह केवल एक इलेक्ट्रॉनिक उपकरण नहीं, बल्कि ऐश्वर्या के सपनों को उड़ान देने का माध्यम बन गया है।

यह पहल केवल एक छात्रा की मदद भर नहीं है, बल्कि यह सामाजिक सहयोग, मानवीय संवेदना और शिक्षा के प्रति हमारे दायित्व का जीता-जागता उदाहरण है। ऐसे सामाजिक प्रयास से हर प्रतिभा को उसका हक मिल सकता है।' इस अवसर पर कलेक्टर ने कहा कि ऐसे होनहार बच्चों को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी केवल शासन की नहीं, बल्कि समाज के हर सक्षम व्यक्ति की भी है। उन्होंने कहा कि "प्रतिभा संसाधनों की मोहताज नहीं होती, बस सही समय पर थोड़ा सहारा मिलने से बड़ी उड़ान भर सकती है। साथी समूह के सदस्यों ने भी आश्वस्त किया कि भविष्य में भी वे जरूरतमंद बच्चों की सहायता के लिए तत्पर रहेंगे। ऐश्वर्या और उसके परिवार ने इस सहयोग के लिए कलेक्टर एवं सभी दानदाताओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

न्यायमूर्ति ने किया जिला न्यायालय वार्षिक निरीक्षण

लोकसदन ➢➢ दुर्ग।

छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय बिलासपुर के न्यायाधिपति पी.पी. साहू पोर्टफोलियो जज जिला दुर्ग के द्वारा गत दिवस जिला न्यायालय दुर्ग का वार्षिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण कार्यक्रम के पूर्व सर्किट हाउस में जिला न्यायालय दुर्ग के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, जिले के कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा पोर्टफोलियो जज की अगवानी की गयी। उक्त भेंट में पोर्टफोलियो जज द्वारा जिले के कलेक्टर से नवीन न्यायालय भवन के संबंध में भूमि आबंटन तथा न्यायाधीशों के आवास हेतु भूमि आबंटन के संबंध में जानकारी प्राप्त की गयी।

तदोपरांत पोर्टफोलियो जज का न्यायालय परिसर में अधिवक्ताओं तथा न्यायिक कर्मचारियों ने आत्मीय स्वागत किया। तत्पश्चात पोर्टफोलियो जज के द्वारा न्यायिक अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक भी की गयी, जिसमें वर्तमान में जारी स्पेशल मीडिएशन ड्राइव 'मध्यस्थता राष्ट्र के लिए' तथा आगामी नेशनल लोक अदालत को लेकर भी चर्चा की गई। तत्पश्चात पोर्टफोलियो जज के द्वारा विभिन्न न्यायालयों, डिजिटाइजेशन सेंटर, परिवार न्यायालय, विशेष न्यायालय, किलकारी कक्ष, नवीन सभागार, मालखाना, रिकॉर्ड रूम, अधिवक्ता कक्ष एवं ज्यूडिशल सर्विस सेंटर का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान माननीय न्यायमूर्ति ने न्यायालय की कार्यप्रणाली, लंबित मामलों की स्थिति, न्यायिक अधिकारियों के कार्य निष्पादन तथा न्यायालय परिसर की भौतिक संरचना का सूक्ष्म अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान पोर्टफोलियो जज के द्वारा अधिवक्ताओं एवं पक्षकारों को किसी भी प्रकार से होने वाली असुविधा के निवारण हेतु संबंधित लोक निर्माण विभाग के अधिकारीगण को यथासंभव शीघ्र अधोसंरचना से संबंधित कार्य नियमानुसार पूर्ण करने तथा बेहतर सुविधा व त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के पश्चात पोर्टफोलियो जज के द्वारा अधिवक्ताओं के कार्यालय में जिला अधिवक्ता संघ के पदाधिकारीगण तथा अधिवक्तागण से भेंट कर कुशलक्षेम जाना एवं उनकी मूलभूत समस्याएं सुन कर नियमानुसार निराकरण का आश्वासन दिया गया।

तत्पश्चात जिले के न्यायिक कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों द्वारा पोर्टफोलियो जज से सौजन्य भेंट कर उनका हृदय से स्वागत कर उनके आगमन के प्रति आभार प्रकट किया गया। पोर्टफोलियो जज के द्वारा न्यायिक कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों की मूलभूत समस्याएं सुन कर नियमानुसार निराकरण का आश्वासन दिया गया। निरीक्षण के दौरान रजिस्ट्रार विजिलेंस मंसूर अहमद, जिला न्यायालय दुर्ग के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, अधिवक्ता संघ दुर्ग के अध्यक्ष, सचिव, अन्य पदाधिकारीगण व सदस्य अधिवक्तागण, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दुर्ग एवं प्रशासनिक अधिकारीगण की गरिमामयी उपस्थिति रही।

उप संचालक ने लिया जिले के प्राचार्यो एवं संकुल समन्वयक की बैठक

लोकसदन ➢➢ गरियाबंद।

जिले की शिक्षा गुणवत्ता में सुधार के लिए लोक शिक्षण संचालनालय रायपुर के संचालक आशुतोष चांवरे की अध्यक्षता में पीएम स्वामी आत्मानंद हिन्दी माध्यम स्कूल गरियाबंद में प्राचार्यों एवं संकुल समन्वयकों की समीक्षा बैठक ली।

बैठक में उन्होंने शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए लक्ष्य एवं योजना समस्त विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए जिले के सभी विकासखण्ड के संकुल प्रभारी, प्राचार्य, संकुल समन्वयक की अलग-अलग बैठक ली। उन्होंने मुख्यमंत्री शिक्षा गुणवत्ता अभियान के बेहतर क्रियान्वयन एवं स्कूलों में गुणवत्ता सुधार हेतु मुख्यमंत्री शिक्षा गुणवत्ता अभियान का संचालन किया जाए। यह अभियान प्राथमिक स्तर से लेकर हायर सेकेंडरी स्तर तक की शासकीय शालाओं में आयोजित किया जाएगा। इस अभियान के बेहतर क्रियान्वयन के लिए आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने को कहा। जिले के समस्त शालाओं में निर्धारित तिथि में सामाजिक अंकेक्षण करवाया जाए, जिसमें समुदाय के साथ मिलकर बच्चों के स्तर का आकलन करते हुए स्कूलों की ग्रेडिंग की जाए। इसके बाद अगले चरण में चयनित शालाओं में जनप्रतिनिधिगण एवं विभिन्न विभागों के अधिकारियों को दो-दो स्कूल आबंटित किये जाए।

लोक सदन के अग्रकलम

अमर रहे...

स्व. श्री सुरेशचंद्र रोहरा

जन्म - 25/06/1967 निधन - 10/04/2025

संपादकीय

रिश्ता तोड़ने आमादा दंपति

सुप्रीम कोर्ट ने ताजा फैसले में कहा है कि पति-पत्नी का एक-दूसरे पर नजर रखना इसका सबूत है कि उनकी शादी मजबूत नहीं चल रही है। इसलिए इसका इस्तेमाल न्यायिक कार्यवाही में किया जा सकता है।

पीठ ने पंजाब-हरियाणा हाई कोर्ट के फैसले को रद्द कर दिया। जिसमें कहा है, दंपति के दरम्यान गुप्त बातचीत साक्ष्य अधिनियम की धारा 122 के तहत संरक्षित है, इसका प्रयोग न्यायिक कार्रवाई में नहीं किया जा सकता।

पीठ ने निचली अदालत के आदेश को बहाल रखते हुए कहा, वैवाहिक कार्यवाही के दौरान रिकॉर्ड की गई बातचीत को संज्ञान लिया जा सकता है। यह मामला बठिंडा की कुटुंब अदालत के फैसले पर आधारित है, जिसमें पति को फोन कॉल वाली सीडी का सहारा लेने की अनुमति दी गई थी।

पत्नी ने इस फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी। उसका तर्क था कि यह रिकॉर्डिंग उसकी सहमति या जानकारी के बगैर थी, जो निजता के मौलिक अधिकार का उल्लंघन है। अदालत द्वारा इसे कानूनी रूप से अनुचित भी ठहराया गया। मगर सबसे बड़ी अदालत ने माना कि जब विवाह ऐसे स्तर पा पहुंच गया है, जहां दंपति एक-दूसरे की सक्रियता पर नजर रख रहे हों। यह अपने-आपमें रिश्ता तोड़ने का लक्षण है।

हालांकि पीठ ने स्वीकारा कि इस तरह के साक्ष्यों को अनुमति देने से घरेलू सौहार्द व वैवाहिक संबंध खतरे में पड़ सकता है। देश में तलाक बेहद जटिल प्रक्रिया है। न्यायिक झंझटों, आरोपों-प्रत्यारोंपो, साक्ष्यों सरीखी दिक्कतों के चलते कई दफा दंपति आपसी सहमति से अलग तो जाते हैं मगर तलाक नहीं लेते। हालांकि सच तो यह भी है कि अभी भी अपने समाज में न्यूनतम संबंध विच्छेद होते हैं। जो धीरे-धीरे बढ़ते जा रहे हैं।

अंतिम प्राप्त आंकड़ों के अनुसार देश में केवल चौदह लाख लोग तलाकशुदा है। यहां बुरी से बुरी शादी भी सामाजिक/पारिवारिक दबाव में चलाई जाती रहती है। बेहद नाजुक संबंध होने के बावजूद विवाह परिवार का मुख्य केंद्र है। मगर वैवाहिक जीवन में दरारें, मन-मुटाव, संदेह, छल या विवाहेतर संबंधों की अनदेखी कई बार मुश्किल हो जाती है।

तलाक के नियमों को काफी आसान बनाए जाने के बावजूद अड़चने कम नहीं की जा सकीं हैं। रिश्ता तोड़ने को आमादा दंपति को बेशक एक मौका देना चाहिए। मगर यदि वे साथ रहने को ही राजी नहीं तो किसी भी अदालत, समाज या परिवार को उन्हें जबरन एक-दूसरे पर थोपने को बाध्य नहीं करना चाहिए।

भीड़, भगदड़ और त्रासदियां

व्यवस्था की नाकामी, सरकारी भर्राशाही के बीच जरूरी है सामूहिक जिम्मेदारी

पिछले दो दिनों में उत्तराखंड के हरिद्वार में मनसा देवी मंदिर और उत्तर प्रदेश के बाराबंकी के एक मंदिर में भगदड़ की त्रासदियों ने एक बार फिर हमारी व्यवस्थागत कमियों को उजागर किया है। इन हादसों में कई लोगों की जान चली गई, और दर्जनों घायल हुए। ये घटनाएं न केवल दुखद हैं, बल्कि यह सवाल भी उठाती हैं कि आखिर ऐसी त्रासदियों को रोकने में हम बार-बार क्यों विफल हो रहे हैं? मंदिरों, स्टेडियमों, रेलवे स्टेशनों, थिएटर के बाहर और अन्य भीड़भाड़ वाले स्थानों पर भगदड़ की घटनाएं कोई नई बात नहीं हैं। फिर भी, इनसे सबक लेने और प्रभावी भीड़ प्रबंधन सुनिश्चित करने में हमारी नाकामी चिंता का विषय है।

बार-बार हो रही भगदड़ की त्रासदी

उत्तराखंड के हरिद्वार में मनसा देवी मंदिर में 27 जुलाई 2025 को हुई भगदड़ में आठ लोगों की मौत और कई के घायल होने की खबर की स्याही अभी सूखी भी नहीं थी कि सोमवार को उत्तरप्रदेश के बाराबंकी में फिर ऐसी ही हुई घटना ने पूरे देश को झकझोर दिया। बताया जाता है कि यह हादसा भी बिजली के करंट के कारण मची अफरा-तफरी से हुआ। इसी तरह, उत्तर प्रदेश के हाथरस में एक धार्मिक सत्संग के दौरान भगदड़ में 100 से अधिक लोगों की जान चली गई। बेंगलुरु में आईपीएल खिताब जीतने पर हुए जलसे में भी अनेक की जान चली गई।यही नहीं सिनेस्टार के सम्मोहन में कुछ महीनों पहले लोग ऐसे बावले हो गए कि भीड़ जानलेवा साबित हुई।ये घटनाएं अलग-अलग स्थानों पर हुईं, लेकिन इनके मूल कारण समान हैं- अपर्याप्त भीड़ प्रबंधन, संकरे रास्ते, और आपातकालीन तैयारियों की कमी।

बार बार होते हादसों से भी क्यों सबक नहीं लिया जा रहा

पिछले कुछ वर्षों में भारत में धार्मिक आयोजनों में भगदड़ की कई घटनाएं सामने आई हैं। 2008 में राजस्थान के चामुंडा देवी मंदिर में 250 लोगों की मौत, 2011 में हरिद्वार के हर-की-पौड़ी में 20 लोगों की जान, और 2022 में जम्मू-कश्मीर के वैष्णो देवी मंदिर में 12 लोगों की मृत्यु इसके उदाहरण हैं। ये त्रासदियां दर्शाती हैं कि हमारी व्यवस्था बार-बार एक ही गलती को दोहरा रही है।

पुलिस और प्रशासन की जिम्मेदारी

पुलिस और प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है कि वे सार्वजनिक स्थानों पर सुरक्षा और व्यवस्था सुनिश्चित करें। मनसा देवी मंदिर जैसी घटनाओं में यह सवाल उठता है कि क्या पुलिस ने भीड़ की संख्या का आकलन समय पर किया? क्या आपातकालीन निकास और सुरक्षा प्रोटोकॉल की व्यवस्था थी? हरिद्वार, जगन्नाथपुरी, वैष्णोदेवी मंदिर जैसे धार्मिक स्थल, जहां खास मौकों पर लाखों श्रद्धालु जुटते हैं, वहां भीड़ प्रबंधन के लिए पहले से योजना बनाना अनिवार्य है।

पुलिस प्रशासन को चाहिए कि वह धार्मिक आयोजनों से पहले मंदिर प्रबंधन के साथ समन्वय करे, सीसीटीवी कैमरों और सेंसरों की व्यवस्था करे, और भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पर्याप्त बल तैनात करे। उत्तराखंड पुलिस ने चार धाम यात्रा जैसे बड़े आयोजनों में सुरक्षा के लिए कदम उठाए हैं, लेकिन छोटे मंदिरों और स्थानीय आयोजनों में भी यही सतर्कता बरतने की जरूरत है।

क्या हर हादसे के बाद मुआवजा और जांच की घोषणा भर है सरकार की जिम्मेदारी?

सरकार की जिम्मेदारी केवल हादसे के बाद मुआवजा घोषित करने या जांच के आदेश देने तक सीमित नहीं होनी चाहिए।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मनसा देवी हादसे के बाद मृतकों के परिजनों के लिए 2 लाख रुपये और घायलों के लिए 50 हजार रुपये की सहायता की घोषणा की। यह कदम स्वागतयोग्य है, लेकिन सवाल यह है कि ऐसी त्रासदियों को रोकने के लिए पहले से क्या उपाय किए गए थे? सरकार को धार्मिक स्थलों पर बुनियादी ढांचे को बेहतर करने, संकरे रास्तों को चौड़ा करने, और आपातकालीन निकास सुनिश्चित करने की दिशा में काम करना होगा।

मनोज शर्मा
वरिष्ठ पत्रकार

जिम्मेदारी से पल्ला न झाड़े,बने राष्ट्रीय भीड़ प्रबंधन नीति

इसके अलावा, सरकार को मंदिरों और धार्मिक आयोजनों के लिए एक राष्ट्रीय स्तर की भीड़ प्रबंधन नीति बनानी चाहिए। यह नीति आयोजकों, प्रशासन और पुलिस के बीच समन्वय को सुनिश्चित करे, ताकि हर बड़े आयोजन में सुरक्षा मानकों का पालन हो।

धार्मिक संस्थाओं की जिम्मेदारी

मंदिर प्रबंधन और धार्मिक आयोजनों के आयोजकों की भूमिका भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। मनसा देवी मंदिर में हादसे के बाद मंदिर कमेटी के अध्यक्ष ने जिम्मेदारी लेने से इनकार कर दिया, यह कहते हुए कि उन्होंने तो लोगों को बचाया। वहीं आज सोमवार को बाराबंकी के मंदिर में हुए हादसे में कह दिया कि बंदर बिजली के तारों पर उछल कूद कर रहे थे सो करंट फैला जबकि घायलों का कहना है कि भीड़ को नियंत्रित करने पुलिस ने लाठियां भांजी जो भगदड़ का कारण बनी। बहरहाल यह रवैया चिंताजनक तो है ही जिम्मेदारी से पल्ला भी झाड़ने की कवायद है। मंदिरों ,स्टेडियमों,बड़े खेल संगठनों और आयोजकों को करोड़ों रुपये मिलता है, लेकिन इसका कितना हिस्सा सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन पर खर्च होता है?

मंदिर प्रबंधन ,आयोजन समितियों को चाहिए कि वे श्रद्धालुओं की संख्या के आधार पर प्रवेश नियंत्रित करें, आपातकालीन निकास और चिकित्सा सुविधाएं सुनिश्चित करें, और प्रशासन के साथ मिलकर भीड़ प्रबंधन की योजना बनाएं। इसके लिए प्रशिक्षित स्वयंसेवकों की तैनाती और नियमित मॉक ड्रिल जैसे कदम उठाए जा सकते हैं।

बिना सोचे समझे प्रतिक्रिया देने से बचे

नागरिकों की भी इस मामले में महत्वपूर्ण भूमिका है। धार्मिक, खेल, मनोरंजक आयोजनों में श्रद्धालु या प्रशंसक अक्सर उत्साह और आस्था में व्यवस्था का पालन करने में लापरवाही बरतते हैं। अफवाहों, जैसे कि बिजली के करंट या बम की खबर, पर बिना सोचे-समझे प्रतिक्रिया करने से भगदड़ की स्थिति बनती है। नागरिकों को चाहिए कि वे आयोजकों और प्रशासन के निर्देशों का पालन करें, और ऐसी स्थिति में घबराहट के बजाय संयम बरतें।

समग्र दृष्टिकोण और सामूहिक जिम्मेदारी के बिना समाधान नहीं

इन त्रासदियों से बचने के लिए हमें एक समग्र दृष्टिकोण अपनाना होगा। सरकार, संगठन और नागरिकों को सामूहिक जिम्मेदारी लेनी होगी।

समस्या निदान के लिए जो जरूरी कदम तत्काल उठाने होंगे उस संबंध में कुछ सुझाव इस प्रकार हैं....

भीड़ प्रबंधन नीति:- सरकार को धार्मिक और सार्वजनिक आयोजनों के लिए एक राष्ट्रीय नीति बनानी चाहिए, जिसमें भीड़ की निगरानी, सुरक्षा मानक, और आपातकालीन योजनाएं शामिल हों।

बुनियादी ढांचा सुधार:- मंदिरों और स्टेडियमों में संकरे रास्तों को चौड़ा करना, आपातकालीन निकास बनाना, और सीसीटीवी/सेंसर जैसी तकनीक का उपयोग करना।

प्रशिक्षण और जागरूकता:- पुलिस, मंदिर प्रबंधन, आयोजन समिति और स्वयंसेवकों को भीड़ प्रबंधन का प्रशिक्षण देना, और नागरिकों में जागरूकता फैलाना।

तकनीक का उपयोग:- डिजिटल टिकटिंग और समय-आधारित प्रवेश प्रणाली से भीड़ को नियंत्रित किया जा सकता है।

सामूहिक जिम्मेदारी:- प्रशासन, आयोजक, और नागरिकों को एक-दूसरे के साथ समन्वय कर काम करना होगा।

आइए हम सब अपनी जिम्मेदारी निभाएं

मंदिरो, स्टेडियमों या फिर किसी प्रवचन स्थल सभाओं में भगदड़ की घटनाएं न केवल जान-माल की हानि का कारण बनती हैं, बल्कि हमारी व्यवस्था की कमियों को भी उजागर करती हैं। यह समय है कि हम इन हादसों को केवल दुर्भाग्य मानने के बजाय इन्हें रोकने के लिए ठोस कदम उठाएं। पुलिस, प्रशासन, सरकार, धार्मिक,सामाजिक,नागरिक संस्थाएं और हम सभी को अपनी-अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। आस्था और उत्साह का सम्मान करते हुए हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि भविष्य में ऐसी त्रासदियां न दोहराई जाएं।

लोकसदन परिवार की संवेदनाएं पीड़ितों के साथ

और अंत में हम इन हादसों में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना के साथ, यह अपेक्षा करते है कि हम सबक लें और एक सुरक्षित, व्यवस्थित समाज की ओर बढ़ें।

भारत में धार्मिक पर्यटन में आई जबरदस्त तेजी

प्रह्लाद सबनानी

भारत में पर्यटन उद्योग को आगे बढ़ाने के लिए कई वर्षों से लगातार प्रयास किए जाते रहे हैं, परंतु इस क्षेत्र में वृद्धि दर कम ही रही है क्योंकि भारत में पर्यटन का दायरा केवल ताजमहल, कश्मीर एवं गोवा आदि स्थलों तक ही सीमित रहा है, परंतु हाल ही के वर्षों में धार्मिक क्षेत्रों यथा, अयोध्या, वाराणसी, मथुरा, उज्जैन, हरिद्वार, उत्तराखंड में चार धाम (केदारधाम, बद्रीधाम, गंगोत्री एवं यमुनोत्री), माता वैष्णोदेवी एवं दक्षिण भारत स्थित विभिन्न मंदिरों सहित, बौद्ध धर्म, जैन धर्म एवं सिक्ख धर्म के कई पूजा स्थलों पर मूलभूत सुविधाओं का विस्तार कर इन्हें आपस में जोड़कर पर्यटन सर्किट विकसित किए गए हैं। इससे भारत में धार्मिक पर्यटन बहुत तेज गति से आगे बढ़ा है।

विभिन्न देशों से भी अब पर्यटक इन नये विकसित किए गए धार्मिक स्थलों पर भारी मात्रा में पहुंच रहे हैं। योग एवं आयुर्वेद भी हाल ही के समय में विदेशों में काफी लोकप्रिय हो गया है अतः इसकी खोज के लिए विदेशों से कई पर्यटक भारत में धार्मिक पर्यटन करने के प्रति आकर्षित हो रहे हैं। इससे विदेशी पर्यटन भी देश में तेजी से वृद्धि दर्ज कर रहा है। हाल ही के समय में भारत के नागरिकों में 'स्व' का भाव विकसित होने के चलते देश में धार्मिक पर्यटन बहुत तेज गति से बढ़ा है।

अयोध्या धार्मिक पर्यटन का हब बनाने जा रहा है तथा अब अयोध्या दुनिया का सबसे बड़ा तीर्थ क्षेत्र बन जाएगा। 'जेफरीज' के अनुसार अयोध्या में प्रति वर्ष 5 करोड़ से अधिक पर्यटक आ सकते हैं। यह तो केवल अयोध्या की कहानी है इसके साथ ही तिरुपति बालाजी, काशी विनाथ मंदिर, उज्जैन में महाकाल लोक, जम्मू स्थित वैष्णो देवी मंदिर, उत्तराखंड में केदारनाथ, बदरीनाथ, गंगोत्री एवं यमनोत्री जैसे कई मंदिरों में श्रद्धालुओं की अपार भीड़ उमड़ रही है।

भारत में धार्मिक पर्यटन में आई जबरदस्त तेजी के बदौलत रोजगार के लाखों नए अवसर निर्मित हो रहे हैं, जो देश के आर्थिक विकास को गति देने में सहायक हो रहे हैं। विश्व के कई अन्य देश भी धार्मिक पर्यटन के माध्यम से अपनी अर्थव्यवस्थाएं सफलतापूर्वक मजबूत कर रहे हैं। सऊदी अरब धार्मिक पर्यटन से प्रति वर्ष 22,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर अर्जित करता है। सऊदी अरब इस आय को आगे आने वाले समय में 35,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर तक ले जाना चाहता है। मक्का में प्रतिवर्ष 2 करोड़ लोग पहुंचते हैं, जबकि मक्का में गैर मुस्लिम के पहुंचने पर पाबंदी है। इसी प्रकार, वेटिकन सिटी में प्रतिवर्ष 90 लाख लोग पहुंचते हैं। इस धार्मिक पर्यटन से अकेले वेटीकन सिटी को प्रतिवर्ष लगभग 32 करोड़ अमेरिकी डॉलर की आय होती है, और अकेले मक्का शहर को 12,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर की आमदनी होती है।

एक अनुमान के अनुसार, प्रत्येक पर्यटक लगभग 6 लोगों को प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष रूप से रोजगार उपलब्ध कराता है। इस संख्या के हिसाब से तो लाखों नये रोजगार के अवसर अयोध्या में उत्पन्न होने जा रहे हैं। अयोध्या के आसपास विकास का एक नया दौर शुरू होने जा रहा है। यह कहना भी अतिशयोक्ति नहीं होगा कि अब अयोध्या के रूप में वेटिकन एवं मक्का का जवाब भारत में खड़ा होने जा रहा है। धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भारत सरकार ने भी धरातल पर बहुत कार्य सम्पन्न किया है। साथ ही, अब इसके अंतर्गत एक रामायण सर्किट रूट को भी विकसित किया जा रहा है। इस रूट पर विशेष

रेलगाड़ियां भी चलाए जाने की योजना बनाई गई है। केंद्र सरकार एवं राज्य सरकारों द्वारा पर्यटन की गति को तेज करने के उद्देश्य से किए जा रहे उक्तवर्णित उपायों के चलते अब भारतीय पर्यटन उद्योग तेज गति से आगे बढ़ता हुआ दिखाई दे रहा है। भारतीय पर्यटन उद्योग ने वर्ष 2024 में 2,247 करोड़ अमेरिकी डॉलर का आकार ले लिया है।

वर्ष 2033 तक इसके 3,812 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर तक पहुंचने की सम्भावना है। एक अनुमान के अनुसार, वर्ष 2034 तक भारत के सकल घरेलू उत्पाद में पर्यटन उद्योग का योगदान बढ़कर 43.25 लाख करोड़ रुपये का हो जाने वाला है। भारत के हवाईअड्डों पर भारी भीड़ अब आम बात हो गई है एवं हेरिटेज स्थलों पर विदेशी पर्यटकों की भारी भीड़ दिखाई देने लगी है। भारत में यात्रा एवं पर्यटन उद्योग 8 करोड़ लोगों को प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से रोजगार प्रदान कर रहा है एवं देश के कुल रोजगार में पर्यटन उद्योग की 12 प्रतिशत की हिस्सेदारी है।

भारत में प्राचीन समय से धार्मिक स्थलों की यात्रा, पर्यटन उद्योग में, एक विशेष स्थान रखती है।

एक अनुमान के अनुसार, देश के पर्यटन में धार्मिक यात्राओं की हिस्सेदारी 60 से 70 प्रतिशत के बीच रहती है। देश के पर्यटन उद्योग में लगभग 19 प्रतिशत की वृद्धि दर अर्जित की जा रही है जबकि वैश्विक स्तर पर पर्यटन उद्योग केवल 5 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज कर रहा है। आज करोड़ों की संख्या में भारतीय, विदेशों में रह रहे हैं। यदि प्रत्येक भारतीय यह पणकरे कि प्रतिवर्ष कम-से-कम 5 विदेशी पर्यटकों को भारत भ्रमण के लिए प्रेरणा देगा तो एक अनुमान के अनुसार विदेशी पर्यटकों की संख्या को एक वर्ष के अंदर ही दोगुना किया जा सकता है।

भारत में पर्यटन उद्योग को आगे बढ़ाने के लिए कई वर्षों से लगातार प्रयास किए जाते रहे हैं, परंतु इस क्षेत्र में वृद्धि दर कम ही रही है क्योंकि भारत में पर्यटन का दायरा केवल ताजमहल, कश्मीर एवं गोवा आदि स्थलों तक ही सीमित रहा है, परंतु हाल ही के वर्षों में धार्मिक क्षेत्रों यथा, अयोध्या, वाराणसी, मथुरा, उज्जैन, हरिद्वार, उत्तराखंड में चार धाम (केदारधाम, बद्रीधाम, गंगोत्री एवं यमुनोत्री), माता वैष्णोदेवी एवं दक्षिण भारत स्थित विभिन्न मंदिरों सहित, बौद्ध धर्म, जैन धर्म एवं सिक्ख धर्म के कई पूजा स्थलों पर मूलभूत सुविधाओं का विस्तार कर इन्हें आपस में जोड़कर पर्यटन सर्किट विकसित किए गए हैं। इससे भारत में धार्मिक पर्यटन बहुत तेज गति से आगे बढ़ा है।

विभिन्न देशों से भी अब पर्यटक इन नये विकसित किए गए धार्मिक स्थलों पर भारी मात्रा में पहुंच रहे हैं। योग एवं आयुर्वेद भी हाल ही के समय में विदेशों में काफी लोकप्रिय हो गया है अतः इसकी खोज के लिए विदेशों से कई पर्यटक भारत में धार्मिक पर्यटन करने के प्रति आकर्षित हो रहे हैं। इससे विदेशी पर्यटन भी देश में तेजी से वृद्धि दर्ज कर रहा है। हाल ही के समय में भारत के नागरिकों में 'स्व' का भाव विकसित होने के चलते देश में धार्मिक पर्यटन बहुत तेज गति से बढ़ा है। अयोध्या धार्मिक पर्यटन का हब बनाने जा रहा है तथा अब अयोध्या दुनिया का सबसे बड़ा तीर्थ क्षेत्र बन जाएगा। 'जेफरीज' के अनुसार अयोध्या में प्रति वर्ष 5 करोड़ से अधिक पर्यटक आ सकते हैं।

यह तो केवल अयोध्या की कहानी है इसके साथ ही तिरुपति बालाजी, काशी विनाथ मंदिर, उज्जैन में महाकाल लोक, जम्मू स्थित वैष्णो देवी मंदिर, उत्तराखंड में केदारनाथ, बदरीनाथ, गंगोत्री एवं यमनोत्री जैसे कई मंदिरों में श्रद्धालुओं की अपार भीड़ उमड़ रही है। भारत में धार्मिक पर्यटन में आई जबरदस्त तेजी के बदौलत रोजगार के लाखों नए अवसर निर्मित हो रहे हैं, जो देश के आर्थिक विकास को गति देने में सहायक हो रहे हैं। विश्व के कई अन्य देश भी धार्मिक पर्यटन के माध्यम से अपनी अर्थव्यवस्थाएं सफलतापूर्वक मजबूत कर रहे हैं। सऊदी अरब धार्मिक पर्यटन से प्रति वर्ष 22,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर अर्जित करता है। सऊदी अरब इस आय को आगे आने वाले समय में 35,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर तक ले जाना चाहता है। मक्का में प्रतिवर्ष 2 करोड़ लोग पहुंचते हैं, जबकि मक्का में गैर मुस्लिम के पहुंचने पर पाबंदी है। इसी प्रकार, वेटिकन सिटी में प्रतिवर्ष 90 लाख लोग पहुंचते हैं। इस धार्मिक पर्यटन से अकेले वेटीकन सिटी को प्रतिवर्ष लगभग 32 करोड़ अमेरिकी डॉलर की आय होती है, और अकेले मक्का शहर को 12,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर की आमदनी होती है।

एक अनुमान के अनुसार, प्रत्येक पर्यटक लगभग 6 लोगों को प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष रूप से रोजगार उपलब्ध कराता है। इस संख्या के हिसाब से तो लाखों नये रोजगार के अवसर अयोध्या में उत्पन्न होने जा रहे हैं। अयोध्या के आसपास विकास का एक नया दौर शुरू होने जा रहा है। यह कहना भी अतिशयोक्ति नहीं होगा कि अब अयोध्या के रूप में वेटिकन एवं मक्का का जवाब भारत में खड़ा होने जा रहा है। धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भारत सरकार ने भी धरातल पर बहुत कार्य सम्पन्न किया है। साथ ही, अब इसके अंतर्गत एक रामायण सर्किट रूट को भी विकसित किया जा रहा है। इस रूट पर विशेष रेलगाड़ियां भी चलाए जाने की योजना बनाई गई है। केंद्र सरकार एवं राज्य सरकारों द्वारा पर्यटन की गति को तेज करने के उद्देश्य से किए जा रहे उक्तवर्णित उपायों के चलते अब भारतीय पर्यटन उद्योग तेज गति से आगे बढ़ता हुआ दिखाई दे रहा है। भारतीय पर्यटन उद्योग ने वर्ष 2024 में 2,247 करोड़ अमेरिकी डॉलर का आकार ले लिया है।

वर्ष 2033 तक इसके 3,812 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर तक पहुंचने की सम्भावना है। एक अनुमान के अनुसार, वर्ष 2034 तक भारत के सकल घरेलू उत्पाद में पर्यटन उद्योग का योगदान बढ़कर 43.25 लाख करोड़ रुपये का हो जाने वाला है। भारत के हवाईअड्डों पर भारी भीड़ अब आम बात हो गई है एवं हेरिटेज स्थलों पर विदेशी पर्यटकों की भारी भीड़ दिखाई देने लगी है। भारत में यात्रा एवं पर्यटन उद्योग 8 करोड़ लोगों को प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से रोजगार प्रदान कर रहा है एवं देश के कुल रोजगार में पर्यटन उद्योग की 12 प्रतिशत की हिस्सेदारी है।

भारत में प्राचीन समय से धार्मिक स्थलों की यात्रा, पर्यटन उद्योग में, एक विशेष स्थान रखती है। एक अनुमान के अनुसार, देश के पर्यटन में धार्मिक यात्राओं की हिस्सेदारी 60 से 70 प्रतिशत के बीच रहती है। देश के पर्यटन उद्योग में लगभग 19 प्रतिशत की वृद्धि दर अर्जित की जा रही है जबकि वैश्विक स्तर पर पर्यटन उद्योग केवल 5 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज कर रहा है। आज करोड़ों की संख्या में भारतीय, विदेशों में रह रहे हैं। यदि प्रत्येक भारतीय यह पणकरे कि प्रतिवर्ष कम-से-कम 5 विदेशी पर्यटकों को भारत भ्रमण के लिए प्रेरणा देगा तो एक अनुमान के अनुसार विदेशी पर्यटकों की संख्या को एक वर्ष के अंदर ही दोगुना किया जा सकता है।

लोक सदन
गांधीवादी सिद्धांतों का संवाहक...
छत्तीसगढ़ सदन
https://epaper.dainikloksadan.com
कोरबा, 29 जुलाई मंगलवार 2025

जनस्वास्थ्य हमारी पहली प्राथमिकता, हर जिले में होगी आधुनिक चिकित्सा सुविधा : जायसवाल

स्वास्थ्य मंत्री ने चिरमिरी में 13 करोड़ के चिकित्सक आवास और 1.68 करोड़ के ट्रांजिट हॉस्टल का किया भूमिपूजन ▪ कांवड़ यात्रा से पहले कांवड़ियों से मिलकर किया उनका स्वागत

लोकसदन >> एमसीबी।

जिले की स्वास्थ्य सेवाओं में आज एक और ऐतिहासिक अध्याय जुड़ गया जब नगर पालिक निगम चिरमिरी के बड़ा बाजार स्थित जिला अस्पताल परिसर में छत्तीसगढ़ शासन के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग तथा छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेस कॉर्पोरेशन लिमिटेड के संयुक्त तत्वावधान में 13 करोड़ रुपए की लागत से चिकित्सक आवासीय परिसर और 1 करोड़ 68 लाख रुपए की लागत से ट्रांजिट हॉस्टल के निर्माण कार्य का भूमिपूजन भव्य रूप से संपन्न हुआ। यह भूमिपूजन केवल चिरमिरी ही नहीं बल्कि पूरे जिले के लिए स्वास्थ्य अधोसंरचना के विकास की दृष्टि से मील का पत्थर सिद्ध होगा। इस भव्य भूमिपूजन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्र के विधायक एवं छत्तीसगढ़ शासन के लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, चिकित्सा शिक्षा तथा बीस सूत्रीय कार्यक्रम कार्यान्वयन के कैबिनेट मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल की उपस्थिति में विधिवत भूमिपूजन हुआ, और विकास की इस बहुप्रतीक्षित परियोजना की शुरुआत की गई।

कार्यक्रम में अति विशिष्ट अतिथि के रूप में नगर पालिक निगम चिरमिरी के महापौर रामनरेश राय तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में सभापति संतोष सिंह उपस्थिति बनी रही। मंच से सभी ने इस योजना को चिरमिरी की भविष्य की स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम बताते हुए जनभावनाओं का प्रतिनिधित्व किया। यह संपूर्ण योजना आने वाले समय में चिरमिरी सहित आसपास के ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराएगी, साथ ही डॉक्टरों को उच्च स्तरीय आवासीय सुविधा और स्वास्थ्य कर्मियों को सुरक्षित, आधुनिक एवं सुसज्जित वातावरण प्राप्त होगा। जिससे स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में क्रांतिकारी सुधार आएगा। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, नगर निगम प्रतिनिधि, और अन्य गणमान्य नागरिकों की भागीदारी रही जिन्होंने इस ऐतिहासिक भूमिपूजन के लिए शासन एवं जनप्रतिनिधियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर चिरमिरी महापौर रामनरेश राय ने इसे चिरमिरी के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में दर्ज होने वाला दिन बताते हुए इसे गौरव, सम्मान और जनसहभागिता का प्रतीक कहा। उन्होंने बताया कि पूरे शहर में विशेषकर मेन मार्केट और हल्दीबाड़ी क्षेत्रों में ऑडियो टेलीकास्ट की व्यवस्था की गई थी ताकि हमारे स्वास्थ्य मंत्री का प्रेरक संदेश हर नागरिक तक पहुंच सके। उन्होंने मंत्री जायसवाल को जनसेवा और कर्मठता का प्रतीक बताते हुए कहा कि एक किसान परिवार से निकलकर उन्होंने जिस समर्पण और ईमानदारी से जनहित में कार्य किया है। वह समूचे विधानसभा क्षेत्र के लिए प्रेरणा है। जनता की ओर से उन्होंने मंत्री से आग्रह किया कि वे अपने आशीर्वचनों एवं मार्गदर्शी विचारों से दिशा दिखाएं। इसके साथ ही स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने अपने उद्बोधन में सावन माह की विशेषता और चिरमिरी में उसकी आध्यात्मिक छटा की प्रशंसा करते हुए कहा कि प्रतिदिन सवा लाख शिवलिंगों का निर्माण और सैकड़ों भक्तों द्वारा रुद्राभिषेक क्षेत्र की आध्यात्मिक चेतना को दर्शाता है। उन्होंने हाल ही में आयोजित भव्य कांवड़ यात्रा की स्मृति को साझा करते हुए बताया कि आज पुनः निकाली गई विशाल कांवड़ यात्रा में वे स्वयं पहुंचे और कांवड़ियों से मिलकर उनका स्वागत किया तथा उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर उन्होंने सभी श्रद्धालुओं को सावन के तीसरे सोमवार की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि चिरमिरी और विशेषकर बड़ा बाजार क्षेत्र के लिए आज का दिन ऐतिहासिक है क्योंकि आज 14.68 करोड़ की लागत से ट्रांजिट हॉस्टल, अत्याधुनिक फिजियोथैरेपी भवन और डॉक्टर कॉलोनी सहित अनेक निर्माण कार्यों का विधिवत शुभारंभ हुआ। यह कॉलोनी तहसील के पीछे स्थित होगी जिसमें 28 डॉक्टरों के लिए आधुनिक फ्लैट्स एवं बंगले बनाए जाएंगे और यह प्रोजेक्ट छत्तीसगढ़ के सर्वाधिक सुसज्जित स्वास्थ्य संस्थानों में से एक के रूप में विकसित होगा।

मंत्री जायसवाल ने कहा कि स्वास्थ्य मंत्री बनने के बाद उन्होंने पाया कि बस्तर और सरगुजा जैसे दूरस्थ क्षेत्रों में डॉक्टर इसलिए टिकते नहीं क्योंकि उन्हें मूलभूत सुविधाएं विशेषकर आवास की सुविधा नहीं मिलती। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन में उन्होंने इस जटिल समस्या को चुनौती के रूप में स्वीकार किया और समाधान की दिशा में कार्य प्रारंभ किया। चिरमिरी जैसे शहर में डॉक्टरों को किराए पर मकान तक नहीं मिलता था, ऐसे में यह सरकारी योजना समय की आवश्यकता थी। अब पुराने जर्जर भवनों को हटाकर आधुनिक तकनीक से सुसज्जित भवनों का निर्माण किया जाएगा। जिसमें पार्किंग और अन्य सभी आवश्यक सुविधाएं मौजूद रहेंगी, जिससे डॉक्टर सम्मानजनक वातावरण में रहकर गुणवत्तापूर्ण सेवाएं दे सकेंगे। मंत्री ने बताया कि वर्तमान में चिरमिरी में 26 डॉक्टर कार्यरत हैं और स्वास्थ्य कर्मियों की संख्या 113 तक पहुंचाई गई है, जो पहले मात्र 53 थी। बावजूद इसके नर्सिंग स्टाफ की कमी को ध्यान में रखते हुए व्यापमं के माध्यम से 200 अतिरिक्त स्वास्थ्य कर्मियों की भर्ती प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। साथ ही जीवनदीप समिति के माध्यम से स्थानीय स्तर पर अस्थायी नियुक्तियों की भी व्यवस्था की जा रही है ताकि सेवा में किसी प्रकार की बाधा न आए। उन्होंने यह भी बताया कि फिजियोथैरेपी उपकरणों एवं अन्य चिकित्सा मशीनों की तत्काल स्वीकृति दी जा चुकी है और अस्पताल को अत्याधुनिक उपकरणों से युक्त किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि दीपक पटेल की पहल पर विधायक योजना की प्रारंभ हुई थी। जो 35 करोड़ की जल योजना को 45 करोड़ तक बढ़ाया गया और अब 182 करोड़ की लागत से अमृत जल मिशन स्वीकृत हुआ है, जिसका टेंडर भी हो चुका है और आगामी एक महीने में इसका कार्य प्रारंभ हो जाएगा। उन्होंने जनता से वादा किया कि आने वाले 100 वर्षों तक चिरमिरी में पानी की कोई समस्या नहीं रहेगी। इसी तरह शिक्षा क्षेत्र में भी अनेक प्रयास किए जा रहे हैं। पॉलिटेक्निक कॉलेज के लिए 1.28 करोड़ की लागत से भवन स्वीकृत किया गया है जिससे विद्यार्थियों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। चिरमिरी नगर निगम के 40 वार्डों में तेजी से विकास कार्य हो रहे हैं, जिनमें हल्दीबाड़ी से बड़ा बाजार तक गौरव पथ का निर्माण 2 करोड़ की लागत से, गुरु नानक चौक से डोमनहिल तक सड़क का निर्माण 4 करो? में और सोनामनी से घोड़ी होते हुए बाईपास सड़क का निर्माण 8 करोड़ में स्वीकृत किया गया है। बीते डेढ़ वर्षों में 40 करोड़ रुपए की विकास योजनाओं को मंजूरी मिल चुकी है और यह प्रक्रिया लगातार जारी है। इस अवसर पर सीएचएमओ डॉ. अविनाश खरे, नगर निगम आयुक्त रामप्रसाद आचला, एसडीएम विजयेन्द्र सारथी तथा स्वास्थ्य विभाग व प्रशासन के अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

वार्ड 13 में कम वोल्टेज को लेकर कार्यपालन अभियंता को सौंपा गया ज्ञापन

लोकसदन >> मनेन्द्रगढ़।

वार्ड क्रमांक 13 मनेंद्रगढ़ में लंबे समय से जारी लो वोल्टेज की गंभीर समस्या को लेकर कांग्रेस नेता भावेश जैन ने बिजली विभाग (सीएसपीडीसीएल) के कार्यपालन अभियंता को एक ज्ञापन सौंपा गया।

जैन ने ज्ञापन में कहा कि इस क्षेत्र में विगत कई दिनों से अत्यधिक लो वोल्टेज की समस्या बनी हुई है, जिससे आम नागरिकों के साथ-साथ छात्रों, बुजुर्गों और कामकाजी लोगों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। विद्युत आपूर्ति में लगातार गिरावट के कारण पंखा, फ्रिज, लाइट जैसी मूलभूत सुविधाएं भी ठीक से नहीं चल पा रही हैं। समस्या के स्थायी समाधान हेतु ज्ञापन में मांग की गई है कि वार्ड क्रमांक 13 में नया ट्रांसफार्मर लगाया जाए अथवा सिंगल फेज कनेक्शन को डबल फेज (या थ्री फेज) कनेक्शन में परिवर्तित किया जाए, ताकि क्षेत्र में बिजली आपूर्ति की गुणवत्ता में सुधार हो सके। ज्ञापन सौंपने के दौरान कांग्रेस नेता भावेश जैन ने विभाग से शीघ्र सकारात्मक कार्रवाई की अपेक्षा जताई, जिससे नागरिकों को इस भीषण गर्मी और असुविधा से राहत मिल सके।

गुरु घासीदास मेला स्थल विकास की दिशा में ऐतिहासिक कदम

भरनी-पेंडारी के मध्य बनेगा बाउंड्रीवॉल

■ **विधायक धर्मजीत सिंह ने किया भूमिपूजन**

लोकसदन >> बिलासपुर (तखतपुर)।

बाबा गुरु घासीदास जी के सिद्धस्थल और सतनाम धर्म के पवित्र मेला स्थल के संरक्षण और विकास को लेकर एक अहम पहल करते हुए तखतपुर विधानसभा क्षेत्र के यशस्वी एवं जनप्रिय विधायक धर्मजीत सिंह द्वारा ग्राम भरनी, परसदा एवं पेंडारी के मध्य स्थित मेला स्थल की बाउंड्रीवॉल निर्माण के लिए रु. 20 लाख की राशि स्वीकृत कराई गई। इसी कड़ी में भूमि पूजन समारोह पूरे विधि-विधान से संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में विधायक धर्मजीत सिंह ने बतौर मुख्य अतिथि शामिल होकर भूमि पूजन किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि गुरु बाबा का यह मेला स्थल हमारी आस्था, परंपरा और सांस्कृतिक चेतना का केंद्र है। इसके संरक्षण और सुव्यवस्थित विकास के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। बाउंड्रीवॉल बनने से न केवल इस स्थल की सुरक्षा सुनिश्चित होगी, बल्कि श्रद्धालुओं को भी सुविधा मिलेगी।

अतिविशिष्ट अतिथियों में पूर्व जिला पंचायत सदस्य संतोष कौशिक, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती भारती माली, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती ललिता कश्यप, जनपद अध्यक्ष श्रीमती माधवी संतोष वस्त्रकार, जनपद उपाध्यक्ष राकेश तिवारी एवं जिला पंचायत उपाध्यक्ष प्रतिनिधि संतोष कश्यप शामिल हुए। सभी अतिथियों ने गुरु बाबा के सिद्धांतों की सराहना करते हुए इस विकास कार्य को समाज के उत्थान की दिशा में एक मजबूत पहल बताया।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक, सामाजिक कार्यकर्ता और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। प्रमुख रूप से बिहारी सिंह टोडर, संदीप खांडे, लछमी खांडे, उमादत्त घृतलहरे, संतोष वस्त्रकार, संतराम लहरे, मंजू खांडे, कोमल दिनकर, नरेश लहरे, कोमल टोडर, रामकमल साहू, राजेश खांडे, मोहन पाटले, अशोक नवरंग आदि सहित सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु व ग्रामीणजन मौजूद रहे। कार्यक्रम में वक्ताओं ने गुरु घासीदास जी के जीवन मूल्यों- सत्य, अहिंसा, समानता और परिश्रम पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ऐसे धार्मिक स्थलों का विकास सामाजिक चेतना और सांस्कृतिक पहचान को मजबूत करता है।

कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिसमें आयोजकों ने विधायक धर्मजीत सिंह और सभी जनप्रतिनिधियों का आभार जताया कि उन्होंने इस ऐतिहासिक स्थल को संरक्षित करने के लिए एक ठोस पहल की। यह आयोजन न केवल एक निर्माण कार्य की शुरुआत थी, बल्कि यह पूरे समाज के लिए एक प्रेरणा बन गया कि आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक विरासतों का संरक्षण की प्राथमिकता होनी चाहिए।

हेपेटाइटिस जागरूकता

जिले में नि:शुल्क जांच, इलाज, टीकाकरण की सुविधा उपलब्ध

■ **जन जागरूकता हेतु रेली और रंगोली पेंटिंग का भी आयोजन**

लोकसदन >> एमसीबी।

हेपेटाइटिस जैसी घातक बीमारी के प्रति आमजन को जागरूक करने एवं इसके बचाव व उपचार की जानकारी देने हेतु जिला स्वास्थ्य समिति, मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर द्वारा 'आइये, हेपेटाइटिस को समझें एवं जानें' अभियान का शुभारंभ किया गया है। यह अभियान राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन एवं राज्य स्वास्थ्य समिति के संयुक्त तत्वावधान में संचालित किया जा रहा है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अविनाश खरे ने जानकारी देते हुए बताया कि अभियान के तहत हेपेटाइटिस ए, बी, सी और ई से जुड़ी जरूरी जानकारी, लक्षण, बचाव और उपचार के उपायों को जन-जन तक पहुंचाने हेतु विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। साथ ही जगह-जगह पोस्टर बैनर लगवा कर जागरूकता फैलाई जा रही है।

नि:शुल्क सुविधाएं उपलब्ध

हेपेटाइटिस बी और सी की नि:शुल्क जांच, परामर्श और टीकाकरण की सुविधा जिले के सभी शासकीय जिला अस्पतालों एवं मेडिकल कॉलेजों में उपलब्ध है। लोगों से अपील की गई है कि वे नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पहुंचकर इस सुविधा का लाभ उठाएं।

प्रमुख लक्षण

- बुखार व थकान
- भूख कम लगना, उल्टी
- त्वचा में खुजली और पीलापन
- गहरे रंग का पेशाब
- शरीर में दर्द व मांसपेशियों की सूजन

बचाव के उपाय

हेपेटाइटिस ए और ई से बचने के लिए साफ पानी का सेवन, हाथ धोने की आदत, ताजे फलों का सेवन और खुले में शौच से बचाव जरूरी है।

हेपेटाइटिस बी और सी से बचने हेतु संक्रमित रक्त से दूरी, सुरक्षित सुई का प्रयोग, यौन संपर्क में सावधानी तथा नवजात शिशुओं को जन्म के 24 घंटे के भीतर टीका लगवाना अत्यंत जरूरी है।

रैली, रंगोली और पेंटिंग का आयोजन

अभियान के तहत जनसामान्य में जागरूकता लाने हेतु रैली का आयोजन किया गया है, वहीं विजय नर्सरी इंग्लिश मीडियम स्कूल में रंगोली पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई है, जिसमें स्कूली बच्चे बढ़-चढ़कर भाग लेंगे।

जागरूकता ही बचाव है

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. खरे ने जिलेवासियों से अपील की है कि वे स्वयं तथा अपने परिवार को इस गंभीर बीमारी से सुरक्षित रखने के लिए जागरूक रहें, समय पर जांच करवाएं और शासकीय स्वास्थ्य केंद्रों की नि:शुल्क सेवाओं का लाभ अवश्य लें।

पुष्प वर्षा के साथ निकाली जाएगी भगवान श्री कृष्ण की पालकी यात्रा

लोकसदन, राजनांदगांव (आरएनएस)।

कोसरिया यादव समाज राजनांदगांव द्वारा श्री कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव 16 अगस्त को बड़े हर्षोल्लास एवं बड़ी धूमधाम से मनाने हेतु विभिन्न वार्डो में निरंतर बैठक जारी है । इसी कड़ी में 27 जुलाई रविवार को सामुदायिक भवन भरकापारा वार्ड नंबर 26 में बैठक आयोजित की गई। समाज के संगठन प्रभारी भोला यादव ने बताया कि बैठक की शुरूआत भगवान श्री कृष्ण की पूजा अर्चना एवं बैठक में आए समाज के सभी पदाधिकारी एवं सदस्यों का गुलाल लगाकर स्वागत किया गया। सभी उपस्थित सदस्य एवं महिला मंडल पदाधिकारी सदस्यों ने अपने-अपने वार्डों से झाँकी लाने की जानकारी दी गई। साथ ही इस आयोजन में भगवान श्रीकृष्ण की पालकी यात्रा में शुरुआत से समापन तक पुष्प वर्षा होगी। इस आयोजन को लेकर समाज के सभी सदस्यों में उत्साह का माहौल है। साथ ही साथ वार्ड स्तर बैठक में सभी सदस्यगण एवं महिला सदस्यों के बीच भारी उत्साह का माहौल है एवं भारी संख्या में बैठक में उपस्थित हो रहे हैं।

छात्रावास में छात्र से बर्बरता की घटना : 150 से अधिक चोटों के निशान

अधीक्षक पर गंभीर लापरवाही के आरोप ▪ शिक्षा विभाग के संलग्न शिक्षकों को हटा कर मूल पद स्थापना स्थान पर भेजा जाए

लोकसदन >> एमसीबी।

मनेंद्रगढ़ विकासखंड अंतर्गत खोंगापानी नगर पंचायत स्थित शासकीय आवासीय बालक छात्रावास में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। मिली जानकारी के अनुसार छात्रावास में रहने वाले छात्र अनुज प्रजापति पर उसी हॉस्टल के तीन छात्रों-अमित, राजेंद्र और ओमप्रकाश ने डंडों से बेरहमी से हमला कर दिया। छात्र के शरीर पर 150 से अधिक चोटों के गंभीर निशान पाए गए हैं, जो इस अमानवीयता और छात्रावास की लचर व्यवस्था का सीधा प्रमाण है।

अधिकारियों की चुप्पी और अधीक्षक की गैरहाजिरी पर सवाल

स्थानीय लोगों और छात्र के परिजनों ने छात्रावास अधीक्षक को इस घटना के लिए सीधे जिम्मेदार ठहराया है। आरोप है कि अधीक्षक केवल वेतन लेने के समय आते हैं और छात्रावास के संचालन और बच्चों की सुरक्षा से उनका कोई लेना-देना नहीं है। यह पहली बार नहीं है, जब छात्रावासों में लापरवाही और बच्चों के शोषण की खबरें सामने आई हों।

छात्रावास की हालत बदतर- खाने से लेकर सुरक्षा तक संकट

पूर्व में भी लगातार शिकायतें मिलती रही हैं कि छात्रावासों में बच्चों को समय पर अच्छा भोजन नहीं मिलता, अधीक्षक और उनके परिवारजन बच्चों के साथ दुर्व्यवहार करते हैं, और कई बार अधीक्षकों के परिजन भी नियमों को ताक पर रखकर छात्रावास में रह रहे होते हैं। कन्या छात्रावासों में महिला अधीक्षकों के पतियों के अवैध निवास की शिकायतें भी सामने आ चुकी हैं, लेकिन प्रशासनिक स्तर पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं होती।

RTI से उजागर हुए दस्तावेज, फिर भी कार्रवाई नदारद

इस मामले में करीब 15 दिन पहले सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग (एमसीबी) को आरटीआई के माध्यम से दस्तावेजों के साथ शिकायत की गई थी। अधिकारियों ने जांच समिति गठित करने का आश्वासन दिया था, लेकिन आज तक न तो कोई सूचना आई और न ही कोई कार्रवाई की गई। यह दर्शाता है कि प्रशासन ऐसे मामलों को महज औपचारिकता मान कर टाल देता है।

फर्जी बिल, भ्रष्टाचार और टेंडरबाजी में उलझे अधिकारी

यह भी गंभीर आरोप हैं कि छात्रावासों में सस्ते सीजन में महंगे सामान खरीदे जाते हैं, एक ही राइटिंग में फर्जी बिल तैयार कर खर्च दिखाया जाता है। विभागीय अधिकारी इन शिकायतों को सुनने की जगह टेंडरों की बंदरबांट में व्यस्त हैं। यह सरकारी धन का दुरुपयोग और बच्चों के अधिकारों के साथ सरासर धोखा है।

संलग्न शिक्षकों को हटा कर मूल पद स्थापना स्थान पर भेजा जाए

एक तरफ कहां पूरे प्रदेश में स्कूलों के सेटअप के अनुसार शिक्षक न होने के कारण शिक्षकों का युक्तियुक्तकरण चल रहा है, वही आदिवासी विभाग एमसीबी में शिक्षकों को संलग्न कर अन्याकर करवाया जा रहा है, क्या आदिवासी विकास विभाग में कर्मचारियों की कमी है या किसी अन्य उद्देश्य से ऐसा किया जा रहा है। जिला शिक्षा अधिकारी एमसीबी से संज्ञान द्वारा ले कर तत्काल अपने विभाग के शिक्षक को दूसरे विभाग से वापस बुलाने का कष्ट करें और मूल स्थापना स्थल पर भेजा जाए।

प्रश्न उठते हैं कि

- क्या आदिवासी विकास विभाग केवल कागजों में रह गया है?
- क्या अधिकारियों को बच्चों की सुरक्षा से कोई सरोकार नहीं?
- आखिर आरटीआई और शिकायतों का जवाब देने में क्यों लापरवाही बरती जाती है?

यह पूरी घटना यह सोचने पर मजबूर करती है कि जब सरकारी संरक्षण में चल रहे छात्रावासों में ही बच्चे सुरक्षित नहीं हैं, तो उनकी शिक्षा और जीवन का भविष्य किसके भरोसे छोड़ा जा सकता है? यदि समय रहते इन मुद्दों पर कठोर कार्रवाई नहीं की गई, तो यह लापरवाही और भ्रष्टाचार बच्चों के जीवन को निगलता रहेगा।

जरूरत है तत्काल कार्रवाई की, निष्पक्ष जांच की और दोषियों को सख्त सजा की, ताकि कोई और अनुज अगली बार इस सिस्टम की बर्बरता का शिकार न बने।

मानसून गतिविधियां हुई कमजोर

रायपुर (आरएनएस)। मौसम विभाग के अनुसार इस मौसम की गतिविधियां कमजोर हो गई है, जिसके चलते एक दो दिन पश्चात वर्षा होगी। सभी जिलों में वर्षा होने के कारण इस समय नदी नाले उफान पर चल रहे हैं।

// शपथपत्र //

मैं शपथकर्ती देवकी बाई गोंड़ पति सगन सिंह गोंड़ निवासी ग्राम सिलियारी तहसील हरदीबाजार जिला कोरबा (छ.ग.) का निवासी हूं जो निम्न कथन शपथ पूर्वक करती हूँ। यह कि मैं उपरोक्त नाम व पते की निवासी हूं। यह कि मेरे नाम से जारी आधार कार्ड में मेरा नाम देवकी बाई गोंड़ अंकित है। यह कि मेरे भारतीय स्टेट बैंक से जारी खाता क्रमांक 34621509442 मे मेरा नाम देवकी बाई अंकित है। यह कि देवकी बाई गोंड़ व देवकी बाई दोनों एक ही व्यक्ति है। यह कि मेरे उक्त खाते पर मेरा नाम देवकी बाई से देवकी बाई गोंड़ परिवर्तित करें। यह कि मेरे द्वारा दी गई उपरोक्त जानकारी सत्य व सही है, असत्य पाये जाने पर उसकी सम्पूर्ण जवाबदारी मेरी स्वयं की होगी। यह कि संबंधित विभाग में उपरोक्त कथन के समर्थन में मेरे द्वारा यह शपथ पत्र सादर निष्पादित है।

शपथकर्ती
देवकी बाई गोंड़
निवासी ग्राम - सिलियारी
तहसील-हरदीबाजार, जिला-कोरबा (छ.ग.)

भारत-इंग्लैंड के बीच खेला गया चौथा टेस्ट हुआ ड्रॉ

गिल, सुंदर और जडेजा ने शतक जड़कर पलटी बाजी

लोकसदन, मैनचेस्टर (आरएनएस)। भारत और इंग्लैंड के बीच मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में खेला गया एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी का चौथा टेस्ट मैच ड्रॉ रहा है। इसके साथ ही सीरीज में भारत 2-1 से पीछे हैं। अब इस सीरीज का पांचवां और अंतिम मैच 31 जुलाई से खेला जाएगा, जिसको जीतकर टीम इंडिया सीरीज 2-2 से बराबर करना चाहेगी।

भारत ने पहली पारी में 358 रन बनाए। इसके बाद इंग्लैंड ने अपनी पहली पारी में 669 रन बनाए और भारत पर 311 रनों की बढ़त हासिल कर ली। टीम इंडिया ने दूसरी पारी में 4 विकेट पर 425 रन बनाए। पांचवें दिन के अंतिम सेशन में मैच का नतीजा न आते देख इंग्लैंड और इंडिया ने आपसी सहमति से हाथ मिलकर मैच को बराबरी पर समाप्त करने का फैसला किया। भारत के लिए इस मैच को ड्रॉ करने में शुभमन गिल और केएल राहुल ने अहम भूमिका निभाई। (0-2) विकेट गंवाने के बाद राहुल और गिल ने मिलकर तीसरे विकेट के लिए 166 रनों की साझेदारी की। राहुल 90 रन बनाकर स्टोक्स की बॉल पर 71वें पवेलियन लौटे तो वहीं, शुभमन गिल ने 103 रनों की शानदार शतकीय पारी खेली और वो 83वें ओवर में आर्चर ने पवेलियन भेजा।

इसके बाद भारत के लिए वाशिंगटन सुंदर और रविंद्र जडेजा ने बेहतरीन खेल का परिचय दिया और दोनों ने शतकीय पारियां खेली। सुंदर ने 206 बॉल में 9 चौके और 1 छक्के के साथ 101 रनों की शतकीय पारी खेली। ये सुंदर के करियर का पहला टेस्ट शतक है। जडेजा ने 185 बॉल में 13 चौके और 1 छक्के के साथ 107 रनों की पारी खेली ये उनके टेस्ट करियर का 5वां शतक है।

इंग्लैंड ने पहली पारी में 669 में रन बनाए। इंग्लैंड के लिए पहली पारी में बल्ले के साथ जो रूट ने 248 बॉल में 14 चौकों की मदद से 150 रनों की पारी खेली। बेन स्टोक्स ने 198 बॉल 11 चौकों और 3 छक्कों के साथ 141 रनों की पारी खेली। इन दोनों के अलावा जैक क्रॉली ने 84, बेन डकेट ने 94, ओली पोप ने 71 और ब्रायडन कार्स ने 47 रनों की पारी खेली। भारत के लिए रविंद्र जडेजा ने 4 विकेट हासिल किए।

टीम इंडिया ने पहली पारी में 358 रन बनाए। यशस्वी जायसवाल ने 58, साई सुदर्शन ने 61, ऋषभ पंत ने 54 रनों की पारी खेली। केएल राहुल ने 46 और शार्दुल ठाकुर ने 41 रनों का योगदान दिया। इंग्लैंड के लिए पहली पारी में कप्तान बेन स्टोक्स ने 5 विकेट हासिल किए।

इंग्लैंड लगातार दूसरी बार बना यूरोपियन चैंपियन

लोकसदन, नई दिल्ली (आरएनएस)। डिफेंडिंग चैंपियन इंग्लैंड ने यूरोपीय महिला फुटबॉल में अपना दबदबा कायम रखते हुए यूरो 2025 का खिताब अपने नाम कर लिया। फाइनल मुकाबले में इंग्लैंड ने मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन स्पेन को बेहद रोमांचक मुकाबले में पेनल्टी शूटआउट के जरिए 3-1 से शिकस्त दी। इस जीत के साथ इंग्लैंड ने फीफा महिला वर्ल्ड कप 2023 के फाइनल में स्पेन से मिली हार का बदला भी पूरा कर लिया और लगातार दूसरी बार यूरो चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। स्पेन की टीम इस मुकाबले को जीतकर फीफा वर्ल्ड कप 2023 और यूईएफए नेशंस लीग 2024 के बाद अपनी खिताबी हैट्रिक पूरी करने के इरादे से उतरी थी। हालांकि, इंग्लैंड की दमदार रणनीति और गोलकीपर हन्ना हैम्पटन के बेहतरीन प्रदर्शन ने उनकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया।

टेस्ट क्रिकेट

21वीं सदी में इन भारतीय खिलाड़ियों ने अपना पहला शतक इंग्लैंड में लगाया

लोकसदन, नई दिल्ली (आरएनएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर ने इंग्लैंड क्रिकेट टीम के खिलाफ मैनचेस्टर टेस्ट में अपनी दूसरी पारी में शतक लगाया। यह उनके टेस्ट करियर का पहला शतक रहा। इसके साथ ही वह उन खिलाड़ियों की सूची में शामिल हुए, जिन्होंने अपना पहला शतक विदेशों में लगाया है। इस बीच 21वीं सदी में उन चुनिंदा खिलाड़ियों के बार में जानते हैं, जिन्होंने अपना पहला शतक इंग्लैंड में खेलते हुए लगाया है।

सुंदर ने अपनी दूसरी पारी में 206 गेंदों का सामना करते हुए नाबाद 101 रन बनाए। अपनी इस पारी में उन्होंने 9 चौके और 1 छक्का लगाया। यह उनके प्रथम श्रेणी करियर का कुल तीसरा शतक रहा। उन्होंने रविंद्र जडेजा के साथ मिलकर 203 रन की अटूट साझेदारी की। इन दोनों बल्लेबाजों की पारी की मदद से भारत ने मैनचेस्टर टेस्ट को ड्रॉ कराने में सफलता हासिल की। जडेजा 107 रन बनाकर नाबाद रहे।

ऋषभ पंत ने अपने टेस्ट करियर का पहला शतक 2018 में इंग्लैंड के खिलाफ ओवल के मैदान पर लगाया था। भारतीय विकेटकीपर ने सीरीज के 5वें टेस्ट की अपनी दूसरी पारी में 146 गेंदों में 114 रन बनाए थे। अपनी शतकीय पारी में उन्होंने 15 चौके और 4 छक्के लगाए थे। अपनी पहली पारी में वह दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू सके थे। उनकी शतकीय पारी के बावजूद भारत को उस मुकाबले में हार मिली थी।

अपनी गेंदबाजी का विश्व क्रिकेट में लोहा मनवाने वाले अनिल कुंबले ने भी टेस्ट में 1 शतक लगाया था। साल 2007 में ओवल के मैदान पर हुए मुकाबले में इस पूर्व भारतीय दिग्गज ने अपनी पहली पारी में 193 गेंदों में नाबाद 110 रन बनाए थे। उनकी बदौलत भारत ने अपनी पहली पारी में 664 रन बनाए थे। अपनी दूसरी पारी में उन्होंने नाबाद 8 रन बनाए थे और मैच ड्रॉ पर समाप्त हुआ था।

पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज अजीत अगरकर ने लॉर्ड्स के मैदान पर शतक लगाया था। उन्होंने 2002 में इस ऐतिहासिक मैदान पर अपनी दूसरी पारी में नाबाद 109 रन बनाए थे। उनके शतक के बावजूद भारत को उस मुकाबले में शिकस्त का सामना करना पड़ा था। इंग्लैंड ने वो मैच 170 रन से जीता था। दिलचस्प रूप से अगरकर ने अपने टेस्ट करियर में सिर्फ 1 बार 50+ रन बनाया और उसे शतक में तब्दील किया।

भारत को लगा बड़ा झटका, ऋषभ पंत सीरीज से बाहर

तमिलनाडु के खिलाड़ी नारायण जगदीशन की खुली किस्मत

लोकसदन, मैनचेस्टर (आरएनएस)। मैनचेस्टर टेस्ट ड्रॉ होने के बाद भारतीय टीम को बड़ा झटका लगा है, क्योंकि इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें और अंतिम टेस्ट से विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत बाहर हो गए हैं। उनको मैनचेस्टर में खेले गए चौथे टेस्ट के दौरान दाहिने पैर में चोट लग गई थी। बीसीसीआई ने रविवार देर रात इसकी पुष्टि की और उनकी जगह तमिलनाडु के विकेटकीपर-बल्लेबाज नारायण जगदीशन को उनकी जगह टीम में शामिल किया गया है।

घरेलू क्रिकेट में प्रभावशाली प्रदर्शन करने वाले जगदीशन, ध्रुव जुरेल के बैकअप के रूप में काम कर सकते हैं, जिनके निर्णायक टेस्ट में मुख्य विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संभालने की उम्मीद है। 29 वर्षीय जगदीशन को रविवार सुबह वीजा मिल गया है और वह मंगलवार तक लंदन में टीम से जुड़ जाएंगे। इसके बाद क्रिकेट फैंस के मन में सवाल पैदा हो रहा है कि ये जगदीशन कौन है एन जगदीसन तमिलनाडु के ऐसे विकेटकीपर बल्लेबाज हैं जो लगातार दो घरेलू सीजन में रन बनाने की सूची में शीर्ष पर रहे हैं। 2023-24 की रणजी ट्रॉफी में, उन्होंने 13 पारियों में

74.18 की औसत से 816 रन बनाए। इसके बाद उन्होंने 2024-25 में 13 पारियों में 56.16 की औसत से 674 रन बनाए। इसमें दो शतक और पांच अर्धशतक शामिल हैं। जगदीशन ने 2016 में प्रथम श्रेणी क्रिकेट में पदार्पण किया। उनका औसत 47.50 है और उन्होंने 79 पारियों में 10 शतकों और 14 अर्धशतकों की मदद से 3373 प्रथम श्रेणी रन बनाए हैं, और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 321 रन है।

हेड कोच गौतम गंभीर ने पंत के समर्पण की प्रशंसा की जब वह पैर की अंगुली में फ्रैक्चर के बावजूद बल्लेबाजी के लिए उतरे। गंभीर ने मैच के बाद की कॉन्फ्रेंस में कहा, ऋषभ पंत सीरीज से बाहर हो गए हैं। टूटे पैर के साथ बल्लेबाजी करने के लिए उनकी जितनी भी प्रशंसा की जाए कम है। अतीत में बहुत कम लोगों ने ऐसा किया है। इसलिए पीढ़ियों को इसके बारे में बात करनी चाहिए, और आने वाली पीढ़ियों को भी इसके बारे में बात करनी चाहिए। जिस तरह की फॉर्म में वह थे, उसे देखते हुए यह दुर्भाग्यपूर्ण है।

मुझे उम्मीद है कि वह जल्दी ठीक होकर वापसी करेंगे। वह टेस्ट टीम के एक बहुत ही महत्वपूर्ण सदस्य हैं।

दिव्या देशमुख ने जीता खिताब, कोनेरू हम्पी को दी शिकस्त

लोकसदन, नई दिल्ली (एजेंसी। फिडे शतरंज महिला वर्ल्ड कप 2025 में भारत की दिव्या देशमुख ने हमवतन कोनेरू हम्पी को टाईब्रेकर में शिकस्त दी है। दिव्या इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट को जीतने के साथ ही ग्रैंडमास्टर बन गईं, जो टूर्नामेंट की शुरुआत में ही असंभव लग रहा था। वह ग्रैंडमास्टर बनने वाली सिर्फ चौथी भारतीय महिला और कुल 88वीं खिलाड़ी हैं। कम उम्र में ही उन्होंने बड़ी सफलता हासिल की है। दो क्लासिकल मुकाबलों के ड्रॉ होने के बाद टाईब्रेकर में जीत दर्ज की।

दिव्या देशमुख ने समय नियंत्रित टाईब्रेकर की पहली बाजी में सफेद मोहरों से खेलते हुए कोनेरू हम्पी को ड्रॉ पर रोका। दूसरी बाजी में काले मोहरों से खेलते हुए उन्होंने दो बार की विश्व रैपिड चैंपियन को हराकर 2.5-1.5 से जीत दर्ज की और खिताब जीत लिया। वह फिडे शतरंज महिला वर्ल्ड कप का खिताब जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बनी हैं। दिव्या देशमुख ने कहा कि मुझे जीत को समझने के लिए समय चाहिए। मुझे लगता है कि यह किस्मत की बात थी कि मुझे इस तरह से ग्रैंडमास्टर का खिताब मिला, क्योंकि टूर्नामेंट शुरू होने से पहले मेरे पास एक भी (ग्रैंडमास्टर) नॉर्म नहीं था और अब मैं ग्रैंडमास्टर हूं।

एलआईसी की गजब की स्कीम

सिर्फ थोड़े से रुपये बचाकर जुटा लेंगे 25 लाख

लोकसदन, नई दिल्ली (आरएनएस)। एलआईसी की नई जीवन आनंद योजना एक गैर-लिंक्ड जीवन बंदोबस्ती योजना है जो सुरक्षा और बचत का एक आकर्षक देती है। एलआईसी की नई जीवन आनंद योजना ने लोकप्रियता हासिल की क्योंकि यह प्रीमियम पेमेंट अवधि समाप्त होने के बाद भी पॉलिसीधारक के जीवनकाल में मृत्यु के खिलाफ वित्तीय सुरक्षा का लाभ देती है। साथ ही पॉलिसी में लचीले प्रीमियम भुगतान विकल्पों का विकल्प भी दिया गया है। पॉलिसीधारक दो साल तक प्रीमियम का भुगतान करने के बाद पॉलिसी को सरेंडर कर सकता है।

एलआईसी न्यू जीवन आनंद पॉलिसी

- यह एक एंडोमेंट पॉलिसी है जो अतिरिक्त बोनस के साथ बीमा राशि देती है।
- पॉलिसी जीवित रहने पर परिपक्वता लाभ का भुगतान किए जाने के बाद भी सक्रिय रहती है।
- पॉलिसीधारक की मृत्यु के मामले में, बीमा राशि नामांकित व्यक्ति को दी जाएगी।

एलआईसी न्यू जीवन आनंद पॉलिसी के लिए न्यूनतम प्रवेश आयु 18 वर्ष और अधिकतम प्रवेश आयु 50 वर्ष है। इसका मतलब है कि 18 वर्ष से कम और 50 वर्ष से अधिक आयु के लोग इस पॉलिसी को नहीं खरीद सकते हैं। साथ ही पॉलिसीधारक की अधिकतम मैच्योरिटी आयु 75 वर्ष निर्धारित की गई है।

- न्यूनतम पॉलिसी अवधि 15 वर्ष और अधिकतम पॉलिसी अवधि 35 वर्ष है। इस पॉलिसी के अंतर्गत न्यूनतम मूल बीमा राशि 1,00,000 रुपये है और अधिकतम मूल बीमा राशि की कोई सीमा नहीं है।

25 लाख रुपये कैसे जमा करें?

मान लीजिए कि 18 वर्ष की आयु का कोई व्यक्ति 35 साल की अवधि के लिए 5 लाख रुपये की बीमा राशि के साथ यह पॉलिसी लेता है।

- मासिक निवेश- लगभग 1,120 रुपये
- वार्षिक निवेश- लगभग 14,399 रुपये
- कुल प्रीमियम का भुगतान- 4,93,426 रुपये

मैच्योरिटी लाभ

- बीमित राशि- 5 लाख रुपये
- बोनस- 8.575 लाख रुपये
- अतिरिक्त बोनस- 11.50 लाख रुपये
- कुल मैच्योरिटी राशि- 25 लाख रुपये

इसके अलावा पॉलिसी धारक की मृत्यु की दुर्भाग्यपूर्ण घटना में एलआईसी मृत्यु लाभ का 125 फीसदी देता है।

कपड़ा उद्योग में एक समान 12 प्रतिशत जीएसटी पर विचार कर रही सरकार

लोकसदन, नई दिल्ली (आरएनएस)। केंद्र सरकार कपड़ा उद्योग के लिए एक समान 12 प्रतिशत वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) लागू करने पर विचार कर रही है।

रिपोर्ट के अनुसार, जीएसटी परिषद सितंबर से पहले इस प्रस्ताव पर चर्चा कर सकती है। केंद्र सरकार इस योजना का समर्थन कर रही है, जो जीओएम की कर-युक्तिकरण रिपोर्ट का हिस्सा हो सकती है। इसका उद्देश्य उलटे शुल्क ढांचे को सुधारना है, जो लंबे समय से कपड़ा उद्योग की रफ्तार में रुकावट बना हुआ है।

वर्तमान में कपास पर 5 प्रतिशत, सूत पर 12 प्रतिशत और सिंथेटिक रेशों व रसायनों पर 18 प्रतिशत जीएसटी लगता है। इसके अलावा, 2,000 रुपये तक के कपड़ों पर 5 प्रतिशत और उससे महंगे कपड़ों पर 12 प्रतिशत कर लगाया जाता है। अब प्रस्ताव है कि कपास से लेकर अंतिम परिधान तक, पूरी मूल्य श्रृंखला पर 12 प्रतिशत जीएसटी लागू किया जाए। यह खरीदारों पर कर होगा, जिससे कर ढांचे में समानता आ सकेगी।

कपास पर कम जीएसटी और अन्य स्तरों पर ऊंचे कर ने उलटा शुल्क ढांचा खड़ा कर दिया है, जिससे पूंजी अटक जाती है और रिफंड की जरूरत बार-बार पड़ती है। इससे निवेश में रुकावट आती है और कीमतें भी लगातार बढ़ती हैं। प्रस्तावित बदलाव से कार्यशील पूंजी का बहाव सुधरेगा, रिफंड की आवश्यकता घटेगी और उद्योग को कर ढांचे में अधिक स्पष्टता मिलेगी। इससे दर विकृति दूर हो सकती है और प्रतिस्पर्धा में सुधार आ सकता है।

सिंथेटिक कपड़े, जो आम उपभोक्ताओं के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं, उन पर फिलहाल 18 प्रतिशत तक का भारी टैक्स है। सरकार मानती है कि कर ढांचे में बदलाव से इन उत्पादों की लागत घटेगी और उद्योग को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में मदद मिलेगी। अगर पूरी श्रृंखला को 12 प्रतिशत स्लैब में लाया गया, तो छिपी लागतें खत्म होंगी, पूंजी नहीं फंसेगी और कपड़ा क्षेत्र में नए निवेश आकर्षित हो सकेंगे।

जीएमआर एयरपोर्ट्स ने दिल्ली एयरपोर्ट पर शुरू की ड्यूटी-फ्री दुकानें

लोकसदन, नई दिल्ली (आरएनएस)। जीएमआर एयरपोर्ट ने दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर ड्यूटी-फ्री शॉप (कस्टम शॉप) का परिचालन शुरू कर दिया है। राष्ट्रीय राजधानी का इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट (आईजीआई) देश का सबसे बड़ा एयरपोर्ट है। जीएमआर ग्रुप के नेतृत्व वाले गठजोड़ दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड द्वारा इसका संचालन किया जाता है। जीएमआर एयरपोर्ट्स ने सोमवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा, 'कंपनी ने 28 जुलाई, 2025 को देर रात 12 बजे से इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट (नई दिल्ली) पर ड्यूटी-फ्री दुकानों का परिचालन शुरू कर दिया है।' ड्यूटी-फ्री दुकानों से कंपनी को खासकर उच्च मुनाफे वाले गैर-वैमानिकी कारोबार में ज्यादा प्रॉफिट मिलने की उम्मीद है। इससे पहले एक अन्य यूनिट इन दुकानों का संचालन कर रही थी। जीएमआर एयरपोर्ट्स पिछले साल अगस्त में ड्यूटी-फ्री संचालन के विकास, संचालन, प्रबंधन और रखरखाव के लिए चयनित बोलीदाता के रूप में उभरी थी।

आज भी शेयर बाजार की निगेटिव ओपनिंग, सेंसेक्स 163 अंक लुढ़का, निफ्टी 24,782 पर

लोकसदन, मुंबई (आरएनएस)। कारोबारी सप्ताह के पहले दिन शेयर बाजार रेड जोन में खुला। बीएसई पर सेंसेक्स 163 अंकों की गिरावट के साथ 81,299.97 पर ओपन हुआ। वहीं, एनएसई पर निफ्टी 0.22 फीसदी की गिरावट के साथ 24,782.45 पर खुला।

कारोबरी सप्ताह के आखिरी दिन शेयर बाजार लाल निशान पर बंद हुआ। बीएसई पर सेंसेक्स 721 अंकों की गिरावट के साथ 81,463.09 पर क्लोज हुआ। वहीं, एनएसई पर निफ्टी 0.90 फीसदी की गिरावट के साथ 24,837.00 पर बंद हुआ।

कारोबार के दौरान निफ्टी पर सिप्ला, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस, अपोलो हॉस्पिटल्स, डॉ रेड्डीज लैब्स और एचडीएफसी लाइफ के शेयर टॉप गेनर के लिस्ट में शामिल रहे। जबकि बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, श्रीराम फाइनेंस, इंडसइंड बैंक, बजाज ऑटो के शेयर टॉप लूजर की लिस्ट में शामिल रहे।

बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांकों में 1-1 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। फार्मा को छोड़कर, अन्य सभी क्षेत्रीय सूचकांक लाल

निशान में बंद हुए। एपीएल अपोलो ट्यूब्स मिडकैप सूचकांक में सबसे अधिक नुकसान में रहा, जिसमें 7 फीसदी से अधिक की गिरावट आई। निफ्टी मिडकैप सूचकांक में 1.61 फीसदी की गिरावट आई, और निफ्टी स्मॉलकैप सूचकांक में 2.1 फीसदी की गिरावट आई।

बजाज फाइनेंस और बजाज फिनसर्व जैसी दिग्गज कंपनियों और अन्य दिग्गज शेयरों में कमजोरी के बीच शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजार काफी गिरावट के साथ बंद हुए थे।

6 साल में 200% उछला सोना, अगले 5 साल में कहां पहुंच सकती है कीमत

लोकसदन, नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल ही में सामने आया कि देश में सोने की कीमत पिछले 6 साल में 200 प्रतिशत बढ़ी है। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड की गोल्ड पर रिपोर्ट में कहा गया कि मई 2019 में सोना 30,000 रुपये प्रति 10 ग्राम पर था। लेकिन जून 2025 तक कीमत बढ़कर करीब 1,00,000 रुपये प्रति 10 ग्राम से अधिक हो गई। इस साल की बात करें तो सोने की कीमतों ने 2025 में निवेशकों को शानदार रिटर्न दिया है।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोने का भाव 30 प्रतिशत से ज्यादा चढ़ा है। पिछले 6 साल पर नजर डालें तो स्ष्टङ्ग पर सोने का भाव मई 2019 में लगभग रु. 32,000 प्रति 10 ग्राम था। यह अब बढ़कर लगभग रु. 97,800 प्रति 10 ग्राम हो गया है, यानि कि 200 प्रतिशत से ज्यादा की वृद्धि।

इस तेजी में मुख्य रूप से कोविड-19 महामारी, बेहद ज्यादा ढीली मौद्रिक नीतियों, भू-राजनीतिक तनाव और वित्तीय बाजार में अनिश्चितता का हाथ रहा। 2025 में सोने ने एमसीएक्स पर अपना रिकॉर्ड हाई 1,01,078 रुपये प्रति 10 ग्राम देखा। लॉन्ग टर्म में संरचनात्मक रूप से ऊंची कीमतों के लिए माहौल अभी भी सपोर्टिव बना हुआ है।

पोर्टफोलियो डायवर्सिफिकेशन में सोने का अहम रोल बरकरार है और आगे भी रहेगा। सोने के भविष्य की बात करें तो किसी भी तरह के भूराजनीतिक तनाव के बीच सेफ एसेट के तौर पर सोना डिमांड में रहेगा। साथ ही इसकी मांग के नए रास्ते भी खुल रहे हैं। जैसे कि कहा जा रहा है कि चीन बीमा क्षेत्र में कथित तौर पर अपने एसेट्स अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) का 1 प्रतिशत सोने में लगा रहा है।

5 साल में कहां होगी कीमत

लाइव मिंट की एक रिपोर्ट के मुताबिक, एक एक्सपर्ट का कहना है कि अगले 5 साल के दौरान सोने की कीमतों में शानदार तेजी जारी रह सकती है। स्ष्ह्नस्रुके प्रीशियस मेटल रिसर्च एनालिस्ट मानव मोदी ने कहा, हमें अब ज्यादा स्पष्टता का इंतजार करना चाहिए या किसी निर्णायक ट्रिगर का, जो गोल्ड की कीमतों को फिर से पुश करे। इस बीच गोल्ड में कंसोलिडेशन यानी ठहराव का दौर रहेगा।

भू-राजनीतिक तनाव और ट्रेड वॉर के चलते सुरक्षित निवेश के रूप में सोने की मांग बनी रहने की उम्मीद है। पिछले 5 वर्षों में भारतीय बाजार में सोने का भाव 18त्न की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) से बढ़ा। अगर यही रफ्तार जारी रही तो आगे के 5 सालों के दौरान सोने की कीमतें रु. 2,25,000 प्रति 10 ग्राम तक पहुंच सकती हैं। वहीं दूसरी ओर एमओएफएसएल ने अपनी लेटेस्ट गोल्ड स्ट्रैटेजी रिपोर्ट में कहा है कि सोने की कीमतें अब कंसोलिडेशन फेज यानि ठहराव के दौर में जा सकती हैं। आगे तेजी के लिए किसी बड़े और नए ट्रिगर की जरूरत होगी।

एमओएफएसएल की रिपोर्ट में तेजी थमने के पीछे कई अहम कारण बताए गए हैं। जैसे कि इजरायल-ईरान और रूस-यूक्रेन के बीच भूराजनीतिक संघर्ष का असर हल्का पड़ना, टैरिफ वॉर में कमी, ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदें टलना, केंद्रीय बैंकों की ओर से धीमी खरीदारी और गोल्ड की कीमतें काफी समय से ऊंचे स्तर पर होना।

चीनी ही नहीं नमक भी बढ़ा सकता है डायबिटीज

डायबिटीज सबसे तेजी से बढ़ती क्रोनिक बीमारियों में से एक है. इसके मरीजों को खानपान का विशेष ख्याल रखना पड़ता है. डायबिटीज के मरीजों को शक्कर से बचने की सलाह दी जाती है. क्योंकि यह उनके ब्लड शुगर लेवल को काफी ज्यादा बढ़ा सकती है और उनकी समस्या गंभीर कर सकती है. एक नई स्टडी में खुलासा हुआ है कि चीनी ही नहीं नमक खाने से भी टाइप 2 डायबिटीज का खतरा बढ़ सकता है. अमेरिका की तुलाने यूनिवर्सिटी में हुई इस स्टडी में पाया गया कि खाना खाते समय ऊपर से नमक लेने से डायबिटीज का रिस्क बढ़ जाता है. जर्नल मेयो क्लिनिक प्रोसीडिंग्स में पब्लिश स्टडी में 400,000 से ज्यादा वयस्कों के रोजाना की खाने की आदतें का अध्ययन किया गया. उन सभी के नमक खाने के तरीकों पर भी अध्ययन किया गया. औसतन 11.8 सालों के फॉलोअप में करीब 13 हजार लोगों में टाइप 2 डायबिटीज के मामले देखने को मिला है. कम नमक खाने वालों की तुलना में हमेशा नमक खाने वालों में टाइप 2 डायबिटीज होने का रिस्क 39 प्रतिशत तक पाया गया.

तुलाने यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ एंड ट्रॉपिकल मेडिसिन में प्रोफेसर और प्रमुख लेखक डॉ. लू क्यूई ने बताया, हम सभी जानते हैं कि नमक का ज्यादा सेवन हानिकारक होता है. इससे हार्ट से जुड़ी बीमारियां और हाइपरटेंशन की समस्या बढ़ सकती है. इस नई स्टडी के मुताबिक, ज्यादा नमक खाने से सिर्फ डायबिटीज ही नहीं सेहत से जुड़ी कई और बीमारियों का रिस्क बढ़ सकता है.

बच्चों को नमक या चीनी क्यों ना दें

अगर आपको लगता है नमक या चीनी का सेवन अधिक मात्रा में करने से सिर्फ बड़ों को ही नुकसान होता है तो ऐसा नहीं है। इन दोनों का सेवन बच्चों के लिए भी नुकसानदायक है। इसका सेवन करने से उनकी किडनी, दांतों और इम्यूनिटी कम होने जैसी दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। मदरहुड हॉस्पिटल में सीनियर आब्सट्रिशियन एंड गायनोकोलॉजिस्ट डॉ मनीषा रंजन बताती हैं कि जब तक बच्चा 6 महीने का नहीं हो जाता तब तक उसे चीनी और नमक देना ही नहीं चाहिए। अक्सर माता-पिता परेशान होते हैं कि यदि बच्चे को नमक नहीं दिया जाएगा तो उन्हें सोडियम कैसे मिलेगा? जबकि उनकी यह जरूरतें मां के दूध से ही पूरी हो जाती हैं। 6 महीने से एक साल की उम्र के बच्चों को दिन में एक ग्राम से अधिक नमक नहीं देना चाहिए। एक से तीन साल की उम्र के बच्चों को दिन में दो ग्राम नमक देना चाहिए। 4 से 6 साल की उम्र के बीच के बच्चों को दिन में 3 ग्राम नमक देना चाहिए। जिसमें 0.4 ग्राम सोडियम हो। छोटे बच्चों को एडेड शुगर डाइट भी नहीं देनी चाहिए। बच्चों के लिए प्राकृतिक चीजों से प्राप्त होने वाली शुगर ही काफी होती है। वैसे भी उन्हें फल व अन्य खाद्यों आदि से प्राकृतिक शुगर मिल जाती है केवल वही उनके लिए पर्याप्त होती है। यहां तक कि उनको शहद या खजूर का सिरप भी 8 महीने तक नहीं देना चाहिए।

नमक का अधिक सेवन करना बच्चों की हड्डियों के लिए भी हानिकारक होता है। इससे शरीर में कैल्शियम की कमी देखने को मिल सकती है। अगर शरीर में पर्याप्त मात्रा में कैल्शियम नहीं होगा तो हड्डियां कमजोर होनी शुरू हो सकती हैं। इससे हड्डियों में फ्रेक्चर भी हो सकता है जो बढ़ती उम्र के बच्चों के लिए ठीक नहीं होता ।जिन बच्चों की डाइट में अधिक सोडियम होता है वह डिहाइड्रेशन के शिकार हो सकते हैं। इससे शरीर का पानी पसीने या पेशाब के रूप में बाहर निकलता रहता है। छोटे बच्चे खुद से बोल कर नहीं बता सकते हैं कि उन्हें प्यास लगी है इसलिए उनके शरीर में पानी की कमी हो सकती है। इसके लक्षणों में किडनी स्टोन, बॉडी पेन, कब्ज और लीवर डैमेज शामिल होता है। डाइट में अधिक नमक होने के कारण ब्लड में बीपी लेवल बढ़ जाता है और इससे हाइपर टेंशन की समस्या हो सकती है वह भी काफी छोटी उम्र में। यह समस्या दिल के लिए काफी हानिकारक होती है और बच्चे में हृदय रोगों का रिस्क बढ़ा सकती है।

"वास्तु के अनुसार ऐसा माना जाता है कि लौंग समृद्धि और वित्तीय कल्याण के लिए चुंबक की तरह कार्य करती है। अगर आप अपनी पर्स में एक लौंग का टुकड़ा रखती हैं तो पर्स हमेशा पैसों से भरी रहती है और धन हानि के योग नहीं होते हैं।पर्स में लौंग रखने से आपके जीवन को धन और प्रचुरता का आशीर्वाद मिलता है।"

पर्स में रखें लौंग, कभी नहीं होगी धन की कमी

वास्तु शास्त्र वह विज्ञान है जो आपके आस-पास की चीजों को नियंत्रित करने के साथ आपके जीवन में समृद्धि लाने में भी मदद करते हैं। ऐसे ही वास्तु उपायों में से कुछ ऐसे भी हैं जो आपको धनवान बनाने में मदद करते हैं। वास्तु की मानें तो आपके पर्स में यदि कुछ चीजें वास्तु के अनुसार रखी जाती हैं तो वो आपके लिए धन के योग बनाने में मदद करते हैं। इन्हीं सामग्रियों में से एक है लौंग। लौंग आपके किचन में इस्तेमाल होने वाला ऐसा मसाला है जिसका इस्तेमाल पूजा-पाठ से लेकर कई स्थानों में किया जाता है। लौंग को पर्स में रखने से आप व्यर्थ के खर्चों से बचते हैं और धन संग्रह में भी आसानी होती है। वास्तु में ऐसा माना जाता है कि यह सकारात्मक ऊर्जा और समृद्धि को आकर्षित करती है।

वास्तु के अनुसार लौंग का महत्व

वास्तु सिद्धांतों के अनुसार लौंग को सकारात्मक ऊर्जा और वित्तीय समृद्धि को आकर्षित करने के लिए शक्तिशाली सामग्री माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि इसकी सुगंध पवित्रता और प्रचुरता का वातावरण बनाने में मदद करती है ।यदि आप नियमित रूप से पूजन में लौंग का इस्तेमाल करती हैं तो आपको कई समस्याओं का समाधान मिलता है और घर में सदैव सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है। ऐसे ही वास्तु में लौंग को कपूर के साथ जलाने से घर का वातावरण पवित्र होता है और सभी नकारात्मक ऊर्जाओं से मुक्ति मिलती है।

पर्स में लौंग रखने के फायदे

वास्तु के अनुसार ऐसा माना जाता है कि लौंग समृद्धि और वित्तीय कल्याण के लिए चुंबक की तरह कार्य करती है। अगर आप अपनी पर्स में एक लौंग का टुकड़ा रखती हैं तो पर्स हमेशा पैसों से भरी रहती है और धन हानि के योग नहीं होते हैं।

पर्स में लौंग रखने से आपके जीवन को धन और प्रचुरता का आशीर्वाद मिलता है। लौंग की खुशबू सकारात्मक ऊर्जा क ा वाहक मानी जाती है, जो आपके आस-पास के वातावरण को भी अनुकूल बनाती है।

लौंग में शुद्धिकरण के गुण होते हैं

वास्तु शास्त्र के अनुसार लौंग में शुद्धिकरण के गुण मौजूद होते हैं। वास्तु में ऐसा माना जाता है कि लौंग अपने पर्स में रखने से पैसे से जुड़ी ऊर्जा शुद्ध हो जाती है, जिससे आपका पर्स समृद्धि के लिए अनुकूल हो जाता है और धन को आकर्षित करता है।

इस प्रक्रिया से आप फिजूलखर्ची से भी बचे रहते हैं। यदि आप शुक्रवार के दिन तीन साबुत लौंग माता दुर्गा को अर्पित करके इसे अपने पर्स में रखती हैं तो आपको इसके कई गुना फायदे होते हैं।

लौंग सकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित करती है

यदि आप अपने पर्स में लौंग रखती हैं तो ये किसी भी तरह की सकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित करती है और इसके प्रभाव से आपके मन मस्तिष्क में भी सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है और आपके मन में हमेशा धन की बढ़ोत्तरी जैसे विचार आते हैं और धन हानि के योग काफी हद तक कम हो जाते हैं।

अपार धन लाभ के लिए लौंग के साथ रखें दालचीनी

अपार धन लाभ के लिए आप अपने पर्स में लौंग के साथ दालचीनी की एक स्टिक भी रखें। इन दोनों ही सामग्रियों की खुशबू धन को आकर्षित करने में मदद करती है और आपको इससे धन लाभ होता है।

बुरी नजर से बचाती है लौंग

यदि आप पर्स में लौंग रखती हैं तो आपको किसी भी तरह की बुरी नजर से बचने में मदद मिलती है। इसके लिए आप पर्स में साबुत 5 लौंग रखें और इसे यदि लाल रंग के कागज़ में बांधकर रखेंगी तो इसके कई गुना ज्यादा लाभ हो सकते हैं। इससे आपके पैसों पर किसी की भी बुरी नजर नहीं लगती है।

धन लाभ के लिए पर्स में लौंग रखते समय ध्यान रखें ये बातें

यदि आप धन को आकर्षित करने के लिए अपने पर्स में लौंग रखती हैं तो आपको ध्यान में रखना चाहिए कि आप हमेशा साबुत और फूल वाली लौंग का ही प्रयोग करें।

जिस तरह आपके निवास स्थान पर ऊर्जा को नवीनीकरण की आवश्यकता होती है, उसी प्रकार यह सिद्धांत आपके पर्स के लिए भी लागू होता है। इसके लिए आपको लौंग समय-समय पर बदलते रहना चाहिए। कोशिश करें कि हर शुक्रवार इसे बदलकर इसके स्थान पर दूसरी लौंग रखें, इससे आपको बहुत अधिक लाभ मिलते हैं।

अपने पर्स में लौंग रखते समय, सुनिश्चित करें कि आप इसे साफ-सुथरे ढंग से रखें और आपके पर्स में कोई ऐसी चीजें नहीं होनी चाहिए जिनका आप इस्तेमाल न करते हों।

घर में पड़े फटे पुराने मोजों का इस्तेमाल कर बनाएं ये शानदार चीज

अक्सर फटे या पुराने मोजों को हम फेंक देते हैं, लेकिन इस तरह को मोजों को फेंकने के बजाय आप इससे कई तरह की चीजों को तैयार कर सकते हैं, जिससे आपका घर भी काफी खूबसूरत नजर आएगा। जी हां, फटे-पुराने मोजों का कई तरह से उपयोग करके इसे फिर से नए ढंग से इस्तेमाल किया जा सकता है। ये तरीके न सिर्फ आपकी रचनात्मकता को बढ़ावा देते हैं, बल्कि पर्यावरण को भी बचाने में मदद करेंगे। आइए जानते हैं फटे-पुराने मोजों को फिर से कैसे करें इस्तेमाल?

डस्टिंग या सफाई के लिए इस्तेमाल करें

पुराने मोजों को सफाई के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। इन्हें हाथ में पहनकर आप फर्नीचर, टीवी स्क्रीन, शीशे या किचन काउंटर साफ कर सकते हैं। दरअसल, मोजे की मुलायम बनावट धूल हटाने में सहायक होती है और सतहों को खरोंच से बचाती है।

घर के पौधों के लिए कवर

फटे मोजों को छोटे गमलों के ऊपर कवर के रूप में इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे पौधों को ठंड से बचाया जा सकता है और गमले भी स्टाइलिश दिखते हैं।

ड्राफ्ट स्टॉपर

मोजों को दरवाजे या खिड़कियों के नीचे रखकर ड्राफ्ट स्टॉपर की तरह इस्तेमाल किया जा सकता है। मोजों को चावल, कपास या पुराने कपड़े से भरकर सिल दें और यह हवा को अंदर आने से रोकने के लिए एक अच्छा विकल्प बन जाएगा।

बालों के बैंड या स्क्रंची

पुराने मोजों को काटकर आप उन्हें बालों के बैंड या स्क्रंची के रूप में इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके अलावा मोजों की कुछ चीजों को बांधने के लिए भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

फुट पैड या कुशनिंग

पुराने मोजों को जूते के अंदर फुट पैड की तरह इस्तेमाल किया जा सकता है। इसे पैरों के लिए आरामदायक कुशनिंग के रूप में भी उपयोग किया जा सकता है, खासकर यदि आप लंबे समय तक खड़े रहते हैं या चलते हैं तो इस तरह के पुराने मोजों का प्रयोग जरूर करें।

जूते या बैग की पैकिंग के लिए

यात्रा करते समय जूते या बैग में जगह बचाने के लिए मोजों का इस्तेमाल किया जा सकता है। उन्हें कपड़े में डालकर कुशनिंग के लिए या सामान को व्यवस्थित रखने के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं।

कुर्सियों के पैरों पर कवर

मोजों को कुर्सियों या टेबल के पैरों पर कवर की तरह इस्तेमाल किया जा सकता है ताकि फर्श पर खरोंच न आए। यह तरीका लकड़ी के फर्श के लिए विशेष रूप से उपयोगी है।

छोटे खिलौने बनाएं

बच्चों के लिए आप पुराने मोजों से सॉफ्ट खिलौने बना सकते हैं। मोजे को रुई या कपड़े के टुकड़ों से भरकर आप उसे सिलाई कर सकते हैं। इसमें आंखें, नाक और मुंह बनाकर आप इसे एक प्यारा खिलौना बना सकते हैं।

घर में रखे पुराने कपड़ों का करें रीयूज और बनाए डिजाइनर टॉप

देखा जाए तो फैशन हर रोज बदलता हुआ नजर आता है। ऐसे में हमें रोज कुछ ना कुछ नया लुक देखने को जरूर मिलता है लेकिन सभी लोग फैशन को फॉलो करना भूल जाते हैं। ऐसे में पर्यावरण को बचाना भी हमारा अहम कर्तव्य होता है क्योंकि पर्यावरण सुरक्षित रहेगा तभी हम खुद को सुरक्षित रख पाएंगे। इसके लिए हमें यही कोशिश करनी चाहिए कि हमारे घर में जो कपड़े बेकार पड़े हैं उन्हें हम भी यूज करके कुछ अलग-अलग चीजें बनाएं और अपने पर्यावरण को सुरक्षित रखें, इसे हम सस्टेनेबल फैशन कहते हैं ।

इन्हें आप पार्टी फंक्शन या फिर ऑफिस में भी कैरी कर सकते हैं, तो आइए आपको बताते हैं कि कपड़ों को रीयूज करने के लिए आप क्या कर सकते हैं और किस तरह से अपने डिजाइनर टॉप बना सकते हैं ।सबसे पहले आप अपने घर में रखे हुए पुराने कपड़ों को निकाल ले और जो सही कपड़े हैं उनको अलग अलग कर ले। इसके बाद उन्हें अच्छी तरह से धोकर साफ कर लें। जब वह सूख जाए तो उसको फैब्रिक के हिसाब से अलग-अलग कर लें, परंतु इस बात का जरूर ध्यान रखें कि अगर दाग लगे हुए कपड़े हैं तो उन्हें अलग ही रखें वरना और भी कपड़े खराब हो सकते हैं, जो कपड़े कलर छोड़ते हैं उन्हें अलग वाश करें नहीं तो दूसरे कपड़े भी खराब हो सकते हैं।

अगर जब आप अपने टॉप के लिए कपड़ा सेलेक्ट कर रहे हैं तो उस पर जिस डिजाइन का आपको टॉप बनाना है। उसी डिजाइन को उसके ऊपर बनाएं। इस बात का भी ध्यान रखें कि नाप के हिसाब से ही आपको अपना डिजाइन क्रिएट करना है। इसके बाद कैंची की मदद से सबसे पहले स्लीव्स को काटे। इसके बाद गला और फिर उसके बाकी हिस्सों को काटे ।इसके बाद जिस कपड़े पर मार्किंग की हुई है उसे अच्छी तरह से डार्क कर ले और इसके बाद सिलाई करना शुरू करें। इसके लिए सबसे पहले आप तो आपके आगे और पीछे वाले हिस्से को जोड़ लें। इसके बाद स्लीव्स पर जो डिजाइन किया है उसे रीक्रिएट करें और डिजाइन को स्टिच करना शुरू कर दें। इसके बाद गले और प्लीज के ऊपर पाइपिंग भी लगा ले।

तनाव के कारण प्रभावित हो सकती है आपकी याददाश्त

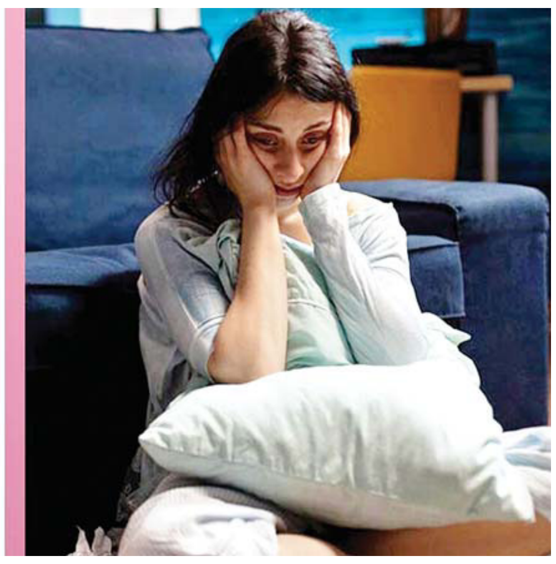

लगातार तनाव का सामना करने से दीर्घकालिक स्मृति यानी याददाश्त प्रभावित हो सकती है। व्यक्ति पुरानी घटनाओं को याद करने में परेशानी महसूस करने लगता है। यह स्थिति तब और भी गंभीर हो जाती है जब व्यक्ति अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ में समस्याओं का सामना करने लगता है।

आज के समय में हर व्यक्ति दूसरे से आगे निकलना चाहता है, ऐसे में लोगों दिनरात काम करना पड़ता है। इसकी वजह से उनको स्ट्रेस और लंबे समय तक तनाव का सामना भी करना पड़ता है। लंबे समय तक तनाव में रहने से व्यक्ति की ब्रेन फंक्शन पर बुरा असर पड़ता है। इसकी वजह से कुछ लोगों को चीजों को याद रखने में परेशानी होने लगती है और व्यक्ति को महसूस होता है कि उनकी याददाश्त करने की पावर कम होने लगती है। एक्सपर्ट्स बताते हैं कि स्ट्रेस में व्यक्ति के शरीर में कोर्टिसोल हार्मोन की स्तर बढ़ जाता है, जिससे शरीर के अन्य हार्मोन भी प्रभावित होते हैं। इस स्थिति का सीधा असर व्यक्ति के मानसिर और शारीरिक स्वास्थ्य पर पड़ता है। लगातार काम या अन्य स्ट्रेस में रहने से व्यक्ति जल्द ही चीजों को भूलने लगता है, जो आगे चलकर बड़ी समस्या का कारण बन सकता है। इस लेख में नारायणा अस्पताल के इंटरनल मेडिसिन सीनियर कंसल्टेंट डॉ. गौरव जैन से जानते हैं कि स्ट्रेस से व्यक्ति की याददाश्त पर क्या असर पड़ता है और इससे कैसे बचा सकता है?

एकाग्रता में कमी आना - क्रॉनिक स्ट्रेस के कारण व्यक्ति का ब्रेन लगातार दबाव में रहता है, जो ध्यान और एकाग्रता को कमजोर कर देता है। जब ब्रेन पूरी तरह से तनाव से निपटने में लगा रहता है, तो उसे नई जानकारी ग्रहण करने और उसे याद रखने में कठिनाई होती है।

दीर्घकालिक स्मृति पर असर - लगातार तनाव का सामना करने से दीर्घकालिक स्मृति यानी याददाश्त प्रभावित हो सकती है। व्यक्ति पुरानी घटनाओं को याद करने में परेशानी महसूस करने लगता है। यह स्थिति तब और भी गंभीर हो जाती है जब व्यक्ति अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ में समस्याओं का सामना करने लगता है।

हिप्पोकैम्पस पर असर - ब्रेन का विशेष हिस्सा जिसे हिप्पोकैम्पस कहा जाता है, हमारी याददाश्त और सीखने की क्षमता के लिए जिम्मेदार होता है। जब शरीर लंबे समय तक तनाव में रहता है, तो स्ट्रेस हार्मोन कोर्टिसोल का स्तर बढ़ जाता है। कोर्टिसोल की अधिकता हिप्पोकैम्पस को नुकसान पहुंचाती है, जिससे नई चीजें याद रखना और पुरानी चीजों को याद करना मुश्किल हो जाता है।

भावनात्मक रुप से बदलाव महसूस करना - क्रॉनिक स्ट्रेस ब्रेन के एमिग्डाला हिस्से को भी प्रभावित करता है, जो भावनात्मक याददाश्त को नियंत्रित करता है। इसके कारण व्यक्ति को जीवन की खराब चीजें अधिक स्पष्टता से याद रहती हैं, जबकि सकारात्मक अनुभवों को भूलना आसान हो जाता है। यह भावनात्मक असंतुलन पैदा कर सकता है।

न्यूरॉन्स को नुकसान पहुंचना - स्ट्रेस हार्मोन की अधिकता से न्यूरॉन्स यानी मस्तिष्क के नर्वस सिस्टम की कोशिकाओं को नुकसान होने लगता है। इसकी वजह से न्यूरॉन्स के बीच की कनेक्टिविटी कम हो जाती है, जिससे याददाश्त की क्षमता घट जाती है और व्यक्ति चीजों को याद करने में मुश्किल होती है।

तनाव से कमजोर याददाश्त को बचाने के उपाय -

रोजाना ध्यान और योग करने से तनाव दूर होता है।

रात के समय 7 से 8 घंटें की पर्याप्त नींद लेने से तनाव कम होता है।

ब्रेन को एक्टिव रखने के लिए आप संतुलित आहार का सेवन करें।

हर दिन फिजिकल एक्टिविटी को बढ़ाएं।

दोस्तों और करीबियों के साथ सोशल कनेक्शन बनाए रखें7

क्रॉनिक स्ट्रेस याददाश्त के लिए बेहद हानिकारक हो सकता है। लेकिन सही उपाय और जीवनशैली में कुछ बदलाव करके आप न केवल स्ट्रेस को नियंत्रित कर सकते हैं, बल्कि अपनी याददाश्त को भी बेहतर बना सकते हैं।

सोते-सोते क्यों हो जाती है लोगों की मौत?

कई लोग मानते हैं कि क्रॉनिक हार्ट फेलियर पुरुषों में ज्यादा होता है, लेकिन यह पूरी तरह सच नहीं है. बीएलके हार्ट सेंटर, नई दिल्ली के कार्डियोथोरेसिक सर्जरी विभाग के अध्यक्ष डॉ. अजय कौल के अनुसार, 45 वर्ष की उम्र से पहले पुरुषों में इस रोग का खतरा महिलाओं की तुलना में अधिक होता है ।

आज के समय में हृदय संबंधी बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं और उनमें से एक गंभीर समस्या है क्रॉनिक हार्ट फेलियर . यह एक ऐसी स्थिति है, जब हृदय शरीर की जरूरत के अनुसार पर्याप्त मात्रा में रक्त पंप नहीं कर पाता. यह स्थिति धीरे-धीरे विकसित होती है और कई बार लोग शुरुआती संकेतों को नजरअंदाज कर देते हैं, जिससे रोग बढ़कर गंभीर हो जाता है.

लक्षण

क्रॉनिक हार्ट फेलियर के शुरुआती चरण में कोई स्पष्ट लक्षण नहीं दिखते. जैसे-जैसे हृदय की कार्यक्षमता कम होती है, शरीर के कई हिस्सों पर असर दिखने लगता है. सबसे पहले मरीज को लगातार थकान महसूस होने लगती है. पैरों, टखनों और पंजों में सूजन आ जाती है. कई बार रात में बार-बार यूरिन पास करने की समस्या भी बढ़ जाती है. गंभीर स्थिति में सांस लेने में तकलीफ, घरघराहट, सीने में जकड़न और अनियमित धड़कनें देखने को मिलती हैं. अगर ऐसे संकेत नजर आएं, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए.

पुरुषों में ज्यादा खतरा मिथक या सच?

कई लोग मानते हैं कि क्रॉनिक हार्ट फेलियर पुरुषों में ज्यादा होता है, लेकिन यह पूरी तरह सच नहीं है. बीएलके हार्ट सेंटर, नई दिल्ली के कार्डियोथोरेसिक सर्जरी विभाग के अध्यक्ष डॉ. अजय कौल के अनुसार, 45 वर्ष की उम्र से पहले पुरुषों में इस रोग का खतरा महिलाओं की तुलना में अधिक होता है और इस उम्र तक अनुपात 7ः3 रहता है. लेकिन 50 वर्ष के बाद यह अनुपात लगभग बराबर हो जाता है. यानी उम्र बढ़ने के साथ पुरुष और महिलाएं दोनों समान रूप से जोखिम में आते हैं.

क्रॉनिक हार्ट फेलियर के प्रकार और उपचार

यह बीमारी चार चरणों (ञ्4श्चद्द 1 से ञ्4श्चद्द 4) में विभाजित है. टाइप 1 शुरुआती अवस्था होती है, जहां दवाइयों से उपचार संभव है. टाइप 2 और 3 में केवल दवाइयां काफी नहीं होतीं, इन मामलों में सर्जरी की आवश्यकता पड़ सकती है. टाइप 4 सबसे गंभीर अवस्था है, जब हृदय की कार्यक्षमता 85-90 प्रतिशत तक खत्म हो जाती है. इस स्थिति में हार्ट ट्रांसप्लांट ही एकमात्र विकल्प बचता है. डॉ. अजय कौल का कहना है कि अगर हृदय 50 प्रतिशत तक क्षतिग्रस्त हो चुका है, तो समय पर इलाज से मरीज सामान्य जीवन जी सकता है, लेकिन 65 प्रतिशत से अधिक नुकसान होने पर जटिलताएं बढ़ जाती हैं.

रोकथाम और लाइफस्टाइल मैनेजमेंट

इस बीमारी को रोकने के लिए जीवनशैली में बदलाव करना जरूरी है. सबसे पहले ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखें, क्योंकि अधिक बीपी होने पर हृदय को रक्त पंप करने में ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है. दिनभर में दो लीटर से ज्यादा तरल पदार्थ न लें, क्योंकि यह ब्लड वॉल्यूम बढ़ाता है और हृदय पर दबाव डालता है. नमक का सेवन कम करें, हेल्दी डाइट लें और धूम्रपान व शराब से दूर रहें. इसके अलावा, नियमित रूप से हेल्थ चेकअप कराना भी बेहद जरूरी है।

लोक सदन
गांधीवादी सिद्धांतों का संवाहक...
अपना सदन
https://epaper.dainikloksadan.com
कोरबा, 29 जुलाई, मंगलवार 2025

खास @ न्यूज

कांग्रेस संगठन को मजबूत करने की कवायद शुरू, बैठके आज

लोकसदन ➢➢कोरबा।

कांग्रेस संगठन को मजबूत करने की कवायद शुरू हो गई है। कोरबा जिले में भी मंडल कांग्रेस कमेटी व सेक्टर कांग्रेस कमेटी के गठन के लिए बनाए गये प्रभारी अपने - अपने प्रभार क्षेत्र में बैठक लेना शुरू कर दिये हैं। जिला कांग्रेस अध्यक्ष नत्थुलाल यादव ने प्रेस नोट जारी कर बताया कि 29 जुलाई को संध्या 3 बजे, बालको प्रभारी नारायण कुर्रे, दर्री प्रभारी मुकेश राठौर, कुसमुण्डा प्रभारी कृपाराम साहू, बैठक लेंगे। बालकों में उत्सव वाटिका में कुसमुण्डा में प्रेमनगर सामुदायिक भवन में दर्री के साडा कॉलोनी अग्र मंगल भवन में बैठक लेंगे । बैठक को सफल बनाने दर्री ब्लॉक अध्यक्ष राजेन्द्र तिवारी, बालको ब्लॉक अध्यक्ष दुष्यंत शर्मा, कुसमुण्डा ब्लॉक अध्यक्ष बसंत चंद्रा कांग्रेस कार्यकर्ताओं को समय पर उपस्थित होने आग्रह किया है।

नवचेतना महिला समिति ने किया भव्य सावन उत्सव का आयोजन

लोकसदन ➢➢कोरबा।

प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी साडा कॉलोनी जमनीपाली के नवचेतना महिला समिति द्वारा अग्र मंगल भवन, साडा कॉलोनी जमनीपाली में सावन उत्सव का भव्य आयोजन किया गया। महिला समिति के सभी सदस्यों ने इस मनभावन उत्सव में बड़े ही उत्साहपूर्वक भाग लिया एवं खुशियों के पल बटोरे, फोटो खिंचवाएं, झुला झुले। सावन उत्सव के इस खास पल को और भी मनोरंजक बनाने के लिए अनेंको मनोरंजक खेलों का आयोजन किया गया जिसमें सभी सदस्यों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। इस अवसर पर अनेंकों स्वादिष्ट व्यंजनों का सभी ने लुत्र उठाया। कार्यक्रम संध्या 4 बजे से देर रात तक चलता रहा है। कार्यक्रम स्थल पर सेल्फी जोन तैयार किया गया था, जिसका भी आयोजकों ने आनंद लिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सीमा अग्रवाल, अहूति भास्कर, डॉ.रितेश, सारिका सिंह, कविता यादव, निशा साहू, निर्मला देवी, राधा थापा, जानकी साहू, अनिता तनवर, नेहा राय, सिमरन राय, रूबी सिंह, सोनिया देवी, अनिता देवी, मीना भट्टाचार्य, उषा देवी, रूकमणी देवी, नीलम सिंह, नीलम रघुवंशी आदि का योगदान सराहनीय रहा। कार्यक्रम का सफल संचालन आंचल अग्रवाल ने किया।

उच्च श्रेणी शिक्षा हेतु केंद्रीय क्षेत्र छात्रवृत्ति योजना संबंध में अधिसूचना जारी

लोकसदन ➢➢कोरबा।

भारतीय वृक्षारोपण प्रबंधन संस्थान बेंगलुरु में कृषि-निर्यात और प्रसंस्कृत खाद्य क्षेत्र में 02 वर्ष के एआईसीटीई अनुमोदित स्नातकोत्तर कार्यक्रम अंतर्गत पीजीडीएम इन एग्रीबिजनेस एंड प्लांटेशन मैनेजमेंट, फूड प्रोसेसिंग एंड बिजनेस मैनेजमेंट एवं एग्रीकल्चर एक्सपोर्ट एंड बिजनेस मैनेजमेंट कोर्स प्रदान करता है। यह संस्थान भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय नई दिल्ली का एक स्वायत्त संगठन है। साथ ही भारत सरकार के सामाजिक न्याय अधिकारिता मंत्रालय द्वारा मान्यता प्राप्त है एवं अनुसूचित जाति/जनजाति छात्रों के लिए उच्च श्रेणी की शिक्षा के लिए केंद्रीय क्षेत्रीय छात्रवृत्ति के अंतर्गत पंजीबद्ध है। पाठ्यक्रमों में प्रवेश के इच्छुक छात्र भारतीय वृक्षारोपण प्रबंधन संस्थाना बेंगलुरू की वेबसाइट का विजिट कर एडमिशन के संबंध में अधिक जानकारी प्राप्त कर सकते है।

केंदई वन परिक्षेत्र में हाथियों ने तोड़े मकान, डाला डेरा ग्रामीणों में दहशत

लोकसदन ➢➢कोरबी-चोटिया/कोरबा।

कटघोरा वन मंडल के अंतर्गत केंदुई रेंज में आने वाले कोरबी चोटिया सर्किल के ग्राम खुरूपारा , में बीते रात्रि 2 दतैल हाथियों ने पूरी रात कोहराम मचाया है, और कृषक रवि पिता रामचंद्र रजवार, के घर के तीन दरवाजे को तोड़कर तहस-नस कर दिया और रखें धान को खाकर चौपट कर दिया। इसकी सूचना आज दिनांक28 जुलाई को मौका निरीक्षण के लिए वनरक्षक प्रहलाद सिदार, को दी गई लेकिन किसी ने मौके पर जाकर अपनी जिम्मेदारी नहीं निभाई। समाचार लिखी जाने तक विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारियों द्वारा गांव में मुनादी भी नहीं कराई गई है और ग्रामीणों में दहशत बनी हुई है।

साफ-सफाई को लेकर

राजू होटल पर निगम ने लगाया 50 हजार रु. का जुर्माना

नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा शहर को साफ-सुथरा रखने, गंदगी न फैलाने की दी जा रही लगातार समझाईश के बाद अब शहर की स्वच्छता के साथ खिलवाड़ करने व गंदगी फैलाने वालों के साथ निगम किसी भी प्रकार की रियायत करने के मूड में नहीं है, आज टी.पी.नगर कोरबा स्थित राजू होटल के संचालक द्वारा गंदगी फैलाने एवं होटल से उत्सर्जित अपशिष्ट को नाली में डालने पर निगम ने कड़ी कार्यवाही करते हुए उस पर 50 हजार रूपये का अर्थदण्ड लगाया, साथ ही कड़ी चेतावनी दी कि भविष्य में उक्त कृत्य की पुनरावृत्ति होने पर अन्य वैधानिक कार्यवाही भी की जाएगी।

समझाईश के बावजूद आदतों में सुधार नहीं ला रहे कतिपय लोग, शहर की स्वच्छता पर लगा रहे दाग

लोकसदन ➢➢कोरबा।

नगर पालिक निगम आयुक्त आशुतोष पाण्डेय के कोरबा में पदस्थ होने के बाद से ही शहर की स्वच्छता व साफ-सफाई व्यवस्था में आमूल-चूल सकारात्मक बदलाव लाने को निगम द्वारा सर्वप्राथमिकता पर रखा गया है, एक ओर जहाँ आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय स्वयं प्रतिदिन सुबह 07 बजे से शहर का भ्रमण कर साफ-सफाई कार्यो सहित अन्य व्यवस्थाओं का कड़ाई से निरीक्षण कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर उनके कड़े दिशा निर्देशन में निगम के सभी जोन कमिश्नर अपने-अपने जोन के मैदानी अमले व एक्शन टीम के साथ सुबह-सुबह फील्ड में खड़े नजर आते हैं, जो वार्ड व बस्तियों का भ्रमण कर साफ-सफाई कार्यो, अतिक्रमण, अवैध कब्जों सहित पेयजल, सड़क रोशनी व शहर की अन्य व्यवस्थाओं का सतर्क निरीक्षण कर व्यवस्थाओं को पटरी पर लाने का भरसक प्रयास कर रहे हैं। निगम अमले द्वारा साफ-सफाई के प्रति लोगों को लगातार जागरूक भी किया जा रहा है, शहर की स्वच्छता में अपनी सहभागिता देने की अपील के साथ-साथ सड़क, नाली में कचरा न डालने, गंदगी न करने की लगातार समझाईश भी दी जा रही है। इन सबके बावजूद कतिपय लोग अपनी आदतों में सुधार नहीं ला रहे हैं, उनके द्वारा कचरे को सड़क नाली में डाल दिया जा रहा है, जिससे शहर की स्वच्छता व साफ-सफाई कार्य बाधित हो रहे हैं, निगम के इस दिशा में किए जा रहे प्रयासों को धक्का लग रहा है।

आगे वैधानिक कार्यवाही भी

नगर निगम कोरबा अब गंदगी करने वालों को किसी भी प्रकार की रियायत देने के मूड में नहीं है, लगातार दी जा रही समझाईश के बावजूद गंदगी करने वालों के विरूद्ध अब कड़ी कार्यवाही की जा रही है। इसी कड़ी में आज टी.पी.नगर कोरबा स्थित राजू होटल पर निगम ने 50 हजार रूपये का अर्थदण्ड लगाया, जोन कमिश्नर श्री अखिलेश शुक्ला ने बताया कि उक्त होटल संचालक द्वारा होटल से उत्सर्जित अपशिष्ट कोयल की राख आदि को नाली में डम्प किया जा रहा था, साथ ही उत्सर्जित मलवे को सड़क व आसपास के स्थल में फेंका जा रहा था, इसे गंभीरता से लेते हुए निगम द्वारा उक्त होटल संचालक पर 50 हजार रूपये का अर्थदण्ड लगाया गया, साथ ही कड़ी चेतावनी भी दी गई कि उक्त कृत्य की पुनरावृत्ति न हों, अन्यथा अर्थदण्ड के साथ-साथ अन्य वैधानिक कार्यवाही भी की जाएगी।

शराब दुकान पर भी लगा जुर्माना

इसी प्रकार नगर पालिक निगम कोरबा के अमले के द्वारा खरमोरा मैगजीनभांठा स्थित शराब दुकान के संचालक पर भी गंदगी फैलाने के कारण 5000 रूपये का अर्थदण्ड लगाया गया, अधिकारियों ने बताया कि उक्त शराब दुकान परिसर तथा आसपास के स्थल में काफी मात्रा में गंदगी फैलाई गई थी, जिस पर कार्यवाही करते हुए निगम अमले ने उक्त अर्थदण्ड लगाया, साथ ही कड़ी चेतावनी दी कि उत्सर्जित कचरे का उचित प्रबंधन दुकान संचालक कराएं, गंदगी न करें अन्यथा और अधिक कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

शहर की स्वच्छता पर कोई समझौता नही

सड़क, नाली, सार्वजनिक स्थल में कचरा डालने वालों व शहर की स्वच्छता के साथ खिलवाड़ करने वालों को अल्टीमेटम देते हुए आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय ने कहा है कि साफ-सफाई कार्य व शहर की स्वच्छता के साथ किसी प्रकार का कम्प्रोमाईज नहीं किया जाएगा, गंदगी करने वालों के विरूद्ध अब कड़ी कार्यवाही होगी। उन्होने निगम के संबंधित जोन कमिश्नरों, मैदानी अमले व स्वच्छता विभाग से जुड़े अधिकारी कर्मचारियों को पुन: कड़े निर्देश दिए हैं कि वे साफ-सफाई कार्यो व शहर की स्वच्छता पर कड़ी नजर रखें, वार्ड व बस्तियों का नियमित रूप से भ्रमण कर सफाई कार्यो का कड़ाई के साथ निरीक्षण करें तथा जिन लोगों द्वारा सड़क, नाली व सार्वजनिक स्थलों पर कचरा डाला जा रहा है, उन पर त्वरित एक्शन लें तथा अर्थदण्ड सहित अन्य वैधानिक कार्यवाही सुनिश्चित कराएं।

पाली-दीपका मार्ग में सड़क हादसा :1 की मौत, 3 युवतियां गंभीर रूप से घायल

लोकसदन ➢➢कोरबा।

ग्राम बंधाखार स्थित तिवरता पेट्रोल पंप के पास पाली-दीपका मुख्य मार्ग पर आज एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन युवतियां गंभीर रूप से घायल हो गईं।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, खरमोरा निवासी अभय और नूनेरा निवासी तीन युवतियां राधा, रौशनी और आँचल एक ही मोटरसाइकिल में सवार होकर कनकी मेला जा रहे थे, जब उनका वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में अभय की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि तीनों युवतियां गंभीर रूप से घायल हो गईं। सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों की मदद से 112 वाहन के माध्यम से घायलों को तत्काल पाली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुँचाया गया, जहां उनका प्राथमिक उपचार जारी है। विदित हो कि उक्त स्थल पर लगभग 1 महीने पहले ही ऐसे ही एक और दुर्घटना हो चुकी है, जिसमें 1 व्यक्ति की मौत हो गई थी। पुलिस द्वारा मामला दर्ज कर जांच की जा रही है।

हादसे की खबर मिलते ही क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। लोगों ने दुर्घटना के कारणों की जांच करने और सड़क सुरक्षा के उपाय करने की मांग की है।

पाली टीआई जितेंद्र यादव ने बताया कि मृतक अभय के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है । वहीं गंभीर रूप से घायल तीनों युवतियों का उपचार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में चल रहा है। अभी तक कोई प्रत्यक्षदर्शी सामने नहीं आया है जिससे यह पता चल सके कि यह घटना कैसे हुई। घायल युवतियों के ठीक होने का इंतजार किया जा रहा है ताकि उनसे घटना की वास्तविकता पता चल सके, लेकिन घटनास्थल का मंजर देखकर प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि किसी भारी वाहन से उनकी टक्कर हुई है । फिलहाल घटना की बारीकी से जाँच की जा रही है।

दिव्यांग युवती ने नौकरी के लिए कलेक्टर से की गुहार

लोकसदन ➢➢कोरबा।

जिले के ग्राम गोढी की विकलांग युवती तेरस बाई यादव ने कलेक्टर कोरबा को एक आवेदन पत्र सौंपकर नौकरी की गुहार लगाई है।

तेरस बाई ने बताया कि वह जन्म से ही अपने बाएं पैर से 40 प्रतिशत विकलांग हैं और गरीब किसान परिवार से ताल्लुक रखती हैं। उन्होंने बीए फाइनल और एमए अंग्रेजी की पढ़ाई की है, लेकिन आर्थिक स्थिति के कारण आगे की पढ़ाई करने में परेशानी हो रही है कहते हुए तेरस बाई ने कलेक्टर से अनुरोध किया है कि उसे शिक्षा विभाग या किसी अन्य विभाग में दिव्यांग

कोटे में नौकरी देने की मांग की है। तेरस बाई के अनुसार वह अपने परिवार की पहली महिला हैं जिन्होंने उच्च शिक्षा प्राप्त की है। कलेक्टर ने तेरस बाई के आवेदन पर संज्ञान लेते हुए आश्वासन दिया है।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया द्वारा किया गया ग्राम पंचायत पोंड़ी में वित्तीय समावेशन अभियान

लोकसदन ➢➢ बिलासपुर।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, क्षेत्रीय कार्यालय बिलासपुर द्वारा 28 जुलाई को को भारत सरकार वित्तीय सेवाएं विभाग द्वारा 3 माह तक चलाई जा रही वित्तीय समावेशन अभियान के अंतर्गत ग्राम पंचायत पोंड़ी में जनसमान्य हेतु वित्तीय समावेशन अभियान का आयोजन किया गया तथा प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के हितग्राहियों को रु. 02 लाख का बिमा कवर दावा का वितरण भी किया गया.

इसवित्तीय समावेशन अभियान के दौरान जनसमान्य को प्रधानमंत्री जनधन खाता, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बिमा योजना, 10 वर्ष या अधिक वर्ष पहले खोले गए बचत खातों के लिए ऋ्यइ्व्ष्ट, डिजिटल धोखाधडी से बचने, भारतीय रिजर्व बैंक इंडिया के अनक्लेम्ड डिपोजिट में धन हस्तांरण की दावा आपत्तीय की जानकारी, रु. 1000 से रु. 5000 प्रतिमाह की गारंटीकृत पेंशन के लिए अटल पेंशन योजना की जानकारी प्रदान की गयी. उपरोक्त आयोजित कार्यक्रम में यूनियन बैंक के क्षेत्र प्रमुख श्री रणधीर कुमार, एवं बैंक के अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

बालको महिला मंडल ने धूमधाम से मनाया तीज महोत्सव

लोकसदन ➢➢कोरबा।

बालको महिला मंडल ने तीज महोत्सव धूमधाम से आयोजित किया। पदाधिकारियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित, गणेश स्तुति एवं शंखनाद के साथ कार्यक्रम की शुरूआत की गई। उत्सव में 65 से अधिक सदस्यों ने पारंपरिक परिधानों में अपनी सांस्कृतिक विरासत की सुंदर प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में पारंपरिक सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ और तीज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें छह श्रेणियों में विजेताओं का चयन किया गया, जिसमें तीज क्वीन सीमा साहू, प्रथम रनर-अप अल्का पृथ्विकार, द्वितीय रनर-अप इला छुगानी, मिस स्टनिंग ब्यूटी अनुराधा, मिस एलिगेंट सिम्प्लिसिटी सिमरन जैन और मिस ट्रेडिशनल पेजेंट हनी देवले थी। इस आयोजन ने भारतीय सांस्कृतिक परंपराओं के संरक्षण की भावना को प्रबल किया, साथ ही क्लब के सदस्यों के बीच आपसी सौहार्द और एकता को भी सशक्त किया।

यह आयोजन क्लब की अध्यक्ष श्रीमती मनीषा कुमार के कुशल नेतृत्व और सलाहकार मंडल, श्रीमती वीनेता सिंह, श्रीमती रमा द्विवेदी, श्रीमती वंदना शर्मा तथा श्रीमती दिव्या ओझा के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के सफल आयोजन पर सचिव श्रीमती सुष्मिता श्रीवास्तव और कोषाध्यक्ष श्रीमती पल्लवी पाटिल ने बालको महिला मंडल की सभी सदस्याओं और मुख्य अतिथि के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा कि बालको महिला मंडल अपने सांस्कृतिक कार्यक्रम से बालकोनगर के उत्थान में महत्वपूर्ण योगदान निभा रहा है। इस आयोजन को सफल बनाने में सदस्यगण श्रीमती मोनिका कोचर, श्रीमती अंकिता सिंह, श्रीमती शिवानी प्रसाद, श्रीमती जागृति सिंह और श्रीमती नीतू वर्मा प्रमुख भूमिका रही।

बालको महिला मंडल द्वारा हालिया दिनों में विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की गईं। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर क्लब सदस्यों ने मिलकर पौधारोपण किया। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर योगा का आयोजन, विश्व सोशल मीडिया दिवस पर नृत्य प्रस्तुति के माध्यम से सामाजिक संदेश साझा किया गया, जबकि विश्व संगीत दिवस पर आयोजित आनंददायक अंताक्षरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

जिला कार्यालय में ब्लाक कांग्रेस कमेटी के संगठन प्रभारी ने लिया संगठनात्मक बैठक

लोकसदन ➢➢कोरबा।

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी कोरबा के संगठन ब्लॉक प्रभारी सुधीर जैन ने मंडल, सेक्टर, वार्ड एवं बूथ कमेटी बनाने के लिए संगठनात्मक बैठक लिया। जिला कांग्रेस कार्यालय टी पी नगर कोरबा में कोरबा ब्लॉक अंतर्गत वार्ड क्रमांक 1 से वार्ड क्र.37 तक के कांग्रेसजनों के साथ बैठक आयोजित किया गया। बैठक में पार्षद, पार्षद प्रत्याशी, जिला कांग्रेस, महिला कांग्रेस, युवा कांग्रेस, ब्लॉक कांग्रेस, जोन, वार्ड एवं बूथ कांग्रेस के पदाधिकारियों ने हिस्सा लिया।

बैठक में कांग्रेस के संगठन ब्लॉक प्रभारी सुधीर जैन ने अपने उद्बोधन में कांग्रेस संगठन की मजबूती, कार्यकर्ताओं की भूमिका तथा बूथ, वार्ड, जोन, सेक्टर एवं मण्डल कांग्रेस कमेटी के संगठन के मजबूती को लेकर अपने विचार व्यक्त किया। पूर्व महापौर राजकिशोर प्रसाद ने अपने संबोधन में कहा कि कांग्रेस पार्टी केवल एक राजनीतिक दल नहीं बल्कि यह एक विचारधारा है जो गरीब, किसान, मजदूर, युवा, महिला और शोषित वर्ग के हक के लिए आवाज उठाता है। यह वह विचार है जिसने हमें आजादी दिलाई सविंधान दिया और देश के विकास की राह पर अग्रसर किया।

कोरबा ब्लॉक प्रभारी सुधीर जैन ने उपस्थितजनों से सुझाव लेकर कोरबा ब्लॉक के 37 वार्डों को 4 मण्डल में विभाजित किया। जिसमें सीतामणी मण्डल में वार्ड क्रमांक 5 से वार्ड क्रमांक 14 तक को शामिल किया गया है। टी पी नगर मण्डल में वार्ड क्रमांक 1, 2, 3, 4, 15, 16, 17, 18 एवं वार्ड क्रमांक29 को लिया है। बुधवारी मण्डल में वार्ड क्रमांक 19 से वार्ड क्रमांक 24 तक एवं वार्ड क्रमांक 36 एवं 37 को शामिल किया गया है। वहीं निहारिका मण्डल में वार्ड क्रमांक 25 से वार्ड क्रमांक 35 तक को लिया गया इसमें वार्ड क्रमांक 29 को टी पी नगर मण्डल में जोड़ा गया है। कार्यक्रम के प्रारंभ में ब्लॉक प्रभारी, बैठक में अध्यक्षता कर रहे पूर्व महापौर राजकिशोर प्रसाद,

विशिष्ट अतिथी प्रदेश सचिव बी एन सिंह, नेता प्रतिपक्ष कृपाराम साहू, महिला कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती कुसुम द्विवेदी, पार्षद मुकेश राठौर, सुकसागर निर्मलकर, डॉ.रामगोपाल कुर्रे, रवि चंदेल, युवा कांग्रेस अध्यक्ष राकेश पंकज का कांग्रेसी गमछा पहनाकर स्वागत सत्कार किया गया। तत्पश्चात् ब्लॉक अध्यक्ष संतोष राठौर ने स्वागत उद्बोधन दिया। बैठक में इंटक पदाधिकारी मनहरण राठौर, रामकुमार राठौर, डॉ.ओमप्रकाश महंत, रवि खुंटे, श्रीमती सुभद्रा सिंह, सुभाष राठौर, अविनाश बंजारे, आनंद पालीवाल, पालुराम साहू, मनकराम साहू, कुंजबिहारी साहू, सुनील निर्मलकर, रमेश वर्मा, मुस्लिम खान, समसुद्दीन खान, राजेश यादव, द्रौपती तिवारी, शशि अग्रवाल, संजू पैकरा, शांता मण्डावे, रामगोपाल यादव, अमित पन्ना, रमेश राठौर, टेकराम श्रीवास, संजय अग्रवाल, हिमांशु सिंह, अतुल दास महंत, आकाश प्रजापति, देव जायसवाल, प्रदीप जायसवाल, सत्यप्रकाश साहू, शालनी राही, आरिफ खान आदि ने सुझाव दिये। बैठक को पूर्व महापौर राजकिशोर प्रसाद, प्रदेश सचिव बी एन सिंह, जिला महिला कांग्रेस अध्यक्ष कुसुम द्विवेदी, युवा कांग्रेस अध्यक्ष राकेश पंकज ने भी संबोधित किया। मुकेश राठौर, कृपाराम साहू, रवि चंदेल, सुखसागर निर्मलकर, आनंद पालीवाल, नारायण कुर्रे, डॉ.रामगोपाल ने महत्वपूर्ण सुझाव उद्बोधन दिया।

बैठक में संतोष पटेल, रवि सिंह, टिकी महंत, गोपाल यादव, सुनील नेताम, अवधेश राठिया, एन यू कुरैशी, रम्हन दास, बसौर खान, पवन चौहान, नारायण यादव, दिनेश चौहान, नेजामुद्दीन, अरूण यादव, सुजीत बर्मन, विजय आदिले, अमित निराला, रवि टोप्पो, विजय आनंद, नदीम बेग, सतिष नेताम, प्रहलाद तिर्की, बाली चौहान, शशि राय, नारायण लाल, नवरतन सिंह, सी के पाण्डेय, राजेन्द्र श्रीवास, मन्नु विश्वकर्मा, हिमांशु सिंह, हरनारायण राठौर, शशिराज, चालेश्वर सिंह, कलीम अंसारी, कुसुम भगत, लक्ष्मी मरकाम, मनोज कुमार, टेकराम यादव, एहसान अंसारी, रूपेश साहू आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती शालू रोहरा द्वारा डी.बी. कार्प. लिमिटेड, नियर नर्मदा कोल्ड ड्रिंक्स सिरगिट्टी, बिलासपुर (छत्तीसगढ़) द्वारा मुद्रित और रानी रोड , कोरबा 495677 छग से प्रकाशित।
संपादक-श्रीमती सोनकुंवर मैत्री। (पी.आर.बी. कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार) मो. नं.- 97525-27100